- लालू बेटे को सीएम व सोनिया बनाना चाहती हैं पीएम, दोनों पद खाली नहीं : शाह - 12

- एफटीए पर चर्चा जारी रखेगा भारत और यूरोपीय संघ - 12

- मोदी बहुत अच्छे इंसान, भारत के साथ व्यापार समझौता करेगा अमेरिका : ट्रंप - 13

- महिला विश्व कप: सेमीफाइनल में हरमनप्रीत को खेलनी होगी 8 साल पहले जैसी जादुई पारी- 14

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
21.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.22
सूर्यास्त 05.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष अष्टमी 10:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 340, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राफेल लड़ाकू विमान में भरी उड़ान

अंबाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को हरियाणा के अंबाला में स्थित वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरी और इसे अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए कहा कि इससे उनके अंदर देश की रक्षा क्षमताओं के प्रति गर्व की एक नई भावना जगी है। राष्ट्रपति ने यात्रा से ठीक पहले स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ फोटो खिंचवाई। पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया हैंडल पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान राफेल लड़ाकू विमान उड़ाने वालीं देश की पहली महिला पायलट सिंह को पकड़े जाने का दावा किया गया था। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी इसी एयर बेस से एक अलग विमान में उड़ान भरी। राष्ट्रपति मुर्मू दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति बन गई हैं। राफेल विमान में सवार होने से पहले राष्ट्रपति ने जी-सूट पहना था। हाथ में हेलमेट लिए और धूप का चश्मा लगाए मुर्मू ने एयर चीफ मार्शल और वायुसेना के अधिकारियों के साथ फोटो खिंचवाईं। पूर्वाह्न 11.27 बजे विमान ने उड़ान भरी और लगभग 30 मिनट में करीब 200 किलोमीटर तय करने के बाद वायुसेना स्टेशन पर लौटा।

वैश्विक तनाव, व्यापार बाधाओं के बीच भारत स्थिर प्रकाश स्तंभ

मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव

- **प्रधानमंत्री ने कहा-देश का समुद्री क्षेत्र तीव्र गति से आगे बढ़ रहा**

मुंबई, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वैश्विक तनाव, व्यापार व्यवधानों और आपूर्ति शृंखलाओं में बदलाव के बीच भारत को दुनिया के लिए एक स्थिर प्रकाश स्तंभ बताया। मुंबई में भारतीय समुद्री सप्ताह-2025 में 'मैरीटाइम लीडर्स कॉनक्लेव' को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक है।

मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव के दौरान एक प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रधानमंत्री।

मोदी ने कहा कि भारत का जीवंत लोकतंत्र और विश्वसनीयता ऐसी चीजें हैं जो भारत को विशेष बनाती हैं। उन्होंने कहा कि जब वैश्विक समुद्र में उथल-पुथल मची होती है, तो दुनिया एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करती है। भारत पूरी मजबूती के साथ ऐसे प्रकाश स्तंभ की भूमिका निभा सकता है। मोदी ने कहा कि वैश्विक तनाव, व्यापार व्यवधान और बदलती आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच भारत रणनीतिक स्वायत्तता, शांति और समावेशी विकास का प्रतीक है। देश की समुद्री और व्यापार पहल एक व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं। उन्होंने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे को भविष्य में व्यापार मार्गों को उदाहरण के रूप में उद्धृत किया। कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नीली अर्थव्यवस्था व तटीय विकास पर फोकस

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में व्यापार और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिला है। मोदी ने कहा 21वीं सदी का एक चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इस सदी के अगले 25 साल और भी महत्वपूर्ण हैं, इसलिए हमारा ध्यान नीली अर्थव्यवस्था और सतत तटीय विकास पर है। हम हरित लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह संपर्क और तटीय औद्योगिक समूहों पर बहुत जोर दे रहे हैं। समुद्री क्षेत्र में अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 देश के समुद्री क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक रहा है, जिसमें कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां रही हैं। भारत का पहला गहरे पानी वाला अंतर्राष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट हब, विझिंजम बंदरगाह, इसी वर्ष चालू हुआ।

ब्रीफ न्यूज

तालाब में डूबने से एक हाथी शावक की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में तालाब में नहाने के दौरान एक हाथी शावक की डूबने से मौत हो गई। धरमजयगढ़ वन मंडल के वनमंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को बताया कि यह हादसा कल उस समय हुआ, जब विचरण कर रहे 22 हाथियों का झुंड छाल रेंज के औरानारा तालाब में नहाने गया था।

बाघ आकलन प्रक्रिया में शामिल होंगे विद्यार्थी

भुवनेश्वर। ओडिशा के देबरीगढ़ वन्यजीव अभयारण्य के अधिकारियों ने आगामी अखिल भारतीय बाघ आकलन (एआईटीई)-2025-26 में स्कूल और कॉलेज के छात्रों को शामिल करने का निर्णय लिया है। प्रभागीय वन अधिकारी अंशु प्रज्ञान दास ने कहा कि युवाओं को शामिल करके, हम भविष्य के नेताओं और निर्णयकर्ताओं की एक पीढ़ी तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं जो अभयारण्य में संरक्षण प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित होंगे।

मूर्ति को अपवित्र करने में बांग्लादेशी गिरफ्तार

बेंगलुरु। मंदिर के गर्भगृह के बाहर रखी मूर्ति को अपवित्र करने के आरोप में 45 वर्षीय एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मंदिर के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने आरोपी कबीर मंडल को पकड़ लिया और पिटाई कर दी।

न्यायिक दक्षता से पर्यावरणीय नीति तक यूपी बना सुशासन का मॉडल

राज्य सरकार ने कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से पांच प्रस्तावों को दी स्वीकृति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने कैबिनेट बाई सर्कुलेशन से सुशासन और विकास की दिशा में कई बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इन निर्णयों में न्यायिक विभाग में 274 नए पदों का सृजन, भदोही में राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना, पर्यावरण निदेशालय का गठन, कृषि में डिजिटलीकरण और डीपीओ भर्ती के मानदंडों का विस्तार प्रमुख हैं।

न्याय तक आम नागरिक की पहुंच आसान बनाने और वादों के निस्तारण में तेजी लाने के लिए न्यायिक विभाग में 274 नए पद सृजित किए गए हैं। यह निर्णय राज्य की न्यायिक दक्षता को मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर नागरिक को समय पर न्याय मिले यही सुशासन की पहचान है। शिक्षा के विकेंद्रीकरण की दिशा में सरकार ने भदोही में नए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना को स्वीकृति दी है। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप है और उच्च शिक्षा की पहुंच पिछड़े जिलों तक बढ़ाएगा। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा व अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। बाल विकास एवं पोषण विभाग में जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) पद के लिए पात्रता मानदंडों का दायरा बढ़ाया गया है। अब समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान के स्नातक भी आवेदन कर सकेंगे। यह निर्णय शासन में अंतर्विषयक दृष्टिकोण और सामाजिक नीति निर्माण को प्रोत्साहन देगा।

- **भदोही में राज्य विवि को मंजूरी डीपीओ भर्ती मानदंड बढ़ाया**

पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन निदेशालय बनेगा

जलवायु संरक्षण और हरित विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य ने 'पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन निदेशालय' की स्थापना को मंजूरी दी है। यह भारत में अपनी तरह का पहला राज्यस्तरीय संस्थान होगा, जो सतत विकास की नीतियां तैयार करेगा और भारत के नेट-ज़ीरो 2070 लक्ष्य में योगदान देगा

कृषि का डिजिटलीकरण, भुगतान की गारंटी

किसानों के हित में सरकार ने गेहूं और धान की खरीद प्रक्रिया में ई-मशीनों के प्रबंधन का कार्य यूपीडेस्को को सौंपा है। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी, भुगतान में देरी कम होगी और कृषि प्रणाली में जवाबदेही आएगी।

संभल, बाराबंकी और फतेहपुर में खुलेंगे निजी विश्वविद्यालय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन मिल रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बुधवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, चंदौली (संभल) तथा बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी को संचालन प्राधिकार-पत्र (लेटर ऑफ ऑथराइजेशन) प्रदान किया। वहीं, ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय, फतेहपुर के एंग्लो संस्कृत कालेज, फतेहपुर को आशय-पत्र सौंपा गया। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, चंदौसी का नाम उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (पंचम संशोधन) अध्यादेश, 2025 के अंतर्गत अधिनियम की अनुसूची-2 में क्रमांक 52 पर तथा बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी का नाम तृतीय संशोधन अध्यादेश, 2025 के तहत क्रमांक 50 पर सम्मिलित किया गया है।

खड़े ट्रक में घुसी रोडवेज बस, 2 की मौत, 17 घायल

बदायूं। बरेली-मथुरा राजमार्ग पर मंगलवार आधी रात कछला के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में एक रोडवेज बस जा घुसी। हादसे में आईटीबीपी के जवान और रोडवेज बस चालक की मौत हो गई जबकि बस में सवार 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

- **बरेली-मथुरा हाईवे पर कछला के पास अलीपुर तिराहे पर हुआ हादसा**

आगरा डिपो की रोडवेज बस यूपी 78 जेटी 5528 आगरा से सवारियों को लेकर हल्द्वानी जा रही थी। बस में 25 यात्री बैठे थे। रात लगभग साढ़े 12 बजे रोडवेज बस कोतवाली उझानी क्षेत्र में कछला के अलीपुर तिराहे के पास राजमार्ग किनारे खड़े ट्रक आरजे 11 जीबी 2368 राजमार्ग में जा घुसी। मौके पर चीख पुकार मच गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घायलों को उझानी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने आईटीबीपी के जवान जिला मैनपुरी के थाना घिरोर क्षेत्र के गांव गोधना निवासी धर्मेंद्र कुमार (46) और रोडवेज बस चालक आगरा के थाना सैया क्षेत्र के पुरामहाराज निवासी हाकिम सिंह (45) पुत्र बाबूराल को मृत घोषित कर दिया। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है।

रामपुर सीआरपीएफ कैंप पर हमले का मामला

हाईकोर्ट ने चार दोषियों की फांसी की सजा को रद्द किया

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- **कोर्ट ने जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर उठा गंभीर सवाल**

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के रामपुर जिले में सीआरपीएफ कैंप पर 1 जनवरी 2008 को हुए आतंकी हमले में दोषसिद्ध चार अभियुक्तों की फांसी की सजा को रद्द करते हुए उन्हें बरी कर दिया है। कोर्ट ने जांच एजेंसियों की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठाए और कहा कि पूरी जांच खामियों से ग्रस्त रही, जिससे अभियोजन का आधार ही कमजोर हो गया। कोर्ट ने अपनी विशेष टिप्पणी में कहा कि हम अपराध की गंभीरता और उसकी भयावहता को नजरअंदाज नहीं कर सकते, किंतु न्यायशास्त्र का मूल सिद्धांत है कि यदि संदेह की गुंजाइश है, तो लाभ अभियुक्त को मिलना चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने चारों आरोपियों को बरी करते हुए दिया। मामले में बहस पूरी होने के बाद 4 सितंबर 2025 को फैसला सुरक्षित कर लिया गया था।

बता दें कि सत्र न्यायालय, रामपुर ने 2 नवंबर 2019 को हमले के चार आरोपियों मोहम्मद शरीफ उर्फ सुहैल उर्फ साजिद, सबाउद्दीन, इमरान शहजाद और मोहम्मद फारूख को फांसी की सजा सुनाई थी, जबकि जंग बहादुर खान उर्फ बाबा खान को उम्रकैद की सजा दी गई थी। 18 मई 2025 को इस मामले का साजिशकर्ता सैफुल्लाह को पाकिस्तान में मार दिया गया था।

साक्ष्य एकत्र करने में हुई गंभीर लापरवाही

मामले पर विचार करते हुए कोर्ट ने माना कि जांच के दौरान फोरेंसिक व वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करने में गंभीर लापरवाही बरती गई। कोर्ट ने पाया कि जांच एजेंसियों ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन नहीं किया और अभियोजन स्वीकृति भी विधि के अनुसार प्राप्त नहीं की गई थी। कोर्ट ने जांच में हुई चूकों के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया, साथ ही कहा कि ऐसे मामलों में दोषसिद्धि केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया पर नहीं, बल्कि ठोस साक्ष्यों पर होनी चाहिए।

आंध्र में मोंथा ने मचाई तबाही

दो लोगों की मौत, फसलें क्षतिग्रस्त, सड़कें जलमग्न

अमरावती, एजेंसी

भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा ने आंध्र प्रदेश में भारी तबाही मचाई। रात में आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद भारी बारिश से सड़कें जलमग्न हो गईं, कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए जबकि दो लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक अनुमानों का हवाला देते हुए सरकार ने मंगलवार को बताया था कि मोंथा के प्रभाव से 38,000 हेक्टेयर में खड़ी कृषि फसलें नष्ट हो गईं तथा 1.38 लाख हेक्टेयर में बागवानी फसलें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पश्चिम गोदावरी जिले के पुलिस अधीक्षक अदनान नईम असमी ने बताया कि जिले भर में 141 पेड़ उखड़ गए और लोगों को सांपों द्वारा काटे जाने के आठ मामले सामने आए। बिजली के कुछ खंभे भी टूटकर गिर गए। मोगलतुरु इलाके में एक-दो फूस के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सुरक्षा के लिए कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति काट दी थी। एडीएसपी ने चक्रवात के प्रभावी प्रबंधन का श्रेय लोगों में व्यापक जागरूकता और समुद्र तटीय गांवों में वायरलेस सेट के माध्यम से गहन संचार को दिया।

प्रभावित क्षेत्रों का हेलिकॉप्टर से निरीक्षण करते सीएम चंद्रबाबू नायडू।

एहतियाती उपायों से नुकसान कम हुआ : नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि भीषण चक्रवाती तूफान ''मोंथा'' के कारण राज्य में दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपायों से नुकसान को कम करने में मदद मिली। मुख्यमंत्री ने चक्रवात प्रभावित लोगों को अधिक राहत देने के लिए पूरे सरकारी तंत्र से अगले दो दिन तक अपने प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। नायडू ने कहा कि अगर हम अगले दो दिन तक इसी तरह काम करते हैं तो हम लोगों को बहुत राहत दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने का निर्देश दिया।

तेलंगाना, प. बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश

हैदराबाद। चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के असर से बुधवार को तेलंगाना के विभिन्न जिलों में मूसलाधार बारिश हुई। यह तूफान आंध्र प्रदेश के तट से बीती रात गुजरा। पश्चिम बंगाल के अधिकांश जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम कार्यालय ने कहा कि बुधवार को दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम के कुछ हिस्सों में और शुक्रवार तक बीरभूम, मुर्शिदाबाद, पूर्व बर्धमान एवं पुरुलिया जिलों में भारी बारिश की प्रबल संभावना है। तेलंगाना में वारंगल, महबूबाबाद, यदाद्री भुवनगिरी, जंगांव, सूर्यापेट, नलगोंडा, नागरकर्नूल और सिद्धिपेट समेत कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। हैदराबाद में भी तेज बारिश हुई।

कोनासीमा जिले के अंतरवेदी गांव में चक्रवात ने दस्तक दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 200 पेड़ों के उखड़ने और 70 बिजली के खंभों को नुकसान हुआ। पेड़ों के गिरने से दो लोग घायल भी हुए हैं।

ईडी ने जब्त की 1.5 करोड़ नकदी व सोना

कोलकाता। ईडी ने नौकरी के बदले नकदी मामले में छापेमारी में एक व्यवसायी के घर और कार्यालय से 1.5 करोड़ रुपये से अधिक नकदी, कीमती आभूषण, सोना, लग्जरी कारें और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। ईडी की छापेमारी कल तड़के उत्तर 24 परगना के लेक टाउन स्थित व्यवसायी विवेक झुनझुनवाला के फ्लैट और दक्षिण कोलकाता के तारातला स्थित कार्यालय में शुरू हुई थी।

प्रदेश सरकार ने 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया गन्ने का मूल्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने गन्ना किसानों के हित में बड़ा कदम उठाया है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है।

अब अगेती प्रजाति का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का 390 रुपये प्रति क्विंटल होगा। इस बढ़ोतरी से प्रदेश के गन्ना किसानों को लगभग 3,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान होगा।

- **अगेती 400 रुपये व सामान्य 390 रुपये प्रति क्विंटल, किसानों को 3,000 करोड़ का अतिरिक्त लाभ**

योगी सरकार के आठ वर्षों में यह चौथी बार है जब गन्ना मूल्य में वृद्धि की गई है।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि किसानों के परिश्रम का सम्मान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गन्ना किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ हैं। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 2,90,225 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है, जो पिछली सपा-बसपा सरकारों (2007-2017) के 1,47,346 करोड़ की तुलना में 1,42,879 करोड़ रुपये अधिक है। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की 122 चीनी मिलें संचालित हैं और पारदर्शी नीतियों के कारण इस क्षेत्र में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश आया है।

एथेनॉल उत्पादन में देश में अव्वल है यूपी

एथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बन गया है। राज्य में उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है। आसवनियों की संख्या 61 से बढ़कर 97 हुई है। गन्ना क्षेत्रफल बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है, जिससे उत्तर प्रदेश एथेनॉल और गन्ना उत्पादन दोनों में देश में प्रथम स्थान पर है।

आस्था | श्रीराम मंदिर निर्माण की लागत 1800 करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद

श्रद्धालुओं ने रामलला को समर्पित किए 3 हजार करोड़

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : देश भर के श्रद्धालुओं ने राम लला को अब तक लगभग तीन हजार करोड़ रुपये दान के रूप में समर्पित किए हैं। राम मंदिर के दानदाताओं को 25 नंवबर के बाद भव्य समारोह आयोजित करके सम्मानित किया जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को बताया कि श्रीराम मंदिर निर्माण की लागत 1800 करोड़ रुपये पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 के बाद भी अनेक भक्तों ने बड़ी धनराशि श्री राम मंदिर में दान में दी है। भवन निर्माण समिति ने यह फैसला लिया है कि इन दानदाताओं को भी 25 नवंबर के ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। मंदिर निर्माण में योगदान देने वाली कंपनियों, सप्लायर्स और कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। समारोह में करीब आठ हजार लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होने यह भी बताया कि दानदाताओं को समरसता और सहभागिता के दृष्टिकोण से शामिल करने का निर्णय लिया गया है। सम्मान का यह कार्यक्रम 25 नवंबर के कार्यक्रम के बाद आयोजित किया जाएगा। इसके लिए श्री राम मंदिर परिसर में वृहद सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में सभी योगदानकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष मिश्र ने बताया कि मंदिर निर्माण पर अब तक 15 सौ करोड़ रुपये की बिलिंग हो चुकी है। निर्माण की कुल लागत 1800 करोड़ रुपये तक पहुंच जाने का अनुमान है।

- **25 नवंबर के बाद बड़े समारोह में सम्मानित किए जाएंगे दानदाता : नृपेंद्र**

महर्षि वाल्मीकि व निषाद राज का भी पूजन करेंगे प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम मंदिर पर ध्वजारोहण करने के बाद राम जन्मभूमि परिसर स्थित महर्षि वाल्मीकि, निषाद राज, शबरी, अहिल्या सहित परकोटा के मंदिरों में भी दर्शन-पूजन करेंगे। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट परिसर के भ्रमण कार्यक्रम को लेकर योजना बना रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया जाएगा कि वे ध्वजारोहण के साथ परकोटा में भी कुछ समय दें। बताया कि परिसर में अब धातु से शहीद स्मारक बनाया जा रहा है। जिसका निर्माण फरवरी, 2025 तक पूरा होने की संभावना है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें एक बार में पांच हजार से आठ हजार लोगों के दर्शन करने की सुविधा होगी।

नारी सशक्तीकरण संकल्प से सिद्धि

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन
5वां चरण

मिशन शक्ति केंद्र

ये केंद्र महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक समर्पित सहायता प्रणाली के रूप में कार्य कर रहे हैं।

शक्ति केंद्रों के माध्यम से पीड़ित महिलाओं की शिकायत लेने से लेकर विधिक कार्यवाही तक पूरी सहायता प्रदान की जाती है।

राज्य के सभी 1,647 थानों में महिलाओं की सुरक्षा, सहयोग और संरक्षण हेतु मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना की गई है।

इन केंद्रों पर महिला संबंधित मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जाता है।

यह व्यवस्था महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ समाज में पुनः स्थापित करने में सहायक है।

प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों और विभिन्न विभागों के समन्वय से पीड़ित महिलाओं का मानसिक और सामाजिक पुनर्वास सुनिश्चित किया जाता है।

एक पेड़ माँ के नाम

वर्ष 2025: 37.21 करोड़+ वृक्षारोपण

सरकार द्वारा चलाए गए विशेष अभियान जैसे "एक पेड़ माँ के नाम", सार्वजनिक भागीदारी आधारित वृक्षारोपण अभियान, वन विभाग द्वारा सघन वन रोपण इत्यादि कार्यक्रमों ने मूल्यवर्धित परिणाम दिए।

निराश्रित महिला पेंशन योजना

36.75 लाख महिलाएं लाभान्वित

पति की मृत्यु के उपरांत निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत पात्र निराश्रित महिला को प्रति लाभार्थी 1,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जाती है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

26.34 लाख बेटियां लाभान्वित

बालिकाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना शुरु की गयी है। प्रारम्भ में इसके अंतर्गत बालिकाओं को 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता छह चरणों में प्रदान की जाती थी। अब प्रदेश सरकार ने यह सहायता राशि 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

4.67 लाख जोड़ों का विवाह

निर्धन परिवारों की बेटियों की शादी के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना संचालित है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ ही सामान्य वर्ग के निर्धन परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ विधवा और तलाकशुदा महिलाओं को भी मिल रहा है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

60 लाख माताएं लाभान्वित

योजना के तहत जननी और उसके बच्चे की देखभाल के लिए 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। पहले चरण में 1,000 रुपये, दूसरे चरण में 2,000 रुपये और तीसरे चरण में 2,000 रुपये गर्भवती महिलाओं को दिए जाते हैं। शेष 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता तब मिलती है, जब गर्भवती महिला बच्चे को किसी अस्पताल में जन्म देती हो या जननी सुरक्षा योजना की लाभार्थी हो।

ऑनलाइन फैमिली काउंसलिंग

घर बैठे समाधान : महिलाओं को थाने जाने की आवश्यकता नहीं।

विशेषज्ञ काउंसलिंग : घरेलू विवाद, हिंसा व आत्महत्या रोकथाम में मदद।

जनवरी 2024 से अगस्त 2025 तक कुल 10,102 शिकायतें दर्ज, 9,760 मामलों का समाधान।

महिला रात्रि एस्कॉर्ट सुरक्षा

रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सहायता हेतु कॉल किए जाने पर यूपी-112 द्वारा महिला को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था।

रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं/बालिकाओं को आर्थिक सहायता हेतु इस कोष की स्थापना की गयी है। इसके अन्तर्गत अब तक 7,105 महिलाओं/बालिकाओं को क्षतिपूर्ति धनराशि प्रदान की गयी।

एण्टी रोमियो स्क्वाड

सार्वजनिक स्थलों जैसे-चौराहों, बाजारों, माल्स, पार्क, स्कूल, कालेज कोचिंग संस्थान व अन्य स्थलों को असामाजिक तत्वों से मुक्त कराये जाने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ राह चलते छेड़खानी, अभद्रता, अश्लील प्रदर्शन एवं टिप्पणियों की घटनाओं को रोकना एण्टी रोमियो स्क्वाड द्वारा किया जाता है।

बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी

जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्रामवासियों को प्रोत्साहित एवं लाभान्वित करने हेतु प्रदेश की सभी 57,000 ग्राम पंचायतों में विभिन्न बैंकों के माध्यम से बी.सी. सखी को पदस्थापित किया गया। बी.सी. सखी को प्रति माह 4,000 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। अच्छा काम करने पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है।

हेल्पलाइन

1076
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

1090 वीमेन पॉवरलाइन	**101** अग्निशमन सेवा	**108** एंबुलेन्स हेल्पलाइन	**112** पुलिस आपातकाल सेवा
1930 साइबर हेल्पलाइन	**181** वीमेन हेल्पलाइन	**1098** चाइल्ड लाइन	**102** गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन

ADVERTORIAL

शहर में आज

- योनेक्स सनराइज सेकंड अप स्टेट सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट के तहत मैच सुबह 08 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।
- सत्यनारायण मंदिर में असहाय लोगों को भोजन वितरण दोपहर 12 :00 बजे।

न्यूज ब्रीफ

डूबने से मौत की हुई पुष्टि, नहीं हुई शिनाख्त

बीसलपुर, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम मिधौना के पास से बहने वाली कटना नदी में उतराते मिले शव की शिनाख्त दूसरे दिन बुधवार को भी नहीं हो सकी। पुलिस ने शव के फोटो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित कराए हैं। साथ ही आसपास के जनपद की पुलिस को भी भेजे हैं। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक की डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है। शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

800 मीटर दौड़ में पुष्पेंद्र प्रथम, ऋषि द्वितीय

पीलीभीत, अमृत विचार : पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी के अवसर पर जिला खेल कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता कराई गई। इसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश बैडमिंटन संघ के संयुक्त सचिव राजेश सक्सेना ने कराई बैडमिंटन संघ के प्रदेश के संयुक्त सचिव, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष डॉ. अमिताभ अग्निहोत्री आदि ने 800 मीटर बालक वर्ग की दौड़ को हरी झंडी दिखाकर खेलों की शुरुआत कराई। 800 मीटर की दौड़ में पुष्पेंद्र प्रथम, ऋषि द्वितीय, प्रदीप तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर बालिका वर्ग की दौड़ में छाया प्रथम, पायल द्वितीय ,जया यादव तृतीय, 200 मीटर बालिका दौड़ में शगुन प्रथम ,छाया द्वितीय ,जया यादव तृतीय, 800 मीटर बालिका दौड़ में सविता प्रथम, श्रद्धा द्वितीय , वर्तिका तृतीय स्थान पर रही।

दो साल से अधर में लटकी योजना

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर को 24 घंटे जलापूर्ति मुहैया कराने के उद्देश्य से शुरू की गई 24/7 पेयजल योजना दो साल बाद भी अधर में है। अब तक पेड़ कटान की औपचारिकता तक पूरी नहीं हो सकी, जबकि जल निगम कई बार पत्राचार कर चुका है। ताजा हालात में योजना से जुड़ा कार्य एक बार फिर रुक गया है। नगरपालिका के कुछ सभासदों ने आपत्ति जताकर काम रुकवा दिया। संस्था ने जल निगम को पत्र भेजकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

युवक ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाकर परिवार-दोस्तों से मांगी माफी

बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम अहिरवाड़ा में युवक ने की खुदकुशी

संवाददाता, बीसलपुर -पीलीभीत

घटना की सूचना मिलने पर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान एक युवक ने पहले खेत पर पहुंचकर वीडियो बनाया। इसमें परिवार वालों और दोस्तों से माफी मांगी। उसके बाद घर जाकर फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। शव पोस्टमार्टम को भेज पुलिस छानबीन कर रही है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अहिरवाड़ा निवासी अनिकेत मिश्रा उर्फ लखन (26) की शादी करीब सात माह पूर्व शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र के ग्राम सतायां बुजुर्ग गांव निवासी युवती से हुई थी। अनिकेत के माता-पिता की पूर्व में ही मौत हो चुकी है। भाई समेत अन्य परिवार वालों के साथ रहते थे। बुधवार सुबह अनिकेत घर से निकला और फिर गांव में ही एक खेत पर पहुंचा। वहां पर उसने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी किया। जिसमें उसने रोते हुए अपने रिश्तेदारों, दोस्तों से माफी मांगी। ये भी इशारा किया कि वह खुदकुशी करने वाला है। इसमें पत्नी समेत अन्य ससुरालियों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। वीडियो वायरल करने के बाद वह वापस घर पहुंचा। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे अनिकेत का शव उसके ही कमरे में फंदे से लटका मिला। परिवार वाले कमरे में उसे बुलाने पहुंचे तो शव देख होश उड़ गए। इसके बाद कुछ देर पहले ही बनाए गए वीडियो के बारे में जानकारी हुई। आसपास के तमाम लोग भी चीख पुकार सुनकर जमा हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने परिवार वालों से भी जानकारी की। उधर, वीडियो तेजी से वायरल होता गया और मामला सीधे तौर पर ससुरालियों की प्रताड़ना से जुड़ गया।

एक युवक के खुदकुशी करने का मामला संज्ञान में आया है। उसकी ओर से एक वीडियो भी बनाकर वायरल किया गया था। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की गहनता से जांच पड़ताल कराई जा रही है। – **संजीव शुक्ला**, कोतवाल बीसलपुर

अनिकेत मिश्रा।

- **ससुरालियों पर लगाया प्रताड़ना का आरोप, पुलिस जांच में जुटी**

भैयादूज पर मायके चली गई थी पत्नी

अनिकेत ने पत्नी, ससुर, सास और छोटे साले पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर खुदकुशी कर ली। वायरल वीडियो में उसने अपने दोस्तों से भी ये कहकर माफी मांगी कि कभी उसकी वजह से किसी का दिल दुखा हो तो उसे माफ कर दे। चूंकि अब वह किसी को नहीं मिलेगा। ससुरालियों द्वारा किस तरह से प्रताड़ित किया जा रहा था, इसके बारे में कोई विस्तार से जानकारी फिलहाल वीडियो में नहीं दी गई। परिवार के अन्य सदस्यों से पुलिस ने जानकारी की इसमें सामने आया कि भैयादूज के अवसर पर पत्नी मायके चली गई थी। इसे लेकर क्या विवाद रहे, उसकी भी जानकारी पुलिस कर रही है।

उपाधि महाविद्यालय में 8 नवंबर से सांस्कृतिक महोत्सव

पीलीभीत, अमृत विचार : उपाधि महाविद्यालय में 8 से 12 नवंबर तक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

प्राचार्य डॉ.दुष्यंत कुमार ने बताया कि इस महोत्सव का उद्घाटन 8 को सुबह 11 बजे होगा। जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी लगेगी। महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। विज्ञान प्रदर्शनी के अलावा नौ नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता कराई जाएगी। साथ ही शाम को एक शाम संगीत के नाम पर कार्यक्रम प्रस्तुत होगा। समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, हिंदी, अंग्रेजी व वाणिज्य विभाग अपने-अपने विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। रंगोली, निबंध, पोस्टर, मेहंदी, लोक नृत्य व संगीत जैसी प्रतियोगिताएं सभी प्रतिभागियों के लिए ओपन ग्रुप में होंगी। आयोजन सचिव डॉ. अमित कुमार ने बताया कि 11 नवंबर की शाम अंतर्राष्ट्रीय कलाकार बंटी राणा एवं रिंकू राणा ग्रुप सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। महोत्सव का समापन 12 नवंबर को महाविद्यालय स्थापना दिवस पर विकसित उपाधि महाविद्यालय–2030 विषयक परिचर्चा व सम्मान समारोह के साथ किया जाएगा।

सर्राफ की तिजोरी उखाड़ ले गए चोर, जेवरात उड़ाए

संवाददाता, जहानाबाद

अमृत विचार: सर्दी की दस्तक के साथ ही अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं। पुलिस गश्त के दावों के बीच सर्राफा दुकान को निशाना बनाया गया, सूचना मिलने पर पुलिस छानबीन में जुटी है।

नवाबगंज बरेली के ग्राम गूलरडांडी निवासी संतोष गंगवार की जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रम्पुरा मिश्र में मुख्य चौराहा पर सर्राफा की दुकान है। रोज की तरह वह मंगलवार देर शाम दुकान बंद कर घर चले गए। इसके बाद देर रात चोरों ने दुकान को निशाना बनाया। शटर का लॉक तोड़कर चोर भीतर घुसे और तिजोरी को उठा ले गए। इसके बाद नजदीक के खेत में तिजोरी तोड़कर उसमें रखी डेढ़ किलो चांदी, तीन सोने के जेवर और 20 हजार रुपये चोरी किए और तिजोरी छोड़ गए। बुधवार सुबह घटना की जानकारी लगने पर हड़कंप मच गया। जहानाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ सदर नताशा गोयल ने भी मौका मुआयना कर जानकारी की। एसओजी, सर्विलांस टीम भी पहुंच गई। डॉग स्क्वाड और फील्ड यूनिट टीम को भी सुरागरसी के लिए बुलाया गया। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। व्यापारी से मिली तहरीर पर कार्रवाई कर पुलिस खुलासे के लिए सुरागरसी में जुट गई है। बताते है कि सराफा दुकान के बराबर में जन सेवा केंद्र संचालित है। उसमें सीसीटीवी भी लगे हुए है। मगर, वारदात करने से पहले चोरों ने इन कैमरों का रुख ऊपर की तरफ कर दिया था। ताकि उनकी तस्वीर कैद न हो। फिलहाल रेकी कर घटना को अंजाम देने की बात प्रतीत हो रही है।

खेत में छोड़ी गई तिजोरी।

- **दूसरे दिन खेत में मिली खाली तिजोरी, पुलिस जांच में जुटी**
- **जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम रम्पुरा मिश्र में हुई घटना, एसओजी भी लगाई**

4 नवंबर से शुरू होगा एसआईआर सर्वे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **7 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची का होगा प्रकाशन**

अमृत विचार: जनपद में विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) 4 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे। इससे पहले सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बीएलओ घर-घर जाकर विशिष्ट गणना प्रपत्र देंगे। इस दौरान मतदाता सूची में पात्रों के नाम जोड़ने और अपात्रों के नाम हटाए जाएंगे। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी / डीएम ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। वहीं मंगलवार शाम डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने मंगलवार शाम को मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में विधानसभाओं की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। 28 अक्तूबर से 3 नवंबर के बीच सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक सभी बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे और विशिष्ट गणना प्रपत्र देकर भरने का तरीका भी बताएंगे। मतदाता प्रपत्रों को भरकर बीएलओ को जमा कराएंगे। 9 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 के बीच आपत्तियां और दावे मांगे जाएंगे। नोटिस जारी किए जाने सुनवाई एवं सत्यापन तथा दावे और आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्णय किये जाने की अवधि 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक होगी। वहीं 7 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

दलों के पदाधिकारियों से सहयोग की अपील

इस दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ को 30 अक्टूबर तक तैनात करते हुए उनकी सूची संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को एवं एक प्रति जिला निर्वाचक कार्यालय में उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया, ताकि तैनात किए गए बीएलओ को प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। साथ ही निर्वाचक नामावलियों के विशेष सघन पुनरीक्षण के कार्य में पूर्ण रूप से निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनी रहे। सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से उक्त कार्य में अपना सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया गया।

हादसे के बाद जागा विभाग, दो बसें कीं सीज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : एक दिन पहले राजस्थान और गजरौला में हुए सड़क हादसे में तीन-तीन लोगों की मौत के बाद परिवहन विभाग हरकत में आया। नियमों को ताक पर रखकर यात्रियों की जान से खिलवाड़ कर रही बसों के खिलाफ एआरटीओ वीरेंद्र सिंह के निर्देशन में बुधवार को सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ओवरलोड और बिना परमिट शर्तों के उल्लंघन में चल रही बसों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए दो बसों को सीज कर दिया गया, जबकि तीन अन्य बसों के चालान कर 1.57 लाख प्रशमन शुल्क वसूला गया।

बता दें कि सड़क हादसों पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन सुधारत्मक कार्रवाई शून्य रहती है। परिवहन विभाग की ओर से ब्लैक स्पोर्ट भी चिन्हित किए जाते हैं, लेकिन उन्हें ठीक नहीं कराया जाता है। हर बार कोई न कोई हादसा होने पर जिम्मेदार एक्शन में दिखाई देते हैं। मंगलवार देर रात गजरौला थाने से 200 मीटर की दूरी पर पिकअप और ट्रक की भिड़त हो गई थी। इसके अलावा पूरनपुर से जयपुर गए श्रमिकों की बस में आग लग गई थी, जिसमें तीन लोग जलकर मर गए थे। हादसों के बाद एआरटीओ की ओर से मंगलवार देर रात ही विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जनपद के विभिन्न मार्गों पर अनाधिकृत रूप से संचालित हो रही बसों की गहन जांच की गई। चेकिंग के दौरान जम्मू-कश्मीर नंबर की एक बस को क्षमता से अधिक सवारियों के साथ और परमिट शर्तों का उल्लंघन करते हुए चलते पाया गया।

बस को पूरनपुर गेट पुलिस चौकी में सीज कर खड़ा किया गया है। इसी तरह नागालैंड नंबर की एक स्लीपर बस में मानक से अधिक सवारियां और ऊपर ऊंचाई तक लदा सामान पाया गया। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि बस में मानक के विपरीत सीटें बढ़ाई गई थीं और आपात स्थिति के लिए इमरजेंसी गेट भी नहीं लगाया गया था। इस पर तकनीकी जांच के लिए एआरटीओ (टेक्निकल) वैभव सोती को निर्देश दिए गए। विभागीय कार्रवाई के तहत अन्य प्रदेशों से आवागमन कर रही तीन और बसों को भी नियम उल्लंघन में पाया गया, जिनके चालान काटे गए। इस पूरे अभियान में दो बसों को सीज करने और तीन के चालान से कुल 1.57 लाख का प्रशमन शुल्क वसूला गया।

प्राइवेट बस की चेकिंग करते एआरटीओ वीरेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

- **चेकिंग में बंद मिला इमरजेंसी गेट मानक विपरीत बढ़ाई गई सीटें छतों पर रखा मिला सामान**
- **एक दिन पूर्व गजरौला में हुए हादसे में तीन लोगों की मौत के बाद हुआ एक्शन**

फर्जी डिग्री वाले झोलाछाप का अस्पताल किया सील

अस्पताल को सीज करते एमओआईसी डॉ छत्रपाल। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलसंडा/पीलीभीत

- **बिलसंडा के सिद्धि विनायक हॉस्पिटल का मामला, एमओआईसी ने नोटिस किया चस्पा**
- **वित्तीय वर्ष 2024- 25 में एमबीबीएस की लगाई थी फर्जी डिग्री**

अमृत विचार : फर्जी डिग्री के सहारे मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप पर आखिरकार स्वास्थ्य विभाग की ओर से एफआईआर के बाद अब बिलसंडा के सिद्धि विनायक हॉस्पिटल को भी टीम ने सील कर दिया। जांच में अस्पताल संचालक द्वारा एमबीबीएस की फर्जी डिग्री लगाकर इलाज किए जाने की पुष्टि हुई, जिस पर एमओआईसी ने नोटिस चस्पा कर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। हालांकि चिकित्सक फरार हैं।

बता दें कि बिलसंडा कस्बे में लंबे अरसे से संचालित हो रहे सिद्धि विनायक हॉस्पिटल के डॉ. अरविंद कुमार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में एमबीबीएस की डिग्री लगाकर सीएमओ कार्यालय से पंजीकरण करा लिया था। उस वक्त जिम्मेदारों ने या तो साठगांठ के चलते डिग्री का सत्यापन नहीं किया था या भूलवश रह गया था। पंजीकरण होने के बाद झोलाछाप एक डिग्रीधारक डॉक्टर बनकर खुलेआम मरीजों की जान से खिलवाड़ करता रहा। इस दौरान हॉस्पिटल में मरीजों की जान से खिलवाड़ के साथ मौत तक के आरोप लगे। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। मगर शाहजहांपुर के एक युवक द्वारा अरविंद कुमार की डिग्री को फर्जी बताते हुए सीएमओ, शासन और मेडिकल काउंसिल में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद डिग्री की जांच हुई। तो वह फर्जी निकली। इस पर एमओआईसी बिलसंडा डॉ. छत्रपाल सिंह ने झोलाछाप अरविंद कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इतना ही नहीं अब सीएमओ डॉ. आलोक कुमार के निर्देश पर मंगलवार को टीम हॉस्पिटल पहुंची, लेकिन बंद मिलने के चलते वह नोटिस चस्पा कर लौट गई थी। बुधवार को सुबह 11 बजे टीम हॉस्पिटल पहुंची। टीम से पहले ही झोलाछाप अस्पताल बंद कर वहां से भाग गया। इस पर टीम ने बंद हॉस्पिटल को ही सीज करते हुए नोटिस चस्पा कर दिया है। एमओआईसी बिलसंडा डॉ. छत्रपाल ने बताया कि फर्जी डिग्री के मामले में हॉस्पिटल को सीज किया गया है। साथ ही एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। फिलहाल मामले की जांच मुख्यालय स्तर से हो रही है।

तस्करों ने वनविभाग की टीम से की अभद्रता

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **वन दरोगा की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, शीशम की लकड़ी हुई बरामद**

अमृत विचार :उत्तराखंड से अवैध रूप से लाई जा रही शीशम की लकड़ी पकड़ने गई वन विभाग की टीम के साथ अभद्रता कर दी गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर आरोपी भाग गए। हालांकि, वन टीम ने शीशम की लकड़ी जब्त कर ली है। इस मामले में वन दरोगा की तहरीर पर थाना न्यूरिया पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और अवैध लकड़ी तस्करी का मुकदमा दर्ज किया है।

सामाजिक वानिकी प्रभाग में तैनात वन दरोगा सोनी सिंह ने न्यूरिया पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बताया कि 26 अक्टूबर को उन्हें सूचना मिली थी कि उत्तराखंड से एक ट्रैक्टर ट्राली में अवैध शीशम लकड़ी लाई जा रही है। सूचना पर टीम ने मझोला-चंदोई मार्ग पर घेराबंदी कर आलमपुर गुरुद्वारे के पास ट्राली को रोक लिया। ट्रैक्टर पर चार और ट्राली पर छह लोग सवार थे। जब उनसे लकड़ी से संबंधित अभिलेख मांगे गए, तो वे कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। वन विभाग की टीम ने जब ट्राली को रेंज कार्यालय ले जाने की बात कही, तो ट्रैक्टर चालक मोहम्मद कमर पुत्र मोहम्मद उमर, विशारत अली पुत्र इशरत अली निवासी न्यूरिया और शाहिद निवासी मझोला ने अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर चालक ने ट्राली को उठाकर सड़क किनारे शीशम की लकड़ी फेंक दी और ट्रैक्टर ट्राली समेत मौके से फरार हो गया। सुरक्षा कारणों से वन कर्मियों ने लकड़ी को ग्राम धनकुनी स्थित आरा मशीन पर सुरक्षित रखवा दिया। पुलिस ने वन दरोगा की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिता-पुत्री के शव पहुंचे, मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जयपुर राजस्थान में हुए बस हादसे में जलकर हुई थी मौत, शेरपुर के थे लोग**

अमृत विचार: मजदूरी करने के लिए जयपुर राजस्थान जाने के लिए बस में सवार होकर गए पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुरकलां की निवासी पिता-पुत्री की हादसे में जान चली गई। कई श्रमिक इसमें झुलस गए थे।

भीषण हादसे के बाद परिवहन नियमों की अनदेखी को लेकर जिम्मेदारों पर भी सवाल उठे और कार्रवाई का दौर भी शुरू हो गया। एआरटीओ ने बसों की चेकिंग कर सख्ती की। मगर, ये सब हादसे के बाद हो सका। इधर, पिता-पुत्री के शव गांव पहुंचे तो कोहराम मचा रहा। कुछ मजदूर भी वापस आए और उन्होंने हादसे के मंजर को बयां किया।हादसा जयपुर से महज 50 किमी दूर मनोहरपुर इलाके में मंगलवार सुबह हुआ था, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। बता दें कि पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां के मोहल्ला नौगवां निवासी मजदूरों को लेकर जा रही डबल डेकर बस हाईटेंशन लाइन से छू गई थी और फिर बस में रखे गैस सिलेंडर फट गए और बस आग का गोला बन गई थी। हादसे में पूरनपुर क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां नसीम मियां (45) और उनकी पुत्री सेनम (18) की जलकर मौत हो गई, जबकि कई मजदूर झुलस गए थे। मजदूर सोमवार शाम पूरनपुर स्टेशन चौराहे से बस में सवार हुए थे। बुधवार को पिता पुत्री के शव गांव पहुंचे तो चीख पुकार मच गई। वहीं, कई मजदूर वापस भी आ गए। शेरपुरकलां के जावेद, नाजमा, राजा, शबनम, शहनूर, फैजान, अजहर आदि भी बस में सवार थे। उनकी मानें तो हादसे के बाद चीख पुकार मची रही और आलम ये था कि खिड़कियों के रास्ते बाहर निकलकर जान बचाई गई। चालक -परिचालक की लापरवाही की भी बात कही।

पूरनपुर चेयरमैन ने की गौमाता की पूजा और सेवा

पूरनपुर, अमृत विचार: गोपाष्टमी के अवसर पर बुधवार को नगर पालिका परिषद पूरनपुर के चेयरमैन शैलेन्द्र गुप्ता अपनी माता के साथ श्रीकान्हा गौशाला हरसिंहपुर पहुंचे। वहां उन्होंने श्रद्धाभाव से गौमाता की पूजा और सेवा की। उन्होंने कहा कि गोसेवा सच्चे अर्थों में ईश्वर सेवा है। गोमाता हमारे जीवन, संस्कृति और आस्था की आधारशिला हैं। इस मौके पर गौसंरक्षण और सेवा का संकल्प लेना चाहिए। नगरवासियों के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। गौपूजा कार्यक्रम में एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह, ईओ एजाज अहमद, प्रभारी बीडीओ हेमंत यादव, धीरज शुक्ला, नायब तहसीलदार अभिषेक त्रिपाठी, डॉ. आशीष शर्मा, सभासद सौरभ सक्सेना रासू, उदित सिंह, दिनेश भारती, दुर्वेश कुमार, विवेक तिवारी आदि मौजूद रहे।

आढ़ती के 100 करोड़ से अधिक लेकर भागने की आशंका

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

किसानों की रकम लेकर भागे आरोपी की बंद पड़ी आढ़त।

- **शिकायत के बाद शुरू हुई जांच, आढ़त का लाइसेंस निलंबित, राइस मिलर्स भी बुलाए**
- **किसानों के धान गेहूं की रकम हड़पकर आढ़ती के भागने का मामला, अफसरों ने शुरू की जांच**

अमृत विचार: मंडी समिति के एक आढ़ती के किसानों से ली गई फसल का दाम चुकाए बिना परिवार समेत फरार होने के मामले में डीएम से हुई शिकायत के बाद अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। आढ़त का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। वहीं, जिन दो राइस मिलर्स के पास सीधे धान व गेहूं पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं, उन्हें बुलाकर भी अधिकारियों ने सवाल -जवाब किए। यह भी सामने आ रहा है कि आरोपी ने कई आढ़तियों को भी चूना लगाया। ठगी गई रकम की कोई पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। लेकिन अनुमान दस करोड़ से अधिक का चल रहा है। फिलहाल माना जा रहा है कि जल्द ही एफआईआर कराई जाएगी।

बता दें कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत के मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह कहलो की अगुवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से शिकायत की थी। जिसमें मंडी समिति पीलीभीत के आढ़ती प्रियांशु अग्रवाल के परिवार समेत भागने का आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपी ने किसानों से धान एवं गेहूं की खरीद की थी। जिसमें पंद्रह दिन बाद रुपये देने का वायदा करके टालमटोल करता रहा। फिर दीपावली के बाद परिवार समेत भाग गया है। ये भी आरोप लगाए गए थे कि बीसलपुर रोड पर स्थित अनुपम और कुमार राइस मिल में सीधे धान पहुंचाया गया था, जिसकी जांच कराई जाए। डीएम से हुई शिकायत के बाद प्रकरण में जांच की जा रही है। मंडी समिति पीलीभीत के सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी की ओर से संबंधित आढ़त का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। वहीं, संबंधित दोनों राइस मिलर को भी बुलाकर उनसे भी सवाल जवाब कर मामले की जानकारी की।

इस दौरान डिप्टी आरएमओ वीके शुक्ला भी मंडी समिति में मौजूद रहे। इधर, आरोपी के भागने के बाद हर तरफ ठगी की रकम को लेकर शोर मचा हुआ है। बताते हैं कि कई आढ़तियों की रकम भी आरोपी हड़प कर ले गया है। चर्चा है कि दस करोड़ से अधिक की रकम की धोखाधड़ी की गई है। जिसमें आढ़तियों की भी काफी रकम है। मंडी समिति का शुल्क भी जमा नहीं किया गया। आसपास के आढ़तियों ने बताया कि दिवाली तक वह आढ़त पर खरीद करता भी देखा गया था। इसके बाद एक-दो दिन उसके मुंशी आदि अन्य कर्मचारियों ने किसानों से धान लिया। मंडी सचिव का कहना है कि आढ़त का लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दोनों राइस मिलर्स को बुलाकर भी उनसे जानकारी की गई थी। इधर, खाद्यान्न आढ़ती कल्याण समिति के अध्यक्ष रवि गंगवार का कहना है कि संबंधित प्रकरण को लेकर गुरुवार दोपहर 12 बजे प्रेसवार्ता की जाएगी।

हमारा कोई रोल नहीं, हमने आढ़ती को कर दिया था भुगतान

इस मामले में दो राइस मिलर्स का नाम भी शिकायत में दिया गया था। हालांकि उनका कहना है कि उनके स्तर से किसी तरह की गड़बड़ी नहीं की गई। उनके द्वारा किसान से फसल नहीं ली गई थी। ये भी गलत है कि किसान का धान सीधे राइस मिल पर पहुंचाया गया। आढ़त से ही नियमानुसार धान लिया गया था, जिसका भुगतान भी आढ़ती को कर दिया गया था। अब उनको शिकायत पत्र में क्यों शामिल कर दिया गया। जबकि किसान से उनका कोई सीधा लेनदेन था ही नहीं। किसानों का पैसा लेकर भागे आढ़ती का एक रिश्तेदार भी इसी तरह से पूर्व में धोखाधड़ी कर चुका है। उसने भी ऐसे ही किसानों और व्यापारियों से बड़ी धोखाधड़ी की थी। उसकी भी मंडी समिति में ही आढ़त थी। ये वाक्या तीन से चार साल पुराना बताया जा रहा है। इसकी भी चर्चा मंडी समिति में होती रही।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

खानपान से ही बनती है व्यक्ति की मानसिकता

बरखेड़ा , अमृत विचार : कस्बा बरखेड़ा स्थित गांधी आश्रम परिसर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन भी श्रद्धालु पहुंचे। कथा व्यास आचार्य पंडित ध्रुव मिश्रा ने दक्ष के द्वारा भगवान शंकर को दिया गया श्राप और ब्रह्मा महाराज के द्वारा किस प्रकार से सृष्टि का निर्माण किया जाता है, इसका वर्णन किया। कहा कि भगवान के नाम से बढ़कर संसार में और कोई भी औषधि नहीं है। कलिकाल में जितने भी साधन हैं जो धर्म शास्त्रों में बताए गए। वह सारे साधन भगवान के नाम के सामने बहुत ही सामान्य दिखाई देते हैं।

गन्ना मूल्य में वृद्धि पर जताया आभार

पुवायां, अमृत विचार : सरकार के द्वारा गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी किए जाने पर भाजपा किसान मोर्चा ने आभार व्यक्त किया। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिनेश अवस्थी ने मुख्यमंत्री को पत्र जारी कर बताया कि प्रदेश में गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मूल्य बढ़ोत्तरी का जो कदम उठाया है वह सराहनीय है। इससे किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर है। उन्होंने तमाम किसानों की ओर से सरकार का आभार व्यक्त किया है।

आत्मनिर्भर भारत पुनर्जागरण का आंदोलन

भारतीय जनता युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के सम्मेलन में शामिल हुए प्रदेश महामंत्री संगठन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से बुधवार को आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक करना वोकल फॉर लोकल के मंत्र को व्यवहार में लाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा में जोड़ना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान की भावना को युवाओं के समक्ष विस्तार से रखा। कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक आर्थिक नीतिगत कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय पुनर्जागरण का आंदोलन है। यह भारत की नई सोच, नए आत्मविश्वास और नए युग की दिशा है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान के माध्यम से देश के हर नागरिक, विशेष रूप से युवाओं में यह विश्वास जगाया है कि हम भारतवासी स्वयं अपने संसाधनों, अपनी प्रतिभा और अपने परिश्रम से विश्व के सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सकते हैं।

केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक स्वावलंबन प्राप्त करना भी है। जब देश का युवा अपने कार्य, विचार और कर्म से आत्मनिर्भर बनेगा, तभी सशक्त भारत का निर्माण होगा। इस मौके पर जिला प्रभारी गुलशन आनंद, जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ.आस्था अग्रवाल, नगर पंचायत नौगवां अध्यक्ष संदीप कौर, नगर पंचायत मझोला अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह, जिला महामंत्री लेखराज भारती, जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा चेतन शर्मा, जिला महामंत्री युवा मोर्चा अमनदीप मौजूद रहे।

महिला सम्मेलन को संबोधित करते धर्मपाल सिंह।

कार्यक्रम में मौजूद भाजपा जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद समेत कई जनप्रतिनिधियों ने भी रखे विचार
- प्रधानमंत्री ने इस अभियान से देश के हर नागरिक और युवाओं में विश्वास जगाया

परिश्रम से मिसालें कायम कर रही महिलाएं

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की ओर से महिला सम्मेलन कराया गया। जिसमें जिलेभर से महिला कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की भावना को महिलाओं के संदर्भ में विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक मजबूती का संकल्प नहीं है, बल्कि यह नारी सशक्तिकरण और सामाजिक आत्मविश्वास का प्रतीक है। कहा कि देश की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नई मिसालें कायम कर रही हैं। मोदी सरकार ने महिलाओं को केवल सहयोग का नहीं, बल्कि नेतृत्व का अवसर दिया है। लखपति दीदी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाया है। महिलाएं सरकार की हर योजना से जुड़कर अपनी मेहतन के बल पर क्षेत्र में सफलता की इमारत लिख रही है। अब वह जमाना नहीं जब महिलाएं बेचारी या किसी के सहारे रहती है, अब वह आगे बढ़कर समाज का नेतृत्व कर रही है। इसके अलावा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने शक्ति केन्द्र संयोजकों संग बैठक भी की।

प्रदर्शनी में कम्पोजिट विद्यालय अमरिया प्रथम

लिखित परीक्षा में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचारः बेसिक शिक्षा परिषद के उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि जागृत करने के लिए राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत ब्लाक संसाधन केन्द्र पर मॉडल प्रदर्शनी और क्विज प्रतियोगिता कराई गई। इसकी शुरुआत ब्लाक प्रमुख निशान सिंह के प्रतिनिधि परविन्द्र सिंह उर्फ प्रिंस सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके कराई। खंड शिक्षाधिकारी उमेन्द्र दत्त त्रिपाठी ने अतिथियों संग मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों से बारे में सवाल किए। प्रदर्शनी में कम्पोजिट विद्यालय अमरिया प्रथम, कम्पोजिट विद्यालय उगनपुर द्वितीय और उच्च प्राथमिक विद्यालय बरात बोझ तृतीय रहा।

विज्ञान विषय की लिखित परीक्षा कराई गई। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 25 बच्चों में से पांच-पांच बच्चों की टीम बनाकर क्विज प्रतियोगिता कराई गई। लिखित प्रश्नोत्तरी में श्रेष्ठ 10 छात्र-छात्राओं, क्विज में विजेता टीम के पांच छात्र-छात्राओं को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एआरपी मुकेश कुमार, लोकेन्द्र सिंह, खेमपाल सिंह, प्रवीन शुक्ला, वीरपाल सिंह, दिलीप कुमार, आलोक जायसवाल, शिशुपाल, नवीन कुमार, मनोज कुमार, नरेंद्र कुमार, विजय पाल, आलोक कसंल आदि मौजूद रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR.NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

कुल के रस्म के साथ उर्स ए- करीमी का समापन

कुल शरीफ के मौके पर उमड़े जायरीन। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचारः नगर में मोहल्ला हबीबुल्ला खां जुनूबी में चल रहे हजरत सैय्यद करम अली रह. (दादा मियां) के तीन रोजा सालाना उर्स का समापन बुधवार सुबह 11.20 बजे कुल की फातिहा के साथ हो गया। इससे पहले मंगलवार शाम 5 बजे दरगाह पर जश्ने चिरागा का आयोजन किया गया, जिसके तहत अकीदतमंदों ने चिराग जलाकर मन्नतें मानी और साहिबे सज्जादा डा. सैय्यद शाहिद हुसैन करीमी कादरी ने फातिहा ख्वानी के साथ मुल्क और कौम की तरक्की की दुआ की। करीमी कॉन्फ्रेंस में हबीबुल्ला फैजी झारखंड, सैय्यद वजीहुद्दीन लखीमपुर, कारी सखावत मुरादाबाद, गुलाम नूरी मुजस्सम कन्नौज, मुफ्ती इमरान हनफ़ी मुरादाबाद, मुफ्ती इंतेजरुल कादरी सहित कई उलमा ने कलाम पेश किए।

विजयी छात्रों को किया गया पुरस्कृत

पीलीभीत, अमृत विचारः भारत विकास परिषद के वार्षिक आयोजन राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता गांधी प्रेक्षागृह में हुई। जनपद के कई स्कूलों ने भाग लिया। बच्चों ने देशभक्ति के गीतों का गायन किया। इसकी शुरुआत वंदे मातरम और मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कराई गई।

प्रांत संगठन मंत्री डॉ. अनिल सक्सेना ने भारत विकास परिषद, राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के संदर्भ में संक्षेप में बताया। संयोजक मनोज मित्तल ने प्रतियोगिता के नियम व क्रम की घोषणा की। निर्णायक मधु कुमार, डॉ.राखी मिश्रा, सरोज कुमारी रहे। राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता में चिरौंजीलाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर पीलीभीत को विजेता घोषित किया। संस्कृत गायन में लिटिल एंजेल स्कूल प्रथम रहा। हिंदी गायन में चिरौंजीलाल वीरेंद्र पाल सरस्वती विद्या मंदिर प्रथम रहा।

केपीएस क्रिकेट अकादमी विजयी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग के तीसरे लीग मैच में केपीएस क्रिकेट एकेडमी ने टनकपुर स्टेडियम को 118 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। अंश सिंह को बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया।

22 याड्र्स क्रिकेट एकेडमी और इनिशियम ग्लोबल स्कूल के मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट के तीसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केपीएस क्रिकेट एकेडमी की टीम ने 40 ओवरों में छह विकेट खोकर 268 रनों का स्कोर खड़ा किया। अंश सिंह ने सर्वाधिक 120 गेंद पर 17 चौकों और दो छक्कों की मदद से 125 रन बनाए। राहुल ने 37 रन की पारी खेली। टनकपुर स्टेडियम दिकित्य ने दो, शुभ टम्टा ने दो व शौर्य से एक विकेट चटकाए। इसके जवाब में टनकपुर स्टेडियम की टीम ने 22 ओवर में 130 रन बनाकर जीत हासिल की। दिव्यांशु ने सर्वाधिक 35 रनों की पारी खेली और अरनव ने 24 रन बनाए। केपीएस क्रिकेट एकेडमी की तरफ से प्रियांश मेहरा व जयेंश राठौड़ ने तीन-तीन विकेट चटकाए। अंपायर सैयद नातिक अली और अरशान रहे, जबकि स्कोरिंग संकेत रावत व एकांश ने की। इस मौके पर परमवीर सिंह पैरी, पुनीत धमेजा, 22 याड्र्स क्रिकेट एकेडमी कोच रिज़वान खान, गगन प्रताप सिंह, परवेज़, मिलन, पवन, गोल्डी सिंह, चंदन, विजारत, सूरज, कपिल देव, मोनू सिंह आदि मौजूद रहे।

मैच खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- फ्यूचर स्टार्स यू-14 प्राइज मनी क्रिकेट लीग, अंश सिंह रहे मैन ऑफ द मैच
- टनकपुर स्टेडियम की टीम ने 22 ओवर में 130 रन बनाकर जीत हासिल की

दौड़ में बच्चों ने दिखाया दमखम

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचारः ग्राम महादेवा में चुर्रासकतपुर संकुल के विद्यालयों के बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। खंड शिक्षाधिकारी हर्षित शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर शुरुआत कराई।

प्राथमिक स्तर 50 मीटर बालक वर्ग दौड़ में प्राथमिक विद्यालय महादेवा के मोहसिन प्रथम, फैजल द्वितीय, बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय महादेवा की मैनाज प्रथम, महज बी द्वितीय, 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में मुसेली के अमीर हसन प्रथम, चुर्रासकतपुर के राजकमल द्वितीय , बालिका वर्ग में महादेवा की मैनाज प्रथम, रिछोला की रंजना द्वितीय ,200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में चेना नकटी के काशान प्रथम, मुसेली के अमीर हसन द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में महादेवा की फरीन प्रथम और सना द्वितीय रहीं। उच्च प्राथमिक स्तर में 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में रिछोला के मुकेश प्रथम, चुर्रासकतपुर के रजित द्वितीय, बालिका वर्ग में रिछोला की खुशी प्रथम, अभयपुर की तान्या द्वितीय रहीं। इसके अलावा भी कई विजेता बने। प्राथमिक स्तर लम्बी कूद बालक वर्ग में रिछोला के आदिल प्रथम, महादेवा के मोहसिन द्वितीय रहे। इस मौके पर हरीश कुमार, जानेआलम, सर्वेंद्र शुक्ला, खुर्शीद आलम, अंजलि गोयल, सुरेंद्र कुमार, रामगोपाल, रजा उल्ला खां, अंकित अग्रवाल, इक़बाल, रामकिशन आदि मौजूद रहे।

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

श्रमिकों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बीसलपुर, अमृत विचारः ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत अहिरवाड़ा के मनरेगा श्रमिकों ने बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक के द्वारा गांव में राज्य अमृत सरोवर का निर्माण कराया गया था।

जिसमें गांव के मनरेगा श्रमिकों ने कार्य किया लेकिन लापरवाही के कारण मनरेगा श्रमिकों को किए गए कार्य का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। उच्चाधिकारियों को भी पत्र भेज कर अवगत कराया लेकिन समाधान नहीं हुआ। बीडीओ सर्वेश कुमार को सौंपे गए ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि अगर तीन दिनों के अंदर उनके द्वारा किए गए श्रम का भुगतान नहीं किया गया, तो ब्लॉक कार्यालय में धरना देंगे। ज्ञापन देने वालों में मौके पर अवधेश सिंह, दलबीर, भूप राम, घनश्याम, ओमकार , अर्पित दीक्षित, रिशिपाल, मुकेश कुमार आदि श्रमिक थे।

गुरु पर्व के उपलक्ष्य में निकाली प्रभात फेरी

प्रभात फेरी में शामिल संगत। ● अमृत विचार

मझोला, अमृत विचारः श्री गुरुनानक देवजी के गुरु पर्व के उपलक्ष्य में कस्बे के गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा से बुधवार सुबह साढ़े चार बजे प्रभात फेरी निकालने की शुरूआत हो गई।

प्रभात फेरी गुरुद्वारे से शुरू होकर टनकपुर मार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर, मझोला चौकी चौराहे होते हुए गुरुद्वारे पर पहुंच कर संपन्न हुई। प्रभात फेरी में गुरु का खालसा निशान साहिब लेकर आगे चल रहे थे। उनके पीछे गुरु महाराज की संगत गुरु महिमा का शब्द गुरुबाणी का सिमरन करते हुए चल रही थी। गुरुद्वारे पहुंची संगत ने गुरु महाराज के चरणों में माथा टेका। प्रभात फेरी में बलविंदर सिंह बिल्लू, तेजिंदर सिंह, रंजीत सिंह, बाबा गुरजंट सिंह, गुरमुख सिंह, गुरप्रीत सिंह, नरेंद्र अमरीक सिंह, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्रवाई के डर से सचिव ने स्पष्टीकरण सौंपा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रसिया खानपुर में बुखार से 11 लोगों की मौत का मामला

अमृत विचार: डेंगू प्रभावित गांव रसिया खानपुर के पंचायत सचिव ने आखिरकार कार्रवाई के डर के चलते स्पष्टीकरण अफसरों को सौंप दिया। पंचायत सचिव की ओर से तय समयावधि के बाद जवाब दाखिल करने पर कार्रवाई की गाज गिरना तय माना जा रहा है। अफसरों ने संबंधित सचिव के विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

बीसलपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत रसिया खानपुर में पिछले दिनों बुखार से 11 मौतें हो चुकी हैं। उस दौरान डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने भी डेंगू प्रभावित गांव का दौरा कर साफ सफाई व्यवस्था को परखा था। निरीक्षण के दौरान सचिव की खासी लापरवाही सामने आई। जानकारी लगी कि गांव में सफाईकर्मी ही तैनात नहीं है। गांव में सफाई कर्मी न होने की जानकारी सचिव द्वारा उच्चाधिकारियों को भी नहीं दी गई थी। ऐसे में डीएम ने डीपीआरओ को संबंधित ग्राम प्रधान और सचिव के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इस पर डीपीआरओ रोहित भारती ने गांव में साफ-सफाई समेत अन्य अव्यवस्थाएं मिलने पर बीते 8 अक्टूबर को पंचायत सचिव जाकिर अली को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

मरौरी ब्लॉक प्रमुख के अधिकार बहाली की मांग

पीलीभीत, अमृत विचारः मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा के समर्थन में दूसरे दिन बुधवार को भी क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने ज्ञापन दिए। जुलूस की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय में दिया। जिसमें ब्लॉक प्रमुख के अधिकार बहाल करने की मांग की गई।

साजिश के तहत कार्रवाई की जा रही है। तत्काल अधिकार बहाल की मांग की गई। उनका कहना है कि ये आरोप मनगढ़ंत हैं। जिस 59 हजार रुपये की धनराशि फर्जी हस्ताक्षर कर हड़पने का आरोप लगाया है यह राशि प्रत्येक बीडीसी सदस्य और ग्राम प्रधान को बैठक में उपस्थिति के मानदेय के रूप में दी जाती है।

दूसरे दिन 200 से अधिक मुकाबले युवा खिलाड़ियों का रहा दबदबा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- योनेक्स सनराइज सब-जूनियर बैडमिंटन
- एकल खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर अगले चक्र में प्रवेश किया

अमृत विचार: योनेक्स सनराइज सेकंड अप स्टेट सब जूनियर मेजर बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दिन बुधवार को 200 से अधिक रोमांचक मैच खेले गए। जिसमें राज्य भर के युवा शटलरों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। देर रात तक चले इन मुकाबलों में कई मजबूत जोड़ियों और एकल खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर अगले चक्र में प्रवेश किया।

दूसरे दिन के कार्यक्रम में पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह, अमरिया एसडीएम मयंक गोस्वामी, वेटरेनस क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपक अग्रवाल मुख्य अतिथि रहे। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल महेंद्रु, सचिव राजेश सक्सेना और आयोजन सचिव मनोज गंगवार ने अतिथियों का स्वागत किया। कई युगल जोड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना विजय अभियान शुरू किया और अगले चरण में जगह बनाई।

एकल और अन्य युगल मुकाबलों में भी कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अक्रमा सिंह, रितिक चौधरी, कनिष्क जन्य श्रीवास्तव, साहनी सिंह, संविका गुप्ता, वन्य चौधरी, आरुषि गर्ग, साक्षी मौर्य, प्रखर तिवारी, वादित मिश्रा, कुहू, शुभम सोलंकी, शेष शुक्ला, निशिकांत, देवेंद्र यादव, तेजस गुप्ता, सुमित और युवराज जोशी ने अपने-अपने मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया। आयोजन सचिव मनोज गंगवार ने बताया कि देर रात तक मैच चलने के बाद, प्रतियोगिता के तीसरे दिन गुरुवार को क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल के महत्वपूर्ण मुकाबले खेले जाएंगे। इस मौके पर अमिताभ अग्निहोत्री, साकेत सक्सेना आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पोस्टर के जरिए पुजारी को दी धमकी

घुंघचिहाई, अमृत विचार : भगवतीपुर मंदिर के पुजारी को मय परिवार जान से मारने की धमकी पोस्टर के माध्यम से दी गई। मंदिर की दीवारों पर बुधवार सुबह मंदिर के पुजारी अमित सिंह और उनकी पत्नी माला सिंह ने तीन से चार जगह धमकी लिखे हुए पोस्टर देखे। उन्होंने बताया कि इसमें लिखा था कि अगली पेशी तक मंदिर खाली नहीं किया तो जान से मार दिया जाएगा। ये देख वह भयभीत हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टर उखाड़कर अपने साथ ले गई। इंस्पेक्टर प्रकाश सिंह ने बताया कि जांच करा रहे हैं।

गणेश पूजन के साथ मेले की शुरुआत

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के रामलीला मैदान में बुधवार को गणेश पूजन किया गया। प्रति वर्ष की तरह मेले में कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। मेले में बड़े बड़े झूले, खेल तमाशे बच्चों के मनोरंजन का केंद्र रहेंगे। पंडित प्रांजल मिश्रा द्वारा विधि विधान से हवन पूजन कराया गया। पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरण हुआ। मेला कमेटी के अध्यक्ष उमेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस और कमेटी कैंप लगाया जाएगा। गणेश पूजन के दौरान रमेश चंद्र गुप्ता एडवोकेट, अनुपम दीक्षित, राकेश सिंह, कमलकांत मिश्रा, सुशील कुमार यादव, रामलखन शुक्ला, निखिल शर्मा आदि मौजूद रहे।

बिना नंबर के ट्रैक्टर पर कार्रवाई करने पहुंचे एआरटीओ बैरंग लौटे

बीसलपुर, अमृत विचार : डीएम के निर्देश पर एसडीएम नागेंद्र पांडे ने बीसलपुर मंडी पहुंचकर धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। लेखपाल द्वारा काटे गए टोकन के सापेक्ष धान खरीद को देखा। उन्होंने मंडी एमओ से अभी तक मंडी के क्रय केंद्रों पर क्षेत्रीय किसानों से की गई खरीद के बारे में जानकारी ली। पीएससी प्रथम पर वारदाना न होने के कारण तौल नहीं हो रही थी। इस दौरान मंडी में मौजूद किसानों ने एसडीएम को अवगत कराया कि यूपीएसएस धान क्रय केंद्र के प्रभारी केंद्र से अक्सर गायब हो जाते हैं। जिससे उनके केंद्र पर आने वाले किसान भटकते रहते हैं। केंद्र प्रभारी के विरुद्ध एसडीएम ने कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम ने मंडी में निरीक्षण के दौरान पाया कि जितने भी ट्रैक्टर वहां खड़े हुए हैं। उनमें से अधिकतर ट्रैक्टर पर रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं हैं। यह देख वह भड़क गए और उन्होंने एआरटीओ वीरेंद्र सिंह को ऐसे ट्रैक्टरों को सीज करने के निर्देश दिए। कुछ देर बाद एआरटीओ बीसलपुर मंडी पहुंचे और उन्होंने मंडी में खड़े बिना नंबर के ट्रैक्टरों पर कार्यवाही करना चाही लेकिन विरोध हो गया। तीखी झड़प एआरटीओ से हुई। वह बिना कार्रवाई लौट गए।

पीटीआर के नए पर्यटन सत्र का वन मंत्री नए बराही गेट से करेंगे आरंभ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

सैलानियों के तैयार खड़ी मोटरवोट।

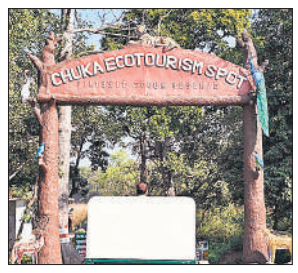

चूका बीच का मुख्य द्वार।

सैलानियों के ठहरने के लिए बनी हटें।

- चूका बीच की हटों में पुरानी किराया दरों पर ठहर सकेंगे पर्यटक, वन निगम ने नहीं की कोई बढ़ोत्तरी
- चूका बीच आने वाले पर्यटक शारदा सागर डैम में मोटरबोट का ले सकेंगे आनंद

अमृत विचार: देश-दुनिया में मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व के आगामी पर्यटन सत्र का शुभारंभ वन मंत्री नए बराही गेट से करेंगे। खास बात है कि इस बार वन निगम की ओर से किराए में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई। चूका बीच के हटों को सैलानी पुरानी दरों पर बुक करवा सकेंगे। इसके साथ ही चूका बीच में आने वाले सैलानी मोटर वोट का भी आनंद ले सकेंगे। टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से आगामी पर्यटन सत्र को लेकर रणनीति बनाई जा चुकी है।

जंगल की हरी-भरी वादियों में सैर और बाघों के दीदार के शौकीनों का इंतजार अब जल्द ही खत्म होने जा रहा है। प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व के साथ ही देश-दुनिया में मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र भी 1 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस बार पर्यटन सत्र पिछले पर्यटन सत्र से पांच दिन पूर्व ही शुरू किया जा रहा है। पर्यटन सत्र के दौरान हर साल देश के तमाम राज्यों के अलावा विदेशों से भी सैलानी भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व और चूका बीच की सैर करते हैं। कोर जोन में स्थित चूका बीच की खूबसूरती सैलानियों को खूब लुभाती है। इसमें बने हटों में ठहरकर सैलानी जंगल के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। महाराष्ट्र समेत देश के अन्य राज्यों से सैलानी हटों को बुक कर कई दिन तक यहां रुकते हैं। इसके अलावा सफारी वाहनों से जंगल की सैर कर बाघ, तेंदुओं समेत अन्य वन्यजीवों का दीदार करते हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघों के दीदार करने का खास क्रेज है। टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से इसको लेकर बनाई गई रणनीति के अनुसार कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है। सफारी रूटों को दुरुस्त करने के साथ ही सैलानियों के अनुभवों को और बेहतर करने को लेकर सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस बार सैलानियों की सुविधा के लिए तीसरा नया बराही गेट भी खोला जा रहा है।

अभी तक सैलानी मात्र मुस्तफाबाद और महोफ गेट से टाइगर रिजर्व में प्रवेश करते आ रहे थे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के नए पर्यटन सत्र का शुभारंभ एक नवंबर को वनमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना बराही रेंज स्थित बराही गेट से करेंगे। हवन पूजन के साथ नए पर्यटन सत्र की शुरूआत की जाएगी। इसमें प्रदेश के कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख, गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, प्रमुख सचिव वन अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव अनुराधा वेमुरी को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और वन अफसर मौजूद रहेंगें।

मोटर बोट का मजा लें सकेंगे सैलानी

चूका बीच की हटों का संचालन वन निगम की ओर से किया जाता है। खास बात यह है कि इस बार भी वन निगम की ओर से किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। सैलानी पुरानी दरों पर चूका बीच की हटें बुकिंग करा सकते हैं। हालांकि चूका बीच में बनी वॉटर हट और अरण्य कुटी टाइगर रिजर्व प्रशासन के हवाले रहेंगी। इसमें सैलानियों के ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक यह हटें शासन स्तर के अधिकारियों एवं अन्य वीआईपी के लिए आरक्षित की गई हैं। इसके अलावा चूका बीच में आने वाले सैलानी शारदा सागर डैम में मोटर वोट का भी आनंद ले सकेंगे। मोटरबोट के संचालन को लेकर वन निगम रणनीति तैयार कर चुका है। छह व्यक्ति 5000 रुपये खर्च कर मोटरबोट का मजा लें सकेंगे।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र को लेकर तैयारियां जोरों से चल रही है। शुभारंभ सत्र को लेकर भी रणनीति बनाई जा चुकी है। इस बार पर्यटन सत्र का शुभारंभ नए बराही गेट से किया जाएगा। इसको लेकर भी तैयारियां शुरू हो गई है। पर्यटन सत्र से जुड़े अन्य कार्यों पर भी नजर रखी जा रही है। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

केवट संवाद का प्रसंग सुन भक्त हर्षित

बिलसंडा, अमृत विचार: सात दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान केवट संवाद आदि प्रसंग का वर्णन सुन भक्त हर्षित हो उठे। कथा व्यास प्रेममूर्ति पंकज मिश्रा ने बताया कि कैकेई के वरदान स्वीकार कर अयोध्या के राजा दशरथ श्री राम को वन जाने का आदेश देते हैं। जिस पर प्रभु श्री राम अपने पिता की आज्ञा का पालन करते हुये वन की ओर चल देते हैं।

पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण भी जाते हैं। सरयू नदी पार करने के लिए केवट को कहते हैं, लेकिन केवट प्रभु राम से अपने उनके चरण धुलने के बाद ही नाव में बैठने का आग्रह करते हैं। केवट प्रभु श्री राम के चरण धोने के बाद सरयू नदी को पार करा देते हैं। वन में प्रभु श्री राम की मुलाकात निषादराज से होती है। उधर पुत्र वियोग में राजा दशरथ प्राण त्याग देते हैं। कथा के दौरान बंटी शुक्ला, केशव त्रिवेदी, महेश त्रिवेदी, रामनरेश शंखधार, प्रेम जायस, गिरजेश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

अब नेपाल से घुसे 12 हाथियों ने मचाई तबाही

शारदा नदी पार इलाके में नेपाली हाथियों ने कई झोपड़ियां तोड़ीं, फसलें रौंदी, दहशत में ग्रामीण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

नेपाली हाथियों की निगरानी में जुटी टीम। ● अमृत विचार

रिहायशी इलाका छोड़ जंगल की ओर जाते नेपाली हाथी। ● अमृत विचार

- वन अफसरों की फिर बढ़ गई मुसीबतें, निगरानी को जुटी टीमें
- दो हाथियों के जंगल में जाने के बाद मिली थी राहत

अमृत विचार: जिले के जहानाबाद और बीसलपुर में उत्पात मचा रहे दोनों जंगली हाथियों के मंगलवार रात जंगल में चले जाने के बाद वन अफसरों की मुश्किल कुछ कम हो ही पाई थी, इस बीच मंगलवार रात ही नेपाल की ओर से जनपद में घुसे 12 से अधिक जंगली हाथियों ने वन अफसरों की नींद उड़ा दी।

बताते हैं हाथियों के झुंड ने शारदा पार इलाके में कई झोपड़ियों को तहस-नहस कर दिया। साथ ही खेतों में खड़ी फसलों को भी रौंद डाला। उत्पाती हाथियों से ग्रामीणों में खासी दहशत फैली हुई है। जिम्मेदार हाथियों की निगरानी की बात कह रहे हैं।

नेपाल की शुक्ला फांटा सेंच्युरी से जंगली हाथी हर साल जंगल के रास्ते पीलीभीत की सीमा में दाखिल हो जाते हैं। जंगली हाथियों की इस आवाजाही से जंगल से सटे इलाकों में बसे ग्रामीणों की मुसीबतें भी काफी बढ़ जाती है। बीते दिनों दो जंगली हाथी जनपद सीमा में आ पहुंचे थे। बीते रविवार को दोनों जंगली हाथियों ने गजरौला और बरखेड़ा क्षेत्र में दस्तक देकर दहशत फैला दी है।

इस दौरान जंगली हाथियों ने खेतों में खड़ी गन्ने एवं सरसों की फसलों को रौंद डाला था। इसके अगले ही दिन दोनों जंगली हाथी बीसलपुर होते हुए जहानाबाद क्षेत्र में जा पहुंचे थे। यहां गन्ने के खेत में घुसे हाथियों ने गांव उझैनिया रम्पुरा निवासी ओमप्रकाश पर हमला कर घायल कर दिया गया था।

एक दिन पहले दोनों हाथी करीब 50 किमी का लंबा सफर तय कर पुनः बीसलपुर क्षेत्र में जा पहुंचे थे। मंगलवार को पूरे दिन दोनों हाथी रिछोला घासी के पास एक खेत में आराम फरमाते रहे। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से सामाजिक वानिकी प्रभाग की टीम और पुलिस भी निगरानी में जुटी रहीं थी। बीती रात दोनों जंगली हाथी माला जंगल की ओर चले गए। दोनों जंगली हाथियों के रिहायशी इलाके से निकलकर जंगल में जाने से वन अफसरों ने खासी राहत महसूस की।

12 से अधिक नेपाली हाथी घुसे, मचाया उत्पात और चले गए

बीसलपुर क्षेत्र में डेरा जमाए दो जंगली हाथियों के जंगल में चले जाने के बाद राहत महसूस कर रहे वन अफसरों के होश तब उड़ गए, जब मंगलवार रात ही नेपाल से निकलकर आया हाथियों का एक बड़ा झुंड लग्गा-भग्गा जंगल से होते हुए शारदा नदी पार ढकिया ताल्लुके महाराजपुर क्षेत्र में जा घुसा। ग्रामीणों के मुताबिक इस झुंड में करीब 12 बड़े हाथी और चार से पांच बच्चे शामिल हैं। जंगली हाथियों के झुंड ने गांव के आसपास पहुंचकर पहले तो सोयाबीन की फसल को रौंद डाला। इसके बाद हाथियों ने किसान चंदन, सीताराम महावन, अलाउद्दीन अंसारी की झोपड़ियों को तोड़ने के साथ ही तीन-चार अन्य ग्रामीणों को भी तहस नहस कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक हाथियों का झुंड देर रात तक गांव के आसपास ही मंडराता रहा। हालांकि इसके बाद हाथियों का झुंड नेपाल की ओर से वापस चला गया। सूचना मिलने पर बराही रेंज की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि टीमें लगातार निगरानी में जुटी हुई हैं। ग्रामीणों को भी सतर्क किया जा रहा है, ताकि वे हाथियों के नजदीक जाने की कोशिश न करें।

प्रदेश महामंत्री संगठन के सामने पहुंची सभासदों की रार

प्रदेश महामंत्री से शिकायत करते एक गुट के सभासद। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सभासदों ने एक दूसरे पर आरोप लगाकर सौंपे ज्ञापन

अमृत विचार : नगर पालिका पीलीभीत में पिछले कई दिनों से सभासदों के बीच चल रही गुटबाजी जनपद में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने आए प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के सामने भी पहुंच गई। दोनों गुट के सभासदों ने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए अपने ज्ञापन सौंपे। जिसमें जनप्रतिनिधि और उनके प्रतिनिधियों के साथ ही कुछ अधिकारियों की भी भूमिका पर सवाल खड़े किए। पूर्व में की गई शिकायतों का भी हवाला दिया और कार्रवाई की मांग की गई है।

बता दें कि नगरपालिका के 27 सभासद है, लेकिन आपासी खींचतान के चलते इनमें दो गुट बन चुके है। जिसमें 14 सभासदों का एक अलग गुट है और बकाया 13 पालिका के कार्यों के पक्ष में हैं। गुटबाजी के चलते लंबे समय से शिकायतों का दौर चल रहा है। बुधवार को भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह पीलीभीत पहुंचे थे। जहां दोनों गुटों के सभासदों ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए पत्र सौंपा है। विरोध में उतरे सभासद एहतिशाम वली खां, पुष्पा उपाध्याय, रत्ना शुक्ला, श्यामलता, शिखा वर्मा, चैतन्य गंगवार, सुनीता सिंह, महनाज बेगम, ऊषा देवी, पल्लवी, शिवम श्रीवास्तव, माया देवी, सुरेश लोधी, राजेंद्र भारती आदि ने शिकायत में आउटसोर्सिंग कर्मियों की नियुक्ति में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं बताई। निर्धारित तय मानदेय भी नहीं दिया जा रहा है। साथ ही, कर्मचारियों को एएसएमएस कार्ड न दिए जाने से उन्हें इलाज संबंधी दिक्कतों का सामना करने, विभिन्न कार्यों में बिना बोर्ड की स्वीकृति के ठेके देने आदि के आरोप लगाए। इधर, पालिका के पक्ष में समर्थन वाले सभासद राशिद हुसैन, निर्मल सिंह, शैलेंद्र कौर, साकेत सक्सेना, जाहिदा बी, शबनम, वतनदीप मिश्र, मोहम्मद शरीफ, निजाकत अली, इकबाल हजरत, विपिन कुमार आदि ने भी शिकायत पत्र दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सिंबल पर चुनाव जीत आठ सभासदों ऐसे हैं जो पार्टी की छवि धूमिल करने और विकास कार्य में बाधा डाल रहे हैं। राज्यमंत्री प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह पर नगर पालिका के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने और कर्मचारियों पर दबाव बनाकर शासन की योजनाओं में बाधा डालने का आरोप लगाया। ये भी आरोप लगाया कि कई बार बैठकों में हंगामा करने और शासन के निर्देशों की अवहेलना भी करते हैं। दोनों पक्षों ने जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

सजा मिलने के बाद भी सभासद पर कार्रवाई नहीं

चौदह सभासदों वाले पक्ष ने दूसरे ग्रुप के एक सभासद को लेकर शिकायत पत्र में आरोप लगाए। ये कहा कि पूर्व में उक्त सभासद को न्यायालय से सजा भी हो चुकी है। इसके बाद भी उसकी सदस्यता अभी तक बरकरार है। इसे लेकर भी शिकायत पत्र में जिक्र किया गया और कार्रवाई की मांग की है।

व्यापार मंडल जिला महामंत्री समेत दस व्यापारी दोषमुक्त

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

न्यायालय के फैसले का स्वागत

न्यायालय पर हम सभी को पूर्ण विश्वास था। न्यायालय के फैसले का हम स्वागत करते हैं। व्यापार मंडल हमेशा व्यापारी हित में कार्य करता रहा है। व्यापारी उत्पीड़न के खिलाफ हमेशा आवाज उठाता चला आया है और आगे भी उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाता रहेगा। – **शैली अग्रवाल**, जिला महामंत्री

कोर्ट के फैसले से सच्चाई की जीत

व्यापारियों के खिलाफ षडयंत्र के तहत फर्जी मुकदमा दबाव बनाने के लिए दायर किया गया था। न्यायालय के फैसले से सच्चाई की जीत हुई है। व्यापारी हित में व्यापार मंडल आगे भी काम करता रहेगा। – **अनूप अग्रवाल**, जिलाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल

- निचली अदालत से हुई सजा के खिलाफ सत्र न्यायालय में दाखिल की थी अपील
- अपर सत्र न्यायाधीश महेशानंद झा ने अपील को स्वीकार करते हुए सुनाया फैसला

अमृत विचार: एफएसडीए टीम से अभद्रता करने समेत अन्य आरोपों में निचली अदालत में दोषी पाए गए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला महामंत्री शैली अग्रवाल समेत 10 व्यापारियों को राहत मिली है। उनकी ओर से सत्र न्यायालय में दाखिल की गई अपील को स्वीकार करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश महेशा नंद झा ने सभी दसों व्यापारियों को निचली अदालत से सुनाई गई सजा रद्द करते हुए संबंधित मामले में दोषमुक्त कर दिया है।

बता दें कि एक जुलाई 2023 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुभाष बाबू यादव ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित यादव की अदालत में परिवाद दर्ज कराया था। जिसमें बताया था कि 18 जनवरी 2023 की दोपहर करीब 12.30 बजे वह पुरानी गल्ला मंडी में केजीएन इंटरप्राइजेज पर नमूना संग्रह के लिए टीम के साथ पहुंचे थे। दुकान से गगन पान मसाला के दो नमूने टीम द्वारा लिए थे। टीम निरीक्षण के दौरान सैंपल के अभिलेख तैयार करने लगी। इसी बीच व्यापारी ने भीड़ इकट्ठा कर ली। व्यापार मंडल की भीड़ ने डरा धमकाकर बलपूर्वक टीम से खरीदे गए नमूने के पैकेट छीन लिए।

व्यापारियों द्वारा सरकारी कार्य में व्यवधान डालकर खाद्य टीम को नमूना लेने की कार्रवाई से वंचित किया गया। परिवाद में यह भी आरोप था कि डरा धमकाकर खाद्य सुरक्षा अधिकारी के बैग में रखे अन्य सील बंद नमूने छीनकर क्षतिग्रस्त कर दिए गए। न्यायालय ने परिवाद दर्ज कर सुनवाई की थी। अप्रैल 2025 में इस मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित कुमार यादव ने सुनवाई के बाद दोषी पाते हुए दसों व्यापारियों को तीन माह कारावास और जुर्माने से दंडित किया था। इसके बाद दसों व्यापारियों की ओर से सजा के खिलाफ सत्र न्यायालय में अपील दायर की थी। इस अपील की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश महेशा नंद झा की अदालत में हुई।

अपील की सुनवाई के बाद न्यायालय ने अपील स्वीकार करते हुए निचली अदालत की सुनाई गई सजा को रद्द करते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महामंत्री मोहल्ला मलिक अहमद निवासी शैलेंद्र अग्रवाल उर्फ शैली पुत्र हरनारायन अग्रवाल, मोहल्ला पंजाबियान निवासी अयाजउद्दीन पुत्र फैय्याजउद्दीन, शाहिद पुत्र इसरार अहमद, ताबिश अयाज पुत्र अयाजउद्दीन, मोईन उल हक शम्सी पुत्र फरीद उल हक शम्सी, मोहल्ला साहूकारांर निकट शनिदेव मंदिर के निवासी संजय गुप्ता पुत्र बुद्धसेन गुप्ता, मोहल्ला पकड़िया निवासी अलाउद्दीन अंसारी पुत्र निजामुद्दीन अंसारी, मोहल्ला साहूकारा निवासी अंशुल अग्रवाल पुत्र शिव कुमार, मोहल्ला देशनगर निवासी जगदीश पुत्र भगवानदास, मोहल्ला शेखचांद निवासी निमित अग्रवाल पुत्र नरेंद्र अग्रवाल को दोषमुक्त कर दिया है।

आउटसोर्सिंग सफाई कर्मी के टेंडर पर सवाल

पीलीभीत, अमृत विचार : राष्ट्रीय वाल्मीकि एकता मंच के जिलाध्यक्ष राजकुमार ने डीएम से शिकायत की है जिसमें बताया कि नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का ठेका मार्च में होता है, लेकिन जिम्मेदारों ने गलत तरीके से सितंबर में टेंडर कर दिया।

जिस ठेकेदार को कर्मचारियों का ठेका दिया गया है। उनको कोई ज्ञान नहीं है। अचानक टेंडर बदलने से सफाई कर्मचारियों को दिवाली पर मानदेय तक नहीं मिल सका है। जिस वजह से कर्मचारियों की दिवाली फीकी रही। उनका कहना है कि एक तरफ शासन आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए मानदेय बढ़ाने के साथ तमाम सुविधा देने का दावा कर रही है, लेकिन नगर पंचायत के जिम्मेदार शोषण कर रहे हैं। संगठन ने इस मामले में जांच कराकर कार्रवाई की मांग उठाई है।

कोर्ट में विचाराधीन होने के बाद भी जमीन पर कब्जा, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- थाना अमरिया क्षेत्र के उदयपुर ग्राम में स्थित समिति की जमीन का है मामला

अमृत विचार : उदयपुर सहकारी संघ लिमिटेड की जमीन पर एक युवक ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। समिति के सचिव की तहरीर पर अमरिया थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना अमरिया क्षेत्र के उदयपुर में स्थित सहकारी संघ लिमिटेड के सचिव जयप्रकाश शुक्ला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सहकारी संघ लिमिटेड का एक वाद न्यायालय सिविल जज पीलीभीत में विचाराधीन है। उदयपुर संघ की भूमि पर यूनूस पुत्र मोहम्मद युसूफ अवैध रूप से कब्जा कर रहा है। मुकदमा विचाराधीन होने के दौरान यूनूस ने 21 अक्टूबर को उस भूमि पर निर्माण करना शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर उन्होंने संघ के सभापति सुरेश कुमार गुप्ता के साथ वहां जाकर अवैध निर्माण रोकने के लिए कहा। निर्माण न रूकने पर पुलिस से शिकायत की गई। इसके बाद आरोपी ने निर्माण कार्य रोक दिया। कुछ समय बाद 27 अक्टूबर को युनूस ने दोबारा अवैध निर्माण शुरू कर दिया। जानकारी मिलने पर निर्माण कार्य दोबारा रूकवा दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बताया कि आरोपी के खिलाफ 27 मई 2018 को भी संघ की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। एसओ अमरिया अमित कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कराई जा रही है।

गन्ना किसानों को राहत, सरकार 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाए दाम

किसानों को 84 करोड़ रुपये अधिक मिलेंगे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पीलीभीत के दो लाख से अधिक किसान होंगे लाभान्वित
- एक लाख हेक्टेयर अधिक जमीन पर होती है गन्ने की पैदावार

अमृत विचार: योगी सरकार ने पंचायत चुनाव से पहले गन्ना किसानों को बड़ी सौगात दी है। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बढ़ोत्तरी की गई है। गन्ने की अगेती प्रजातियों के दाम 370 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। हालांकि जिले के किसान नेता इसे पर्याप्त नहीं बता रहे हैं।

जनपद में हर साल एक लाख हेक्टेयर से अधिक जमीन पर गन्ने की पैदावार की जाती है। गन्ना फसल की पैदावार में बढ़ती लागत को देखते हुए किसान संगठन 450 रुपये प्रति क्विंटल करते आ रहे थे। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने गन्ना मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया। इससे जिले के जनपद में दो लाख से अधिक गन्ना किसान लाभांवित होंगे। सामान्य प्रजाति का गन्ना मूल्य 360 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 390 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है जबकि अगेती प्रजाति का गन्ना मूल्य 370 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। इसे पूर्व प्रदेश सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले पेराई सत्र 2023-24 में गन्ने की अगैती प्रजातियों के मूल्य में 20 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे अगैती प्रजातियों के लिए 370 रुपये, सामान्य प्रजाति के लिए 360 रुपये और अनुपयुक्त प्रजाति के लिए गन्ना मूल्य 355 रुपये प्रति क्विंटल हो गया था। पेराई सत्र 2024-25 में सरकार ने गन्ना एसएपी यथावत रखा था। गन्ना किसान काफी समय से मूल्य बढ़ाने की माग कर रहे थे, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव के मुताबिक गन्ना मूल्य में बढ़ोत्तरी से जनपद के दो लाख से अधिक गन्ना किसानों को फायदा होगा।

पीलीभीत, अमृत विचार: बीसलपुर गन्ना विकास समिति क्षेत्र के गांव मलुआ में बुधवार को मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कर रहे अरुण मिश्रा ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई गन्ना मूल्य वृद्धि पर आभार जताया। कहा कि गन्ना मूल्य मे बढ़ोत्तरी से गन्ना क्षेत्रफल में वृद्धि होगी और किसान की आमदनी भी बढ़ेगी। जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने बताया कि गन्ना विकास समिति बीसलपुर निगोही चीनी मिल, मकसूदापुर चीनी मिल, पीलीभीत चीनी मिल, बरखेड़ा चीनी मिल, बीसलपुर चीनी मिल एवं फरीदपुर चीनी मिल को गन्ना आपूर्ति के लिए किसानों को सुविधा देती है। वर्ष 2024 -25 मे जनपद की गन्ना समिति बीसलपुर,, पीलीभीत, मझोला एवं पूरनपुर के माध्यम से 280.15 लाख क्विंटज चीनी मिलों द्वारा गन्ना खरीद की गई थी। कहा कि यदि इतनी ही गन्ना खरीद इस वर्ष भी की गई तो गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य में बढ़ोत्तरी से 84 करोड़ रुपये अधिक मिलेंगे। उन्होंने किसानों से शरदकाल में अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बुवाई करने की अपील की।

मुख्यमंत्री कृषक प्रशिक्षण में जानकारी देते डीसीओ खुशीराम भार्गव।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में गन्ना मूल्य में 30 रुपये की ऐतिहासिक वृद्धि कर डबल इंजन सरकार ने गन्ना रूपी मिठास देने वाले प्रदेश के सम्मानित गन्ना किसान भाईयों के जीवन यापन में मिठास घोलने का अभूतपूर्व कार्य किया है। इससे प्रदेश के करीब 46 लाख गन्ना किसानों को करीब तीन हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। समस्त गन्ना किसानों को बधाई। – **संजय सिंह गंगवार**, राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिल

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

छात्राओं को गुड टच बैड टच की दी जानकारी

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गुरु हरिकिशन महाविद्यालय में मिशन शक्ति फेज के तहत महिला सशक्तिकरण संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। गोष्ठी में 50 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर छात्राओं को गुड टच एवं बैड टच की जानकारी दी गई और बैड टच से किस तरह से बचा जा सकता है। इसके लिए जागरूक किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ. निर्मल सिंह ने छात्राओं को सेल्फ डिफेंस हेतु प्रेरित किया। संचालन महाविद्यालय की शिक्षिका शान्ती वर्मा एवं अनुराधा रानी ने किया।

श्रीमद् भागवत कथा आज से

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर के नीलकंठ मैदान में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा 30 अक्टूबर गुरुवार से पांच नवंबर बुधवार तक शाम पांच बजे से रात 9 बजे तक होगी। आयोजन समिति के पंडित मुनेंद्र शुक्ला ने बताया कि आईएएस शंभु कुमार की प्रेरणा से 30 अक्टूबर गुरुवार से नीलकंठ मैदान में होने वाली सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन के नरोत्तम शास्त्री कथा व्यास होंगे। छह नवंबर गुरुवार को हवन, पूजन, भंडारा और शाम को श्रद्धालुओं को पंडित रमेश शुक्ला द्वारा नरसी के भात की कथा सुनाई जाएगी। उन्होंने श्रद्धालुओं से श्रीमद् भागवत कथा में समय से पहुंचकर सहभागिता करने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल, दो रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : क्षेत्र में अलग-अलग हुई सड़क दुर्घटनाओं में जिला शाहजहांपुर के सेहरामऊ निवासी उमाशंकर (45), ग्रंट नंबर 11 निवासी बृजेश (35), भरतपुर निवासी हिमांशु तिवारी (27) घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उमाशंकर और बृजेश को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

गोपाष्टमी महोत्सव में किया गया गो पूजन

अतिथियों का किया गया सम्मान, सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना हमारी संस्कृति एवं प्रवृत्ति का हिस्साः डॉ. बालमुकुंद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोशाला में गायों का पूजन करते डॉ. बालमुकुंद पांडेय। ● अमृत विचार

गोला के गोशाला के हवन में आहुतियां डालते गो सेवक। ● अमृत विचार

अमृत विचारः श्री धर्मादा समिति गोशाला के सप्त दिवसीय 17वें गोपाष्टमी महोत्सव का समापन गायों का पूजन, हवन, भंडारा और सम्मान समारोह के साथ हुआ।

श्री धर्मादा समिति गोशाला में हुए सात दिवसीय गोपाष्टमी महोत्सव के समापन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन सचिव अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना डॉ. बालमुकुन्द पांडेय, विशिष्ट अतिथि कथावाचक अंजनी शरण महराज, एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमचंद, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी दिनेश सचान, सरस्वती विद्या निकेतन कॉलेज के प्रधानाचार्य महेन्द्र त्रिपाठी, हॉकी एसोसिएशन उप्र के पूर्व चयनकर्ता विश्वनाथ सिंह, युवा नेता भाजपा धर्मेन्द्र गिरि मोंटी, गौ सेवक सीपी श्रीवास्तव, कार्यक्रम आयोजक विजय शुक्ला रिंकू ने हवन एवं गौ पूजन कर सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। गोपाष्टमी महोत्सव के आयोजक नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिह्न व अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

सम्मान समारोह की शृंखला में विजय शुक्ला रिंकू ने महोत्सव में सहयोग करने वाले सामाजिक संगठनों के प्रमुखों पदाधिकारियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विभिन्न विद्यालय के बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा गौ ज्ञान प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. बालमुकुन्द पांडे ने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना हमारी संस्कृति एवं हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। भारत प्रचीन काल से ही सबके कल्याण की कामना करता है, गौ सेवा एवं संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। भगवान कृष्ण ने गौ रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को उठाया था। आयोजक विजय शुक्ला रिंकू ने अतिथियों, सहयोगी संगठनों, आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गौ सेवा करना सभी का कर्त्तव्य है।

यथाशक्ति, सामर्थ्य एवं पूर्ण मनोयोग से करना चाहिए। गौ माता सभी मनोरथ पूर्ण करती है। संचालन संजीव दीक्षित ने किया। सभासद हरिओम वर्मा, धर्मेन्द्र तिवारी, रियाजुद्दीन,हर्ष अवस्थी, आनंद किशोर गिरि, अनिल गुप्ता,भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद वर्मा, महामंत्री विनोद स्वर्णकार, अवनी पांडे, विजय बाजपेयी, रामगुलाम पांडे, श्याम किशोर अवस्थी, डॉ. सौरभ दीक्षित, प्रधानाचार्य अवधेश मिश्रा, श्रवण महेश्वरी, अरुण अवस्थी, इं. मिलिन्द शुक्ला, श्याम सिंह कुशवाहा, श्याम राजपूत, मनोज सक्सेना, काके सहगल, पिंकी गुप्ता, गीता विश्वकर्मा, रेखा मिश्रा, सुमित्रा मिश्रा, अर्चना सोनी, सीमा वर्मा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किया गो पूजन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित मूड़ा सरकटा स्थित गोशाला में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने स्टाफ के साथ गोशाला में गायों का पूजन कर उन्हें गुड़ और केला खिलाकर माला पहनाई।

नगर पालिका गोला द्वारा संचालित मूड़ा सरकटा के अस्थाई गौआश्रय स्थल में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश सचान ने गायों का पूजन कर बताया कि पशुओं को हर तीन माह के अंतर में पेट के कीड़ों की दवा खिलाये, हरा चारा दे और गौशाला को साफ सुथरा बनाए रखें। उन्होंने गौशाला में गोवंश के रहन सहन की व्यवस्था देखकर संतोष व्यक्त किया। डॉ. अमित कात्यायन, संतोष कुमार वर्मा, केयरटेकर श्याम सिंह कुशवाहा सहित तमाम गौ पालक मौजूद रहे।

मूड़ा सरकटा गोशाला में गायों को केला खिलाते डॉ. दिनेश सचान। ● अमृत विचार

शौचालय में मगरमच्छ घुसने से मचा हड़कंप

संवाददाता, भानपुर

मगरमच्छ को पकड़ती वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचारः थाना भीरा क्षेत्र के गांव भवानीपुर में शौचालय में घुसे मगरमच्छ को देख ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़कर नदी में छोड़ दिया है।

कहीं से एक मगरमच्छ कहीं से गांव भवानीपुर में पहुंच गया और शिशुपाल के घर के बाहर बने शौचालय में घुसकर बैठ गया। रोज की तरह बुधवार की सुबह करीब छह बजे परिवार के लोग शौचालय के लिए गए तो उन्हें शौचालय के भीतर कुछ हरकत देखी। झांककर देखा तो वहां एक

● वन विभाग की टीम ने पकड़कर नदी में छोड़ा

बड़ा मगरमच्छ था। यह दृश्य देखकर शिशुपाल और उनके परिजन दहशत में आ गए। मगरमच्छ के शौचालय में होने की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। कुछ ही देर में आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए और शौचालय के पास भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने किसी तरह स्थिति संभाली और वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने सुरक्षा उपायों के साथ मगरमच्छ को जाल की मदद से बाहर निकाला।

करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया गया। इसके बाद वन विभाग की टीम उसे अपने साथ लेकर चली गई। जिसे बाद में नदी में छोड़ दिया गया।

हादसे में बेटे की मौत माता-पिता घायल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः लखीमपुर-अलीगंज मार्ग पर बुधवार की सुबह एक कार फूटा कुआं के पास अनियंत्रित होकर होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार माता-पिता के साथ उनका बेटा गंभीर घायल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने बेटे को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर परिवार वालों ने बताया कि गोला थाना क्षेत्र के गांव रामपुर जंगल निवासी कृष्ण कुमार (40) बुधवार सुबह करीब 10 बजे अपने पिता रामऔतार और मां रामकली के साथ कार से लखीमपुर डायलिसिस कराने आ रहे थे। लखीमपुर-अलीगंज मार्ग पर फूटाकुआं के पास उनकी कार अनियंत्रित हो गई और एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में तीनों लोग गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टर ने कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया, वहीं मां रामकली की हालत गंभीर होने पर हुए लखनऊ रेफर कर दिया। रामऔतार का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

प्रथम वर्ष की परीक्षा में अखिलेश ने किया कॉलेज टॉप, 95 प्रतिशत रहा परिणाम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अखिलेश यादव।

● मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष का रिजल्ट जारी

अमृत विचारः स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने बेहतर अंकों से प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की है। मेडिकल कॉलेज का परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत रहा है। इसमें सर्वाधिक 665 यानि 74 फीसद अंक लाकर छात्र अखिलेश यादव ने मेडिकल कॉलेज में टॉप किया है, जबकि 73.5 प्रतिशत यानी 662 अंक पाकर छवि गुप्ता दूसरे और 650 अंकों के साथ 72 प्रतिशत मार्क्स के साथ मनीषा वर्मा व हुदा खान तीसरे स्थान पर रहीं।

मेडिकल कालेज की प्रधानाचार्य डॉ. वाणी गुप्ता ने बताया कि प्रथम सत्र के प्रथम बैच का रिजल्ट 95 प्रतिशत रहा है। यह उपलब्धि संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, समर्पण व अनुशासन का जीवंत उदाहरण है। सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, दृढ़ निश्चय और लगन से लेकर शिक्षकों के मार्गदर्शन को जाता है। प्रधानाचार्य ने बताया कि चिकित्सा महाविद्यालय में अनुशासन और छात्रो के पठन पाठन पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे छात्र छात्राएं संस्थान का नाम रोशन कर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसित रहें। उन्होंने बताया कि अटल बिहारी चिकित्सा विश्वविद्यालय ने सितंबर में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की परीक्षा कराई थी, जिसमें मेडिकल कॉलेज के 100 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया था। परीक्षा परिणाम 18 अक्टूबर जारी हुआ। इसमें 95 विद्यार्थी सफल रहे। प्रधानाचार्य ने छात्रों की हौसलाफजाई करते हुए कहा कि भविष्य में छात्र उत्कृष्ट कर मेडिकल कालेज का नाम रोशन करेगें।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के मेधावी

छात्र	अंक प्रतिशत
● अखिलेश यादव	665 (74%)
● छवि गुप्ता	662 (73.5%)
● मनीषा वर्मा ● हुदा खान	650 (72%)

बवासीर भगन्दर
ऑपरेशन से बचें
दर्द रहित उपचार
डॉ. एस.के. गुप्ता
(गुप्त रोग चिकित्सक)
बवासीर भगन्दर रोग विशेषज्ञ
ऑपरेशन से बचें # दर्द रहित उपचार
सैक्स
रोगियों का यूनानी आयुर्वेदिक इलाज
बवासीर को अनदेखा करना घातक हो सकता है
● मस्से होना ● सूजन होना
● जलन होना ● उठाने-बैठने में तकलीफ होना
● खूनी बवासीर होना
धात, स्वप्नदोष, सुस्ती, कमजोरी, शीघ्र पतन होना, जोश में कमी, रूकावट, बवासीर, भगन्दर, ल्यूकोरिया, महावारी का न होना, शुक्राणुओं की कमी, निःसन्तान रोगी (नशा छुड़वायें), सोराइसिस, नलों का बंद होना, कैंसर, शुगर, इन्द्री का लंबापन, मोटापन, 50 साल से ऊपर वाले मर्दों का सैक्स पावर खत्म होना, गुर्दे का क्रीटानीन, प्रोस्टेट, अल्सर, योनि का ढीलापन, पेशाब बार-बार आना, पेशाब में खून आना।
नशा छुड़ाए? नशे से कुछ ही दिनों में छुटकारा पायें।
नोटः- हर जगह से निराश रोगी एक बार अवश्य मिलें।
सुबह 10:30 से 2:30 तक, शाम 6:30 से 8:30 तक
रविवार 10:30 से 2:30 तक
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
स्थापित 1960
माध्यमिक शिक्षा परिषद बोर्ड आफिस के सामने, चौपुला से कुतुबखाना रोड, बरेली।
मो. 9259082174

मांस बरामदगी: बेखौफ घूम रहे आरोपी

संवाददाता, मझगईं

● वन कर्मचारियों पर सफाई कर्मी से सांठगांठ करने का आरोप

अमृत विचारः दक्षिण निघासन रेंज के गांव दौलतापुर नौगवां में चार दिन पहले हुए जंगली मांस बरामदगी मामले के छह आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। इनमें शामिल आरोपी एक सफाईकर्मी खुलेआम घूम रहा है, जबकि वन विभाग आरोपियों की तलाश में होने का दावा कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि आरोपी से वनकर्मचारी मिले हुए हैं। साठगांठ के चलते कर्मचारी उसे गिरफ्तार करने से बच रहे हैं।

चार दिन पहले वन विभाग की टीम ने छापा मारकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया था और उसका चालान भेजा था, जबकि छह लोग मौके से भाग निकले थे। वन विभाग ने सभी आरोपियों के खिलाफ वन्य जीव अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोपियों में सफाई कर्मी रामसागर उर्फ प्रेमसागर भी शामिल है, जो कार्रवाई से बेखौफ गांव में खुलेआम घूम रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग के कुछ कर्मचारी उसे बचाने का प्रयास कर रहे हैं। जंगली जानवर के मांस की बरामदगी के बावजूद आरोपियों का खुलेआम घूमना गांव में चर्चा का विषय है।

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की ढिलाई के चलते शिकारी बेखौफ सक्रिय हैं और वन्यजीवों के संरक्षण पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अधिकांश नामजद आरोपी अपने घरों में आराम से रह रहे हैं, मगर विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। अब सभी की निगाहें रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह पर टिकी हैं कि क्या वे सभी फरार नामजदों को गिरफ्तार कर पाएंगे। दक्षिण रेंज निघासन के रेंजर गजेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की जांच एसडीओ कर रहे हैं।

मतदाता के घर कम से कम तीन बार जाकर करें सत्यापन

मितौली, अमृत विचारः निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी बीएलओ की बैठक तहसील सभागार में एसडीएम मधुसूदन गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। एसडीएम ने कहा कि सभी बीएलओ कम से कम तीन बार मतदाता के घर पर जाएं और भौतिक सत्यापन करें। एसडीएम ने कहा कि इस प्रक्रिया से एक व्यक्ति का नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज होने, मृत मतदाताओं के नाम विलोपित न होने और विदेशी नागरिकों के नाम गलती से सूची में शामिल होने जैसी त्रुटियों को समाप्त किया जा सकेगा। भारत निर्वाचन आयोग से घोषित विशेष पुनरीक्षण अभियान 28 अक्टूबर 2025 से 7 फरवरी 2026 तक छह चरणों में चलेगा। इस अवधि में बीएलओ को घर-घर जाकर गणना पत्रक सर्वे का कार्य करना है। बैठक में तहसीलदार मितौली, खंड शिक्षा अधिकारी पसगवां संजीव कुमार भारती, पसगवां, मितौली, बेहजम के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खेरवा गो आश्रय केंद्र में मृत पशुओं के वीडियो वायरल

संवाददाता, बेहजम

● गोशाला संचालक लगा रहे डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

अमृत विचारः ब्लॉक बेहजम क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसारा के खेरवा स्थित अस्थाई गो आश्रय केंद्र में मृत गोवंशों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया है। वीडियो में कई मृत पशुओं के शव दिखाई दे रहे हैं। गोशाला संचालकों का आरोप है कि पशुओं की मौत डॉक्टर द्वारा लगाए गए इंजेक्शन के कारण हुई है।

बुधवार को एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कई मृत पशुओं को ट्रॉली में भरकर तिरपाल से ढककर ले जाया जा रहा था। ग्रामीणों ने तिरपाल हटाकर वीडियो बनाया जो तेजी फैल गया। इसमें गोशाला संचालक डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते नजर आ रहे हैं। पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि मृत पशुओं का पंचनामा किया गया है और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। वहीं, ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल चंद्र राणा ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि गो आश्रय केंद्र में कितने पशु दर्ज हैं और कितनों की मौत हुई है, इसकी सटीक जानकारी उनके पास नहीं है।

सरकारी अभिलेखों में दर्ज पशुओं की संख्या और मौजूद वास्तविक संख्या का आंकड़ा न तो पशु चिकित्सा अधिकारी, न ग्राम पंचायत अधिकारी और न ही एडीओ पंचायत शिवाशीष श्रीवास्तव स्पष्ट कर सके। बताया जा रहा है कि गो आश्रय केंद्र में पशुओं की संख्या में हेरफेर कर कुछ पशुओं को अन्य केंद्रों में स्थानांतरित करने की योजना बनाई जा रही है। खेरवा गो आश्रय केंद्र में गोवंश की लगातार हो रही मौतों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मौतें डॉक्टर की लापरवाही से हुई हैं। या भूख-प्यास और कुपोषण के कारण, इसका जवाब अब तक किसी अधिकारी के पास नहीं है। फिलहाल गोवंश की लगातार मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404
Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines
● Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
● Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
● Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
● Humanities and Journalism English
● Faculty of Pharmacy
● Faculty of Management
● Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)
Application Fee
■ For Indian Candidate Rs. 2000/-
■ NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD
Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025
Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

पोस्टर में अदीबा, स्लोगन में अंशिका प्रथम

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला के सीजीएन पीजी कॉलेज में पोस्टर दिखातीं छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सीजीएन पीजी कॉलेज में भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में कराई गईं पोस्टर प्रतियोगिता में अदीबा नाज एवं स्लोगन प्रतियोगिता में अंशिका शर्मा प्रथम रहीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.पंकज सिंह के निर्देशन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी जिला नोडल अधिकारी डॉ. आदर्श पटेल की मौजूदगी में हुईं पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के डॉ. अशोक कुमार, डॉ. राकेश कुमार अग्रहरि, डॉ. देवानन्द, डॉ, सुनील गुप्ता ने पोस्टर प्रतियोगिता में अदीबा नाज को प्रथम, शिवशंकर एवं शहनवाज खान को द्वितीय तथा शीतल गुप्ता को तृतीय स्थान दिया। स्लोगन में अंशिका शर्मा को प्रथम, उमम को द्वितीय एवं इल्मा खातून को तृतीय स्थान मिला। प्रतियोगिता में वन्दना, नन्दिनी, सुषमा, हजरा खातून, साक्षी आदि राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग कर पटेल जी के स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान रियासतों के एकीकरण, एकता में विविधता को पोस्टर एवं स्लोगन द्वारा रेखांकित किया। प्राध्यापक डॉ. नवनीत कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. मनोज कुमार सरोज, डॉ. योगेश कनौजिया, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. विवेक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

हादसे में ऑटो सवार एक की मौत, 4 घायल

खमरिया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में ईसानगर रोड पर स्थित पैकापुर गांव के निकट बुधवार की रात करीब आठ बजे खमरिया से सवारियां लेकर जा रहे ऑटो में ट्रैक्टर-ट्राली ने सामने से टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पलट गया और ऑटो में सवार एक की मौत हो गई, वहीं चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक की पहचान प्रेम उर्फ फूलचंद (42) पुत्र निरंजन, साहेबनगर ग्राम पंचायत पकरिया थाना खमरिया के रूप में हुई है। प्रमोद कुमार, संबारी, राजेश व ऑटो चालक सिंगावर निवासी दीपक को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से जिला अस्पताल ओयल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक थाना खमरिया ओमप्रकाश राय ने बताया घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

सैर कराने के लिए 90 गाइड और चार हाथी की ड्यूटी लगी, ऑनलाइन बुकिंग शुरू, पहले दिन से बड़ी संख्या में सैलानियों के पहुंचने की उम्मीद

वन मंत्री एक नवंबर को करेंगे दुधवा नेशनल पार्क के नये सत्र का आरंभ

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा नेशनल पार्क का नया पर्यटन सत्र पहली नवंबर से प्रारंभ हो रहा है, जिसकी सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। प्रदेश के वन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. अरुण कुमार पूजन के बाद फीता काटकर दुधवा के नए पर्यटन सत्र का शुभारंभ करेंगे। दुधवा प्रशासन ने सैलानियों को सुरक्षित सैर और जानकारी कराने के लिए 90 गाइड तैयार किए हैं, वहीं चार हाथी भी निकलेंगे।

दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ. एच. राजा मोहन ने बताया कि वन मंत्री जी का कार्यक्रम फाइनल हो चुका है। वे दुधवा नेशनल पार्क के नए सत्र का उद् घाटन करने के लिए समय पूर्व पहुंचकर यहां होने वाले सभी कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नए पर्यटन सत्र में दुधवा आने वाले सैलानियों को किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो, इसके लिए अधीनस्थों को निर्देश दे दिए गए हैं। उधर, डीटीआर के उपनिदेशक जगदीश आर ने बताया कि इस बार दुधवा का पर्यटन सत्र 15 दिन पहले ही शुरू हो रहा है जिसके लिए ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था की गई है। दुधवा परिसर सहित सभी गेस्ट हाउस व थारु हटों की साफ-सफाई, रंगाई- पुताई आदि कराकर पर्यटकों की सुविधानुसार सुसज्जित कर दिया गया है।

दुधवा नेशनल पार्क का प्रमुख गेस्ट हाउस। ● अमृत विचार

आदिवासी थारू संस्कृति से भी रूबरू होंगे पर्यटक

दुधवा आने वाले सैलानी इसबार चंदन चौकी में बने थारू शिल्पग्राम में पहुंचकर आदिवासी थारू संस्कृति से भी रूबरू हो सकेंगे ।वे उनके रहन-सहन के तरीके, परिधान, खान-पान की वस्तुओं का जायका ले उनके परंपरागत तीज-त्यौहार, गीत- संगीत को भी जान सकेंगे।

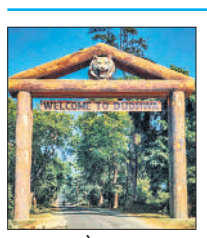

दुधवा का प्रवेश द्वार।

पर्यटक पहली बार कर सकेंगे खुले में घूमते गैंडों का दीदार

डीडी दुधवा ने बताया कि यहां आने वाले सभी पर्यटक इस बार पहली दफा जंगल में स्वच्छंद घूमते चार गैंडों का दीदार कर सकेंगे। जिसके लिए समस्त जिप्सी, जिनान चालकों सहित प्रशिक्षित गाइडों को निर्देशित कर दिया गया है।

एक वर्ष की भवानी व डेढ़ वर्ष की मसककली सैलानियों को करेंगी प्रफुल्लित

दुधवा टाइगर रिजर्व की दक्षिण सोनारीपुर रेंज के अंतर्गत सलूकापुर क्षेत्र में पल रहे दुधवा के 25 हाथियों में 1 वर्ष की करि शावक भवानी तथा डेढ़ वर्ष की मसककली यहां आने वाले सभी सैलानियों को प्रफुल्लित करेंगी। जिन्हें देखकर, उनको फल, मीठा एवं अन्य रुचिकर खाद्य सामग्री खिलाकर तथा अपने हाथों से विशालकाय हथिनियों के नन्हे शावकों को सहलाकर वे रोमांचित होंगे।

जंगल की सैर कराने को जिप्सी, जिनान व प्रशिक्षित गाइड तैयार

दुधवा नेशनल पार्क एवं किशनपुर वन्य जीव बिहार परिक्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को घुमाने के लिए दुधवा पार्क प्रशासन ने 47 जिप्सी, 15 जिनान तथा 90 प्रशिक्षित गाइडों को तैनात किया है। ताकि दुधवा की सैर करने के लिए आने वाले पर्यटक जिप्सी, जिनान में बैठकर प्रशिक्षित गाइडों से दुधवा के वन एवं वन्य जीव-जंतुओं की जानकारी हासिल कर सकें।

बिना मरम्मत नया बोर्ड लगाकर लाखों डकारे

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का हालः राजपुर में सड़क योजना में गड़बड़ी का आरोप

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़कों में गड़बड़ियों का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत भानपुर के मजरा राजपुर का मार्ग हाईवे से जुड़ा राजमार्ग है। ग्रामीणों ने एक सड़क को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों के अनुसार इस सड़क का निर्माण वर्ष 2015 या 2016 में कराया था, लेकिन मौके पर लगे बोर्ड पर निर्माण अवधि 25 सितंबर 2021 से 24 दिसंबर 2021 दर्शाई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से पुराने निर्माण को नया दिखाने का खेल खेला जा रहा है। बोर्ड पर दर्ज तिथि और वास्तविक निर्माण वर्ष में बड़ा अंतर साफ तौर पर अनियमितता और लापरवाही को उजागर करता है।

बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत भानपुर के मजरा राजपुर के ग्रामीणों ने बताया कि हाईवे से जुड़ा राजपुर मार्ग प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना से करीब आठ-दस साल पहले ही बना था। अब बस बोर्ड बदल दिया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से पुराने निर्माण को नया दिखाने का खेल खेला जा रहा है। बोर्ड पर लिखी तारीख और वास्तविक निर्माण वर्ष का फर्क सरकारी भ्रष्टाचार की पोल खोल रहा है। हैरानी की बात यह है कि सड़क की मरम्मत के नाम पर 2021 से 2026 तक लाखों रुपये का बजट जारी दिखाया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क पर न तो कोई बड़ा मरम्मत कार्य हुआ, न ही गुणवत्ता सुधरी। फिर भी जिम्मेदारों ने फर्जी बिल और रिपोर्ट बनाकर सरकारी खजाने से लाखों रुपये हजम कर लिए। यहां तक कई सालों से क्षतिग्रस्त पुलिया को भी ठीक नहीं कराया गया है। अब गांव के लोग भड़क गए हैं और प्रशासन से इस कागज़ी विकास की पूरी जांच कराने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे जन आंदोलन करेंगे।

राजपुर मार्ग पर पुलिया की एक तरफ की गिरी दीवार। ● अमृत विचार

राजपुर मार्ग पर लगाया गया नया बोर्ड। ● अमृत विचार

राजपुर मार्ग लगभग 2015 या 16 में बनाया गया है और बोर्ड में 2021 में बना दिखाया गया है। इससे सड़क निर्माण के नाम पर बड़े घोटाले की बू आ रही। इसकी जांच होनी चाहिए। **-अशोक मौर्य राजपुर।**

जब से यह रोड बना है तब से कभी एक-दो जगहों पर चकती भले लगाई गई हो, इस पर कभी मरम्मत कार्य भी नहीं हुआ है। पुराने बोर्ड को नए सिरे से रंगवा कर लिखवा दिया गया है। **-तोड़ी लाल, राजपुर।**

यह रोड हमारे विभाग के तहत नहीं आता है। यह विभाग पीडब्ल्यूडी का है। हम लोग गांव के अंदर छोटे-छोटे काम करा सकते हैं जो आबादी के सटे होते हैं। **-सुरेश कुमार**, ग्राम विकास अधिकारी, बिजुआ।

इस बोर्ड में पैंट करा दिया गया है। बोर्ड पर सड़क की कोई लागत नहीं लिखी है। न ही ठेकेदार का नाम लिखा है। इसकी गंभीरता से उच्च स्तरीय जांच हो, तो खुद ही सच्चाई सामने आ जाएगी। **-विनीत मौर्य, राजपुर।**

मामले की जानकारी नहीं है। अब पता चला है इसकी जांच कराई जाएगी। यदि मामला सही पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी। **-अभिषेक कुमार** सीडीओ।

प्रधानमंत्री ग्राम योजना के राजपुर मार्ग पर बोर्ड लगाया है, जिसमें नया कार्य दिखाया गया है, जबकि कार्य हुआ ही नहीं है। सड़क 2015 या 2016 में बनी थी, जिसके बाद कोई कार्य नहीं हुआ है। **-शोभित कुमार राजपुर।**

बस की टक्कर से घायल की हालत गंभीर, लखनऊ रेफर

निघासन, अमृत विचार: कस्बे में मंगलवार को बस की टक्कर से घायल हुए युवक की हालत अत्यधिक बिगड़ गई। उसे जिला अस्पताल से डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर किया है। उधर, पुलिस ने घायल के चचेरे भाई की तहरीर पर बस के चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मंगलवार को सिंगाही मार्ग पर निजी बस ने बाइक में पीछे से बाइक में टक्कर मार दी थी। इससे बाइक चला रहा सहतेपुरवा निवासी सियाराम का पैर कट गया था। उसका हाथ भी टूट गया था। उसकी बाइक बस के नीचे फंस गई थी। हादसे के बाद बस पास के एक मूंगफली के ठेले में जा घुसी थी, गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ था। घायल को निघासन सीएचसी में भर्ती कराया गया था, जहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल भेजा था, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। लगातार हालत खराब होते देख डॉक्टर ने उसे लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया है, जहां उसका उपचार चल रहा है, लेकिन उसकी हालत में कोई सुधार नहीं है। उधर पुलिस ने घायल के चचेरे भाई थाना पढुआ के गांव लखाही निवासी राकेश कुमार की तहरीर पर बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बजाज की चीनी मिलें 14 दिन में करें गन्ना भुगतान

गन्ना समिति में किसानों से बातचीत करते चीनी मिल के गन्ना महाप्रबंधक।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● राकिशसं की किसान पंचायत में एसडीएम को दिया ज्ञापन

अमृत विचार: सहकारी गन्ना विकास समिति के प्रांगण में हुई राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन की किसान पंचायत में चीनी मिल चलने से पूर्व पिछले सीजन का भुगतान और नये सत्र में 14 दिन में भुगतान करने की मांग की गई।

पंचायत में जिला अध्यक्ष संतोष सिंह भदौरिया ने कहा कि बजाज चीनी मिलों का गन्ना भुगतान न होने से किसान बहुत परेशान है लेकिन मिल मालिक और अधिकारियों को कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू होने से पहले यूनिट हेड गन्ना समिति के सचिव को 14 दिन में गन्ना भुगतान करने के लिए नोटेरियल शपथ पत्र दें। इसके बाद ही चीनी मिल चलाएं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार पराली को जलाने के बजाय ठिकाने लगाने के लिए सरकार व्यवस्था करे। किसान पंचायत में एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, गन्ना समिति के सचिव बलवंत चौधरी और बजाज मिल के गन्ना महाप्रबंधक पीएस चतुर्वेदी आये, किसानों ने एसडीएम को पांच सूत्रीय ज्ञापन देकर नवीन पेराई सत्र से दो दिन पूर्व पूर्ण गन्ना भुगतान करने और नवीन पेराई सत्र में 14 दिन में भुगतान करने का शपथ पत्र देने की मांग की। एसडीएम ने किसानों को कार्यवाही का आश्वासन दिया है। किसान पंचायत में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा, डेलीगेट अनिल कुमार, शिवदयाल वर्मा, श्याम किशोर, बृज किशोर, राधेश्याम, परमेश्वरदीन, नत्थूलाल, जीवन लाल, गुरु प्रसाद, नरायन लाल आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल महिला की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना फरधान क्षेत्र में तीन दिन पहले सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल बुजुर्ग महिला की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। फरधान भट्टा के पास रहने वाली जयदेवी (70) 25 अक्टूबर की शाम सड़क पार कर दूसरी ओर किसी काम से जा रही थी। इसी बीच किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं थीं। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिवार वालों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी चौथे दिन उपचार के दौरान मौत हो गई।

जेसीबी के साथ मेला मैदान पहुंची टीम से भिड़े भूमि के दावेदार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नगर पालिका प्रशासन, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम बुधवार को मेला मैदान की जमीन का सीमांकन करने पहुंची, तो भूमि पर मालिकाना हक का दावा कर रहे विपुल सेठ ने कड़ा विरोध जताया। इस दौरान मौके पर काफी देर तक हंगामा और नोकझोंक होती रही। प्रशासन की सख्ती के बाद विरोध शांत हुआ और बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया।

नगर पालिका टीम जेसीबी के साथ मेला मैदान पहुंची तो विपुल सेठ ने वहां मौजूद अधिकारियों के सामने दावा किया कि यह जमीन उनकी है और नगर पालिका प्रशासन जबर्दस्ती कब्जा कर रहा है। उन्होंने जेसीबी रुकवाने की भी कोशिश की। स्थिति बिगड़ते देख शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने व्यवस्था संभाली और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए चारों ओर सुरक्षा घेरा बना दिया। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव और ईओ संजय कुमार भी सीमांकन कार्य के दौरान मौजूद रहे।

डॉ. इरा श्रीवास्तव ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में आने वाली बंजर, नॉन-जेडए, तालाब, नाले और नदी की भूमि नगर पालिका की संपत्ति होती है। ऐसी भूमियों को जनहित में उपयोग लाने के उद्देश्य से सीमांकन कराकर सुरक्षित कराया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्य किसी निजी हित में नहीं, बल्कि सार्वजनिक उपयोग और नगर विकास के हित में किया जा रहा है। वहीं, प्रशासनिक अफसरों ने बताया कि सीमांकन के बाद मेला मैदान की भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस पर अवैध कब्जा या विवाद न कर सके। मौके पर पुलिस और राजस्व टीम की मौजूदगी के बावजूद कुछ देर तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा, हालांकि प्रशासन की सख्ती के आगे विरोध करने वाला पक्ष बैकफुट पर आ गया।

- नगर पालिका कर्मचारियों के साथ हुई तीखी नोकझोंक
- पुलिस की मौजूदगी में हुआ सीमांकन व बाउंड्री निर्माण

खुद की जमीन का दावा करने वाले विपुल सेठ को समझाते शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह।

मौके पर मौजूद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव व ईओ संजय कुमार।

दिन में किया बकरी का शिकार रात को गांव में पहुंचा बाघ

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव बेला कलां में मंगलवार को बाघ ने गांव के उत्तर डिबरी तालाब के पास विनोद की बकरी का शिकार किया। इसके बाद रात करीब आठ बजे अपने घर जा रहे कुलदीप की नजर जब मोहनलाल के खेत के पास खड़े बाघ पर पड़ी तो उसके होश उड़ गए। वह किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। इसके कुछ ही देर बाद बाघ रमा के घर के पास जा पहुंचा, जिससे ग्रामीणों ने पटाखे दाग कर और ट्रैक्टर से हांका लगाकर बाघ को खेतों खदेड़ा। गांव के रियाजुल, अजीजुर, उत्तम, वेदराम, हसनैन, वीरेंद्र और सरवन ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से बाघ और बाघिन का जोड़ा गांव के उत्तर दिशा में डिबरी तालाब के आसपास घूमता देखा जा रहा है। दो दिन पहले बकरी चरा रही सुनीता देवी ने जब बाघ को देखा तो वह डर के मारे बेहोश हो गई थीं। वनकर्मियों ने मौका मुआयना किया। वन क्षेत्र अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि मौके पर टीम को भेजा गया था। बकरी मारने की खबर संज्ञान में नहीं है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट पर मेरा नाम वासुदेव दर्ज है जबकि आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों मे वासुदेव केशवानी दर्ज है। वासुदेव व वासुदेव केशवानी दोनों मेरे ही नाम हैं। व मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है। **वासुदेव केशवानी पुत्र सतराम दास मो. काशीनगर लखीमपुर- खीरी**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम मोहिलाल खान (Mohilal Khan) दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम मोहम्मद हिलाल खान (Mohammad Hilal Khan) है। उक्त सही नाम को मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में संशोधित किया जाये। **मोहम्मद हिलाल खान (Mohammad Hilal Khan) पुत्र श्री तसब्बर अली खान, निवासी सी.बी.गंज स्टेशन रोड, मस्जिद के पास, बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र फैजान रज़ा खान एवं उसकी पत्नी अर्शी बेगम को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **हुस्नारा पत्नी अतहर रज़ा खां निवासी ग्राम गुगई थाना मीरगंज, तह. मीरगंज, जिला बरेली**

आवश्यकता है

सेल्समैन और सेल्सगर्ल एवं गार्ड की, गर्म कपड़ों के शोरूम ओसवाल कलैक्शन

46, सिविल लाईस, होटल ओबराय आनंद बेसमेंट हाल, हनुमान मंदिर के सामने, बरेली।

मो. 8847392798

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पहले नाम कमर जहाँ बेगम था अब मैंने अपना नाम बदलकर कमर जहाँ रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **कमर जहाँ पत्नी अरायश अली नि. मो. अन्टा निकट दाना मियां की मजार थाना सदर बाजार जिला- शाहजहांपुर मो. 8009454701**

सूचना

इंडियन बैंक शाखा सुंदरवल में मेरे खाता संख्या 59109083943 में मेरा नाम रोशनी देवी पत्नी बहोरी लाल दर्ज है, जबकि आधार कार्ड और अन्य अभिलेखों में मेरा नाम वीरजा पत्नी बहोरी दर्ज है। रोशनी देवी और वीरजा दोनों मेरे ही नाम है। अतः बैंक खाता में वीरजा पत्नी बहोरी दर्ज किया जाए। **वीरजा पत्नी बहोरी निवासी अमिरतापुर पोस्ट रामनगर खुर्द जिला- खीरी।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

नाराजगी | कहा- लागत के अनुपात में 450 रुपया प्रति क्विंटल हो गन्ने का दाम, किसान नेताओं ने की 14 दिन में गन्ना भुगतान की मांग

30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े गन्ना के दाम लेकिन किसानों में निराशा

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गन्ना किसानों की परेशानियों को देखते हुए 2025-26 सीजन के लिए गन्ने के मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है, जिससे प्रदेश के करोड़ों गन्ना किसानों को लाभ मिलेगा। जनपद के किसानों ने कहा कि बढ़ती लागत के हिसाब से यह मूल्य वृद्धि नाममात्र की है। पिछले दो वर्ष में राज्य सरकार ने एक भी रुपया गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ाया था, जिससे किसान पहले से ही परेशान है। इसके अलावा गन्ना किसानों बकाया चीनी मिलें नहीं दे रहीं हैं। ज्यादातर गन्ना किसान इस बढ़ोतरी का स्वागत करते दिखे, जबकि कुछ जागरूक किसानों ने कहा कि सरकार का गन्ना मूल्य हरियाणा सरकार से कम है। यूपी सरकार गन्ना किसानों के हितों को गन्ना मूल्य नहीं घोषित किया है।

प्रदेश सरकार ने गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है। हम इस निर्णय के लिए आभारी हैं। यह कदम किसानों के हित में सकारात्मक प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। वहीं डीज़ल, खाद, बिजली, मजदूरी और खेती के बढ़ते खर्चों को देखते हुए किसानों को उम्मीद थी कि गन्ने का मूल्य कम से कम 450 रुपया प्रति क्विंटल तय किया जाएगा। बजाज हिंदुस्थान शुगर मिलों सहित सभी मिलों का भुगतान 14 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए। **-अमनदीप सिंह संधू राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन (अमन संधू)।**

सरकार को महंगाई देखते हुए गन्ने के दाम बढ़ाने चाहिए। गन्ना किसानों की बदहाल स्थिति, गन्ने की बढ़ती लागत को देखते हुए इस वर्ष गन्ने का मूल्य 450 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए था। **-संतोष सिंह (सुक्खी), पचासा झाला औरंगाबाद।**

दो साल में सरकार की ओर से गन्ने के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं, जबकि इस बीच महंगाई बढ़ने से गन्ने की फसल उगाने में लागत बहुत अधिक आ रही है, जिसके सापेक्ष गन्ने के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। **-रणधीर मिश्र, किसान।**

किसानों के गन्ने का मूल्य योगी सरकार ने पहली बार चीनी मिलों के चलने से पूर्व 30 रुपये और सामान्य के 20 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना मूल्य बढ़ाया है, लेकिन संगठन ने बजाज चीनी मिलों पर बकाया गन्ना भुगतान कराने और इस पेराई सत्र 2025-26 में 14 दिन में भुगतान किए जाने और उसका नोटेरियल शपथ पत्र दिए जाने की मांग की है। **-पटेल श्रीकृष्ण वर्मा**, प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन।

किसानों की प्रतिक्रिया

केशवापुर क्षेत्र के गांव खम्हौल निवासी गन्ना किसान रहमत अली ने कहा कि यूपी सरकार ने 30 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का मूल्य बढ़ाया है, अच्छी बात है। फसल में पानी, खाद, बीज, लेवर काफी महंगा हो चुका है। सरकार के इस मूल्य वृद्धि से किसानों के घाटे में कमी आने की उम्मीद है।

जिगनहा निवासी जागरूक गन्ना किसान श्याम किशोर वर्मा ने कहा कि यह मूल्य बढ़ोतरी कर किसानों के जख्मों पर मरहम का काम करेगा। यूपी सरकार से गन्ना मूल्य में 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की उम्मीद थी।

शेरपुर निवासी अतुल शुक्ला ने बताया कि भाजपा सरकार ने यूपी के किसानों के साथ भेदभाव किया है। हरियाणा की सरकार ने गन्ने का मूल्य 415 रुपये किया है। सरकार एक ही पार्टी की फिर किसानों के साथ भेदभाव क्यों।

गांव मदारपुर बसही निवासी अनूप कुमार का कहना है कि सरकार द्वारा गन्ना मूल्य का निर्धारण करना किसानों को कोई तोहफा नहीं, बल्कि खून पसीने मेहनत का पैसा है। 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी से किसान संतुष्ट नहीं हैं।

पलिया के मोहल्ला राजेंद्र कुमार गुप्ता का कृषि फॉर्म हवाई पट्टी रोड पर है। वे जहां योगी सरकार द्वारा गन्ने का 30 रुपये मूल्य बढ़ाने का स्वागत करते हैं। वहीं दो वर्षों में खेती की बढ़ी लागत को ध्यान में रखते हुए रेट और बढ़ाना चाहिए था।

पलिया से पटिहन जाने वाले मार्ग के फार्मर सरदार नरेंद्र सिंह इस संदर्भ में बातचीत करने पर कहते हैं कि जब खाद, बिजली, डीजल, मजदूरी सब कुछ बढ़ गई, तो गन्ने का रेट कम से कम 450 रुपये क्विंटल होना ही चाहिए।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

आरोपी गिरफ्तार तब किया अंतिम संस्कार

पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार रात गांव लाया गया शव, आरोपी के कबूलनामे के बाद माने परिजन

संवाददाता, मैगलगंज

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के गांव रहजनिया में ओम जी की हत्या कर दी गई थी। पुलिस की लापरवाही के कारण उसके शव का पोस्टमार्टम 30 घंटे बाद हो सका। मंगलवार देर शाम शव जब गांव लाया गया तो परिवार में चीख पुकार मच गई। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। हालांकि पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। पुलिस ने जब आरोपियों को गिरफ्तार कर एक आरोपी से परिवार वालों की बात कराई। तब परिजन शांत हुए और शव का अंतिम संस्कार किया।

गांव रहजनिया निवासी ओमजी यादव (24) शनिवार दोपहर से लापता था। रविवार दोपहर उसकी बाइक मैगलगंज कस्बे के लट्ठौनारपुरवा भट्ठा की झाड़ियों में मिला थी। सोमवार सुबह उसका इन्हीं झाड़ियों में शव बरामद हुआ था। शव के सिर व शरीर पर चोटों के निशान थे। मृतक की बहन सरिता की तहरीर पर पुलिस ने पेट्रोल पंप के मैनेजर समेत तीन लोगों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कागजों के लेट लतीफ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पूरे 30 घंटे बाद मंगलवार को तीन डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराकर शाम को पुलिस ने शव परिवार वालों को सौंप दिया था।

मृतक के घर पर जुटी ग्रामीणों की भीड़ को समझाती पुलिस। ● अमृत विचार

● गांव रहजनियां निवासी ओम जी की हत्या का मामला, पूरी रात गांव में तैनात रही पुलिस

देर शाम शव जब घर लाया गया तो परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार करने का दबाव बनाया तो परिवार वालों ने आक्रोश में शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया।

परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ मृतक का मोबाइल और बाइक की चाभी बरामद करने की मांग पर अड़े रहे। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने परिजनों को थाने लाकर गिरफ्तार आरोपी दिवाकर से आमना-सामना कराया। पूछताछ के दौरान दिवाकर ने खुद कबूल किया कि उसने शराब के नशे में ओम जी के सिर पर डंडा मारकर हत्या की थी। उसने यह भी बताया कि हत्या के बाद उसने मृतक का मोबाइल और बाइक की चाभी झाड़ियों में फेंक दी थी। आरोपी के इस इकबाल-ए-जुर्म के बाद परिजनों का गुस्सा कुछ शांत हुआ। पुलिस के इस कदम और हरसंभव मदद के आश्वासन के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने पर सहमति दी। भारी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच गांव में ही ओम जी का अंतिम संस्कार किया गया। जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। कोतवाली प्रभारी रविन्द्र पांडेय ने बताया कि आरोपी ने साक्ष्य मिटाए हैं। मृतक का मोबाइल, बाइक की चाभी और सिर पर प्रहार किए गए डंडे की तलाश की जा रही है। इसको लेकर आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पोस्टमार्टम की देरी से पुलिस कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

गांव रहजनियां निवासी ओम जी का शव बरामद होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोपहर में ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा था, जो समय से पोस्टमार्टम हाउस भी पहुंच गया। बताते हैं कि पुलिस कागज लेकर काफी देर बाद पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। कागजी कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी न होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। उधर, सीएम योगी आदित्यनाथ के दौरे के कारण भी डॉक्टरों का पैनल नहीं बन सका। इससे शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका था। मंगलवार को कागजी कार्रवाई पूरी होने और डॉक्टरों का पैनल बनने के बाद शव का पोस्टमार्टम हो सका। इस प्रक्रिया में पूरे 30 घंटे बाद शव शाम को घर लाया जा सका। पोस्टमार्टम की देरी को लेकर भी परिजनों और ग्रामीणों में भारी रोष देखा गया।

आई लव काली मां'' का कथा पंडाल में गूंजा जयघोष

पसगवां, अमृत विचारः कथा व्यास शैवाचार्य प्रशांत प्रभु महाराज ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सनातन धर्म के खिलाफ सत्ता की हनक चल रही है। मां काली की मूर्ति को ममता सरकार ने पुलिस के कैदी वाहन में मूर्ति को भेजा। पूरे प्रकरण पर श्रद्धालुओं को बताते हुए पंडाल में उन्होंने "आई लव काली मां का जयघोष" कराया।

वामपंथी व तमाम राजनैतिक संगठन स्वार्थ सिद्धि के लिए सनातन का विरोध कर रहे हैं। सनातनी को इसे समझना होगा। कब तक भाईचारे के नारे का चारा बनोगे। हमारी बेटियों के खिलाफ लव जिहाद चला रहे। हमें परिवार को संस्कारवान बनाना है। सनातन की संस्कृति बतानी है तभी हम निपट सकते हैं। शास्त्र के साथ शस्त्र ज्ञान भी हमारी परंपरा का हिस्सा है इसे ध्यान रखना होगा। महादेव की भक्ति हमें मृत्यु से अमृत्व की ओर ले जाती है। गुरुवाणी पर विश्वास करने से हमेशा मंगल होता है। मानव को कर्मों का फल अवश्य मिलता है। जो गुरु की वाणी पर विश्वास करता है उसका सदैव मंगल अवश्य होता है। जब किसी के पुण्य उदय होते हैं, तब वह धर्म की ओर वहीं जब पाप उदय होते हैं तो वह अधर्म की ओर जाता।

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता

अर्थव्यवस्था पर चर्चा करते समाजसेवी राजेश दीक्षित। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● सरस्वती विद्या मंदिर में अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण पर हुई चर्चा

अमृत विचारः पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (यूपी बोर्ड) में अर्थ व्यवस्था पर गहन चर्चा हुई। इस दौरान समाजसेवी राजेश दीक्षित ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी के जीवन को ध्येय के प्रति समर्पित, संकल्पित बताते हुए उन्हें संगठन का कुशल शिल्पी बताया। उन्होंने अपने जीवन में माना था कि सफलता को कोई शॉर्टकट नहीं होता। जीवन में छोटे रास्ते की तलाश ही हमारे संपूर्ण व्यक्तित्व, सोच को काटकर छोटा कर देती है।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर स्वदेशी जागरण मंच के सह प्रांत संयोजक रामू स्वदेशी, प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह व समाजसेवी राजेश दीक्षित ने किया। प्रधानाचार्य डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि देश में लघु एवं कुटीर उद्योगों का एक सघन जाल हो। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राओं के साथ सभी ने स्वदेशी वस्तुओं को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य सर्वेंद्र कुमार अवस्थी ने किया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखीमपुर खीरी

पत्रांक 3211 /16ए/ई–टेण्डर–प्रा0खं0/2025–26 दिनांक 16.10.2025

ई–प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में मानसून में अतिवृष्टि के कारण जनपद में कई मार्ग अत्यन्त क्षतिग्रस्त हो गये है, जिन्हें सुगम यातायात के दृष्टिगत् अपरिहार्य परिस्थिति में मार्गो के त्वरित अनुरक्षित किये जाने हेतु महामहिम राज्यपाल महोदया, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में *'मार्ग श्रेणी'* हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत

क्र0 सं0	जनपद/खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	7	8	9	10
1.	खीरी/प्रा0खं0	जी0एस0 मार्ग धर्मौला से हथेला वाजिदपुर सम्पर्क मार्ग।	24.00	2.40	944.00	02 माह	A, B, C, D,
2.	खीरी/प्रा0खं0	राजापुर बेनी शाहपुर राजा मार्ग के मध्य से ग्राम पलिया तक सम्पर्क मार्ग।	11.00	1.10	856.00	02 माह	A, B, C, D,
3.	खीरी/प्रा0खं0	रायपुर बेनी सम्पर्क मार्ग से मंगलेश्वरनाथ मंदिर सम्पर्क मार्ग।	26.00	2.60	944.00	02 माह	A, B, C, D,
4.	खीरी/प्रा0खं0	सुखबसा से खरगापुर सम्पर्क मार्ग।	29.00	2.90	944.00	02 माह	A, B, C, D,
5.	खीरी/प्रा0खं0	रेछेला सम्पर्क मार्ग।	24.00	2.40	944.00	02 माह	A, B, C, D,
6.	खीरी/प्रा0खं0	लखीमपुर मोहम्मदी मार्ग कि0मी0–38 से मोहम्मदाबाद तकिया सम्पर्क मार्ग।	32.00	3.20	944.00	02 माह	A, B, C, D,
7.	खीरी/प्रा0खं0	मोहम्मदपुर सम्पर्क मार्ग।	26.00	2.60	944.00	02 माह	A, B, C, D,
8.	खीरी/प्रा0खं0	जियानपुर सम्पर्क मार्ग	5.70	0.57	790.00	02 माह	A, B, C, D,
9.	खीरी/प्रा0खं0	कस्ता–ममरी मार्ग कि0मी0–16 से जमुनिया सम्पर्क मार्ग	7.00	0.70	790.00	02 माह	A, B, C, D,
10.	खीरी/प्रा0खं0	पी0बी0 मार्ग (एन0एच0–730) के कि0मी0–87 डाटपुर किमी–1 से मौठीखेड़ा सम्पर्क मार्ग	6.00	0.60	790.00	02 माह	A, B, C, D,
11.	खीरी/प्रा0खं0	भीखमपुर सम्पर्क मार्ग	7.80	0.78	790.00	02 माह	A, B, C, D,
12.	खीरी/प्रा0खं0	डाटपुर सम्पर्क मार्ग	14.50	1.45	856.00	02 माह	A, B, C, D,
13.	खीरी/प्रा0खं0	लक्ष्मीपुर सम्पर्क मार्ग	9.30	0.93	856.00	02 माह	A, B, C, D,
14.	खीरी/प्रा0खं0	लकेसर से मनकापुर सम्पर्क मार्ग	32.50	3.25	856.00	02 माह	A, B, C, D
15.	खीरी/प्रा0खं0	भल्लियाबुजुर्ग से सेमरई सम्पर्क मार्ग	19.80	1.98	856.00	02 माह	A, B, C, D
16.	खीरी/प्रा0खं0	अनवरनगर सम्पर्क मार्ग	29.50	2.95	856.00	02 माह	A, B, C, D
17.	खीरी/प्रा0खं0	मोहब्बतपुर से होते हुए अहिरी वाया पटना प्रथम सम्पर्क मार्ग	9.90	0.99	856.00	02 माह	A, B, C, D
18.	खीरी/प्रा0खं0	टिकौला से रामनगर सम्पर्क मार्ग	11.50	1.15	856.00	02 माह	A, B, C, D
19.	खीरी/प्रा0खं0	उदरहा (उरदहा) सम्पर्क मार्ग	28.70	2.87	856.00	02 माह	A, B, C, D
20.	खीरी/प्रा0खं0	बेहजम–भदूरा मार्ग से नैनेपारा सम्पर्क मार्ग	29.00	2.90	856.00	02 माह	A, B, C, D
21.	खीरी/प्रा0खं0	खजुरिया सम्पर्क मार्ग	22.50	2.25	856.00	02 माह	A, B, C, D
22.	खीरी/प्रा0खं0	भूलनपुर से बिल्लई सम्पर्क मार्ग	24.40	2.44	856.00	02 माह	A, B, C, D
23.	खीरी/प्रा0खं0	खेरिया सम्पर्क मार्ग	32.00	3.20	856.00	02 माह	A, B, C, D
24.	खीरी/प्रा0खं0	लखीमपुर मैगलगंज से गुरूदेवखेड़ा सम्पर्क मार्ग	32.10	3.21	856.00	02 माह	A, B, C, D
25.	खीरी/प्रा0खं0	मोहम्मदपुर सम्पर्क मार्ग	11.80	1.18	856.00	02 माह	A, B, C, D
26.	खीरी/प्रा0खं0	लखीमपुर मैगलगंज मार्ग से थरिया सम्पर्क मार्ग पर 600एम0एम0 डाया हयूम पाइप कल्वर्ट का निर्माण कार्य	1.90	0.19	790.00	02 माह	A, B, C, D

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 06.11.2025 से 15.11.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 15.11.2025 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.11.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

UP-239550 दिनांक 28.10.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी) अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखीमपुर खीरी

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र – 1
संदर्भः ई प्रापण निविदा सं. उप मु0इं0–नि0–सा0–जी.के.पी–06–2025

सन्दर्भित निविदा में कार्य समापन की अवधि एवं कार्य का नाम के सम्बन्ध में निम्नलिखित संशोधन जारी किया जाता है। **मदः कार्य समापन की अवधिः पूर्व में दिया गया मानकः** 12 माह। **संशोधित मानकः** 18 माह। **पूर्व में दिया गया मानक कार्य का नामः** लेवल क्रासिंग सं0 157ए (स्पे0) मध्य गोरखपुर छावनी – कुसुम्ही के कि0मी0 500/2–3 (स्टील गर्डर छोड़कर) उपरिगामी सेतु का निर्माण कार्य। **संशोधित मानक कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में गोरखपुर कैंट–कुसम्ही के बीच किमी 500/2–3 (स्टील गर्डर को छोड़कर) पर एलसी संख्या 157ए विशेष के स्थान पर 2 लेन आरओबी का निर्माण। अन्य शर्ते पूर्वतः की भाँति लागू रहेंगी। शुद्धि पत्र वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजी./निर्माण/सामान्य, गोरखपुर

मुजाधि/डब्लू–314

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

नगदी-जेवर समेत चार लाख की चोरी

मझगईं, मृत विचारः थाना क्षेत्र के बम्हनपुर कस्बे में संजय श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार रात वह खाना खाकर परिवार के साथ सो गए। रात में किसी समय चोर घर में घुस आए और अलमारी तोड़कर चार सोने की अंगूठियां, सोने का झाला, नाक की बारह नथ, मांगटीका, गले का हार, मंगलसूत्र, एक नथनी, नो जोड़ी चांदी के बिछिया, पांच जोड़ी पायल और 15 हजार रुपये नकद समेत लगभग चार लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। रात करीब तीन बजे संजय की नींद खुली तो उन्होंने कमरे का दरवाजा खुला देखा। भीतर जाकर देखा तो अलमारी टूटी हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

विद्यार्थियों ने लगाई विज्ञान प्रदर्शनी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

कृषक समाज कॉलेज में प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि। ● अमृत विचार

● विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के स्टेम रहा मुख्य विषय

अमृत विचारः राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का जनपदीय आयोजन कृषक समाज इंटर कॉलेज में हुआ। विद्यार्थियों ने दिये गये विषयों पर अपने मॉडल का प्रदर्शन किया।

जनपदीय आयोजन की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे डॉ अनिल कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के स्टेम निश्चित है, जिसके अंतर्गत सात विषयों स्थाई कृषि, कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक के विकल्प, हरित ऊर्जा, उभरती हुई प्रौद्योगिकी, मनोरंजन गणितीय मॉडलिंग, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, जल संरक्षण एवं प्रबंधन निर्धारित हैं। प्रदर्शनी में सीनियर वर्ग में चलित मॉडल तथा जूनियर वर्ग में स्थिर मॉडलों का प्रदर्शन जनपद के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व डिप्टी सीएमओ डॉ. रविंद्रनाथ वर्मा ने किया। प्रदर्शनी में निर्णायक राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुकरा की प्रधानाचार्य अनीता चौधरी और राजकीय हाईस्कूल गनेशपुर के प्रधानाचार्य जगदीश नारायण रहे। प्रदर्शनी में स्नेहा गुप्ता का मॉडल इलेक्ट्रिक सेफ्टी प्रोजेक्ट, प्राची श्रीवास्तव का गार्बेज सॉर्टिंग सिस्टम और स्वस्तिका सिंह का ट्रेन कोलेशन प्रीवेंटर, शशांक शुक्ला का ट्रेन सिग्नल सिस्टम, शिफा अंसारी का ग्रीन ड्रेनेज बेल्ट और शिवा का नेचुरल एसी आकर्षण का केंद्र रहे। सभी विजेता बाल वैज्ञानिकों को मुख्य अतिथि ने मेडल पहनाकर सम्मानित कर अगले स्तर पर प्रदर्शन के लिए कहा कि अभी आपको अपने मार्गदर्शक शिक्षकों से मिलकर इसमें तीन बिंदुओं समाज के लिए आवश्यकता, लागत और भविष्य में इसकी चुनौतियां पर विशेष तैयारी करनी है। अध्यक्षता कालेज प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज ने की। समापन अवसर पर विशिष्ट अतिथि कॉलेज प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष नारायण लाल वर्मा और उप मंत्री विनोद चंद्र मिश्र, अरुण कुमार पांडेय सहित विभिन्न विद्यालयों के मार्गदर्शक शिक्षक विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद फरीदपुर (बरेली)

पत्रांक : 1251/न.पा.परि.फ./2025–26 दिनांक : 28.10.2025

जैम बिड सूचना

जैम पोर्टल पर पंजीकृत सेलर को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद फरीदपुर (बरेली) द्वारा नगर की पथ–प्रकाश को सुदृढ़ बनाये जाने के उद्देश्य से जैम पोर्टल पर बिड का प्रकाशन कराया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :–

Bid Number	:	GEM/2025/B/6824659
BID Published Date	:	25.10.2025
Bid End Date	:	04.11.2025
Bid Openinig Date	:	04.11.2025

अतः जैम सेलर उक्त अवधि में प्रकाशित बिड में प्रतिभाग कर सकते हैं।

(पुनीत कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, फरीदपुर (बरेली)

कार्यालय नगर पंचायत खीरी

पत्रांकः 1050/न.पं.खीरी/ई–निविदा–सूचना/2025–26 दिनांकः 28.10.2025

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्र संख्या– 1004/न.पं.खीरी/ ई–निविदा–सूचना/2025–26 दिनांक 09.09.2025 द्वारा जारी निविदा सूचना में निरस्त कार्यों की ''राज्य वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत'' प्राप्त धनराशि से कराने हेतु पुनः ई–टेन्डर के माध्यम से दिनांक 30.10.2025 से दिनांक 10.11.2025 समय 04:00 बजे सायं तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिनके निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। जो निर्धारित समयान्तर्गत डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है, तदोपरांत प्राप्त निविदाओं को दिनांक 11.11.2025 को समय– 10:00 बजे पूर्वान्ह टेण्डर कमेटी द्वारा खोला जायेगा, अगर किसी कारणवश कोई अवकाश पड़ जाता है या कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्य दिवस में उसी समय निविदाएं खोली जाएंगी। निविदाओं की वित्तीय बिड की स्वीकृति/अस्वीकृति के उपरान्त खोली जाएगी। नोटः– कार्यो का विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित आवश्यक नियम व शर्ते वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अवर अभियंता (सिविल)	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत खीरी	नगर पंचायत खीरी	नगर पंचायत खीरी
जनपद–खीरी	जनपद–खीरी	जनपद–खीरी

मारपीट में परिवार के तीन लोग घायल

कुकरा, अमृत विचारः थाना मैलानी क्षेत्र के गांव खंजनपुर में इकलौते मुस्लिम परिवार पर आधा दर्जन दबंगों ने घर में घुसकर जानलेवा हमला कर तीन लोगों को घायल कर दिया। खंजनपुर गांव में शहाना परवीन का एकमात्र मुस्लिम परिवार है। दबंगों द्वारा की गई मारपीट से परिवार दहशत में है। घटना की जानकारी मिलने पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को सीएचसी बांकेगंज पहुंचाया, जहां उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए डॉक्टरों ने तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उधर, खंजनपुर निवासी पीड़िता शहाना परवीन ने 26 अक्टूबर को शिकायत देकर घर के दरवाजे पर पड़े पत्थर को लेकर हो रहे विवाद की जानकारी दी। लेकिन पुलिस ने कार्यवाही नहीं की। थानाध्यक्ष मैलानी ब्रजेश कुमार मौर्य ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज की है।

श्री विष्णु महायज्ञ में भक्तों ने की यज्ञशाला की परिक्रमा

संवाददाता, केशवापुर

● रामलीला में दिखाई अहिल्या उद्धार की लीला

अमृत विचारः खेतौसा गांव की श्री विष्णु महायज्ञ में पांचवें दिन भक्तों की भीड़ रही। पहुंचे सैकड़ों भक्तों ने यज्ञशाला की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया।

रासलीला व्यास पं. अनुराग मिश्रा ने सीता स्वयंवर में महर्षि विश्वामित्र के संग राम लक्ष्मण के शामिल होने जनकपुर जाने की कथा सुना कलाकारों का मंचन कराया। श्रीराम लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र संग जनकपुर जाते समय रास्ते में पत्थर की शिला बनी ऋषि गौतम की पत्नी अहिल्या का उद्धार किया। प्रभु की लीला देख मौजूद भक्तों ने श्रीराम जी की जय जयकार की। मौजूद भक्तों ने श्रीराम लक्ष्मण की आरती उतारी। यज्ञ के आचार्यों ने मंत्रोच्चार कर यजमानों से हवन कुंड में आहुतियां डलवाई। यजमान रामनरेश वर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, रामदास वर्मा, कमलेश वर्मा, मनोज विश्वकर्मा, शिवसागर लाल वर्मा, जवाहरलाल वर्मा सपत्नी ने विधि विधान से हवन किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक :– 5794/352सी/ई–टेण्डर–सी0खी0/2025–26 दिनॉक :–16.10.2025

ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदया उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में श्रेणी "ए" मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद/खण्ड का नाम	कार्य का नाम	सिविल कार्य की लागत (लाख में)	अनुरक्षण की लागत (लाख में)	कार्य की कुल लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	खीरी/नि0ख0–3	जनपद–लखीमपुर–खीरी में लखीमपुर –बिजुआ–भीरा–पलिया– दुधवा –गौरीफंटा मार्ग (राज्य मार्ग सं0–90) के चैनेज–55.630 से 57.000 (लम्बाई–1.370 कि0मी0) में दोनो तरफ इण्टरलाकिंग टाइल्स द्वारा चौड़ीकरण का कार्य।	233.50	5.50	239.00	13.95	2715.00	12 माह + (05 वर्षीय अनुरक्षण सहित)

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनॉक 05.11.2025 से 15.11.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनॉक 15.11.2025 को समय दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनॉक 15.11.2025 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(अनिल कुमार यादव)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड–3, लो0नि0वि0,
लखीमपुर–खीरी।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर

UP-239560 दिनांक 28.10.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

रेलवे क्रॉसिंग बंद होने से राहगीरों और विद्यार्थियों को हुई परेशानी

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला में रेलवे क्रॉसिंग बंद करने के लिए लगाई गई पत्थर की स्लैब।

● बाइक और साइकिल सवार जबरदस्ती निकलते रहे

अमृत विचारः राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 730 पर बुधवार सुबह से ओवर ब्रिज निर्माण कार्य को लेकर बंद हुई गोला जंगल वाली रेलवे क्रॉसिंग से राहगीरों के साथ विद्यार्थियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्हें अधिक किराया और अधिक समय खर्च कर अपने गंतव्य तक जाना पड़ा। बाइक और साइकिल सवार जबरदस्ती रास्ता बनाकर क्रॉसिंग पर निकलते रहे।

गोला जंगल स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण कार्य पूरा करने को लेकर गोला लखीमपुर मार्ग पर वाहनों बाइकों का आवागमन बंद होने से आसपास के गांव को जलालपुर, तुसौरा, कुनोठिया, बिजौरिया, बेहड़ा आदि को जाने वाले लोगों को दो-तीन किलोमीटर की दूरी के लिए सात किलोमीटर का फेर लगाकर जाना पड़ा। स्कूल, कॉलेज आने जाने वाले विद्यार्थियों, स्थानीय लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में समस्याएं हुई।

करनपुर गांव के सैफ खान, रजगंज के तुषार मिश्रा, करमुलहापुर गांव निवासी अभिषेक वर्मा जो नगर के सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के विद्यार्थी हैं, ने बताया कि उन्हें अब 16 नवंबर तक मैजिक वाहन से अधिक किराया और अधिक समय लगाकर स्कूल आना पड़ेगा। मैजिक वाहन काफी सवारियां भरकर गांवों के रास्ते से भूतनाथ मार्ग होकर लंबा फेर काटकर आते हैं। गांव का रास्ता कई जगह पर सही न होने से उन्हें परेशानियों होगी। वही रेलवे क्रॉसिंग बंद होने से भूतनाथ मार्ग से छोटे बड़े वाहन निकलते रहे, जिससे कई बार भूतनाथ रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की स्थिति बनी।

समय पर डॉक्टर की सलाह कैंसर को दे सकती है मात

फ्यूचर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते डॉ. प्रारब्ध सिंह और अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार।

- महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति नहीं होतीं गंभीर इसलिए वह जानलेवा बीमारी की चपेट में आतीं
- डॉ. प्रारब्ध ने बताया कैंसर लाइलाज नहीं

बरेली, अमृत विचार : फ्यूचर विश्वविद्यालय में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्राओं को बताया कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है। इसको समय पर पहचान और इलाज से मात दी जा सकती है, लेकिन महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति गंभीर नहीं होती हैं जिसके चलते वह जानलेवा बीमारी की चपेट में आती हैं। डॉ. प्रारब्ध ने छात्राओं को बताया कि कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती है, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बताया कि पहली स्टेज में अगर मरीज के कैंसर ग्रसित होने का पता चलता है तो उसके स्वस्थ होने की संभावना 90 से 95 फीसदी तक होती है, इसलिए समय पर डॉक्टर की सलाह बहुत जरूरी है। इससे पहले डॉ. प्रारब्ध सिंह और अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्रा ने अभियान की सराहना करते हुए बताया कि उन्होंने बीते सालों में कई परिचितों को कैंसर की वजह से खोया है, इसलिए कैंसर की जागरूकता बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. निधि यादव, डॉ. शिवांगी घिल्डियाल और सौम्या सक्सेना का विशेष सहयोग रहा।

इनका रखें ध्यान

- शराब और धूम्रपान का सेवन न करें।
- पौष्टिक आहार का सेवन करें।
- सुबह टहलने के साथ ही व्यायाम अवश्य करें।

फ्यूचर विश्वविद्यालय में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं। ● अमृत विचार

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

सर्जरी, थेरेपी और इलाज से कैंसर को हरा सकते हैं : डॉ. प्रारब्ध

डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि दस साल पहले तक अगर कोई मरीज कैंसर ग्रसित होता था तब केवल सर्जरी से इलाज संभव था, लेकिन अब तमाम ऐसी आधुनिक जांचे हैं जिससे कैंसर को मात दी जा रही है। कैंसर विशेषज्ञ अच्छी दवाएं, स्टेम सेल, कीमो, रेडिएशन समेत अन्य आधुनिक तकनीकों से मरीज को इलाज देकर कैंसर को मात दे सकते हैं। कई मरीजों ने कैंसर को मात दी है और अब सामान्य जीवन जी रहे हैं।

भ्रांतियों पर न दें ध्यान, सुई चुभाने से नहीं फैलता कैंसर

- डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि बायोप्सी कराने के साथ अन्य तमाम भ्रांतियों से इलाज कराने से कतराते हैं मरीज

बरेली, अमृत विचार : डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि कैंसर के मरीज बढ़ने को लेकर कहीं न कहीं समाज में व्याप्त भ्रांतियों का भी योगदान कम नहीं है। जैसे कई मरीजों ने ओपीडी में आने के दौरान बताया कि लोगों ने मरीजों से कहा कैंसर पता लगाने के लिए बॉयोप्सी जांच कराने के लिए जो सुई चुभाई जाती है इससे कैंसर फैलता है, इसी प्रकार कैफीन का सेवन भी कैंसर का कारण बनता है, लेकिन ऐसा नहीं है। बॉयोप्सी जांच से कैंसर की सटीकता का पता लगता है, इसलिए कैंसर के उचित इलाज के लिए बॉयोप्सी की जांच अवश्य कराएं।

खुलकर बोलीं छात्राएं, मिले सवालों के जवाब

बीएल इंटरनेशनल स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में जानकारी देतीं छात्राएं, साथ में अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार और स्कूल के डायरेक्टर योगेश गुप्ता।

कार्यक्रम में छात्रों के मन में कैंसर को लेकर आ रहे सवालों को भी साझा किया। अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार ने छात्राओं को मंच पर आमंत्रित किया। छात्रा प्रियंका ने सवाल किया कि शरीर में अगर मस्सा है तो क्या ये भी कैंसर का कारण बन सकता है। डा. प्रारब्ध ने बताया कि अगर मस्से का आकार बढ़ रहा है तो ये कैंसर हो सकता है, इसलिए जांच कराएं। सिमरन व जोया ने भी सवाल पूछे।

ब्रेस्ट की गांठ में दर्द नहीं तो कैंसर संभव

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट व अमृत विचार के नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के तहत कार्यक्रम

बरेली, अमृत विचार : महिला के स्तन में गांठ है लेकिन दर्द नहीं है और आकार बदल रहा है तो फौरन कैंसर विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें। ये कैंसर हो सकता है। समय पर इसकी जांच और इलाज से मरीज कैंसर को मात दे सकते हैं। कैंसर ही नहीं कोई भी बीमारी जब शरीर में पनपना आरंभ होती है तो शरीर में लक्षण आने लगते हैं, बस जरूरत है इन लक्षणों को समझकर डॉक्टर से फौरन सलाह लेने की। ऐसा करने से बीमारी को मात दी जा सकती है। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने दिए। बताया कि स्तन कैंसर विकसित होने के पीछे कई वजहें होती हैं।

पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम के दौरान हाथों में अमृत विचार समाचार पत्र के साथ छात्राएं। ● अमृत विचार

पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में कार्यक्रम में डॉ. प्रारब्ध सिंह, चेयरमैन पारुष अरोरा व वैशाली गौरी गुप्ता।

हर महिला सुपर वुमन, करें जागरूक

डॉ. प्रारब्ध में कार्यक्रम का समापन करते हुए एक अनुभव साझा करते हुए बताया कि हर महिला सुपर वुमन है। जब कोई महिला कैंसर की चपेट में आती है तो पूरा परिवार बिखर जाता है, इसलिए हर महिला को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने को संकल्पित होने की आवश्यकता है। इससे स्वस्थ समाज का निर्माण होगा।

- पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल बीएल इंटरनेशनल स्कूल व फ्यूचर विश्वविद्यालय में आयोजन
- ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के तहत चलाया जा रहा तीन दिवसीय अभियान

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार के संयुक्त तत्वावधान में ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के तहत तीन दिवसीय नारी कैंसर सुरक्षा अभियान के दूसरे दिन बुधवार को पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल, बीएल इंटरनेशनल और फ्यूचर विश्वविद्यालय में छात्राओं को स्तन कैंसर की पहचान और इससे बचाव के प्रति जागरूक किया गया। पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्राओं को बताया कि कैंसर खुद में कोई बीमारी नहीं बल्कि कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। जो शरीर के किसी भी अंग में, कभी भी और किसी भी उम्र हो सकती है। यह वृद्धि एक अंग से होती हुई शरीर के दूसरे भाग को भी प्रभावित कर सकती है। शरीर का न भरने वाला घाव, किसी अंग विशेष में लगातार दर्द, तेजी से बढ़ रही गांठ कैंसर की वजह हो सकती है। हां हर गांठ कैंसर नहीं होती।

असंतुलित खानपान, जीवनशैली और प्रदूषण कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इससे बचाव और जागरूकता कैंसर रोकने में कारगर है। इसके साथ ही अगर मासिक धर्म में कुछ परिवर्तन नजर आए तो फौरन डाक्टर से संपर्क करें। जैसे कि अगर 12 साल की उम्र से पहले ही मासिक धर्म शुरू हो जाए या 30 साल की आयु के बाद गर्भवती हों या 55 की उम्र के बाद मीनोपाज हो या फिर पीरियड्स का समय 26 दिनों से कम या 29 दिनों से ज्यादा का हो जाए तो सतर्क हो जाएं। इससे पहले स्कूल के चेयरमैन पारुष अरोरा ने डॉ. प्रारब्ध का स्वागत किया। इस दौरान स्कूल की समन्वयक वैशाली गौरी गुप्ता समेत 50 से अधिक छात्राएं मौजूद रहीं।

दस में एक महिला में मिल रहे कैंसर के लक्षण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : भारत में हर साल लाखों महिलाओं का मौत का कारण स्तन कैंसर है। बावजूद इसके महिलाएं कैंसर पर बात करने से आज की कतराती हैं, हैरत की बात ये है अस्पतालों में आने वाली हर 10 महिलाओं में से एक में स्तन कैंसर के लक्षण मिल रहे हैं।

बीएल इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रारब्ध सिंह ने छात्राओं को बताया कि अधिकांश मरीज डॉक्टर से तब संपर्क करते हैं जब उनका कैंसर तीसरी या चौथी स्टेज पर आ जाता है। ऐसा होता है जागरूकता का अभाव होने से, इसलिए स्तन कैंसर की पहचान खुद की जा सकती है। इसको बीएसई यानि ब्रेस्ट सेल्फ एग्जामिनेशन कहा जाता है। ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता सिर्फ जानकारी रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सक्रिय कदम उठाना जरूरी है। इससे पहले स्कूल के निदेशक योगेश गुप्ता ने डा. प्रारब्ध सिंह और अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार का स्वागत और प्रतीक चिह्न भेंट कर किया। उन्होंने रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार की कैंसर जागरूकता की पहल की सराहना भी की।

बीएल इंटरनेशनल स्कूल में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं। ● अमृत विचार

बीएल इंटरनेशनल स्कूल में कार्यक्रम में बोलते स्कूल डायरेक्टर योगेश गुप्ता।

आप हैं कल का भविष्य, इसलिए आपको कैंसर पर तोड़नी होगी चुप्पी : पार्थो कुनार

अमृत विचार के सीओओ पार्थो कुनार ने भी छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि जागरूकता कार्यक्रमों को स्कूलों में आयोजित करने का मुख्य कारण ये है कि आप बेटियां कल का भविष्य हैं, इसलिए अब कैंसर पर बात कर इससे बचाव के प्रति जागरूक होकर चुप्पी तोड़नी होगी।

जानकारी के लिए संपर्क करें–
mail id : info@ rohilkhand cancerinstitute .com

पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल की छात्रा मेहरोज फातिमा ने सवाल किया कि क्या पीओसीडी से कैंसर का खतरा हो सकता है। इस पर डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि इस पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज यानि पीसीओडी हॉर्मोनल बीमारी है। इसमें मासिक धर्म असंतुलित होता है। ऐसा होने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

छात्राओं ने खुलकर किए सवाल

फ्यूचर विश्वविद्यालय की छात्रा आयुषी ने पूछा कि मां को स्तन कैंसर होने की जानकारी नहीं है और वह बच्चे को स्तनपान करा रही है। ऐसे में क्या बच्चे को कैंसर हो सकता है। इस पर डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि स्तनपान कराने से बच्चे को कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है, लेकिन स्तन कैंसर रोगी को स्तनपान न कराने की सलाह दी जाती है। इससे बच्चे के अन्य बीमारियां होने का खतरा रहता है।

फ्यूचर विश्वविद्यालय की छात्रा आरती सिंह ने पूछा कि परिवार में किसी को कैंसर हुआ है तो अन्य को कैसे बचाव करना है। डॉ. प्रारब्ध ने बताया कि परिवार के सदस्य को कैंसर है तो अन्य को 30 फीसदी तक कैंसर होने की संभावना होती है इसलिए जागरूकता और समय पर जांच कराना जरूरी है, जिससे बचाव हो सके।

चिकित्सक मानवता की सेवा करने वाला श्रेष्ठ कर्मयोगी :पुरुषार्थी

रुहेलखंड मेडिकल कालेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम चिकित्सा मे नैतिकता मे बोलते आचार्य आनंद पुरुषार्थी।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज में व्याख्यान में बोले आचार्य आनंद पुरुषार्थी

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सभागार में बुधवार को चिकित्सा में नैतिकता के विषय पर मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम से आए प्रख्यात आचार्य आनंद पुरुषार्थी ने व्याख्यान दिया।

उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों, मानवीय संवेदनाओं और करुणा के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि एक चिकित्सक केवल रोगों का उपचार करने वाला नहीं, बल्कि मानवता की सेवा करने वाला श्रेष्ठ कर्मयोगी होता है।

चिकित्सा के क्षेत्र में सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और सेवा भाव को अपनाना ही एक सच्चे डॉक्टर की पहचान है। प्राचार्य डॉ. दिग्विजय सिंह ने कहा कि ऐसे व्याख्यान विद्यार्थियों में चिकित्सा के प्रति समर्पण, संवेदना और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इससे पहले प्राचार्य डॉ. दिग्विजय सिंह और चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रजनीश पठानिया ने आचार्य को संस्थान की ओर से प्रतीक चिह्न भेंट कर और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। संचालन डॉ. वेद प्रकाश ने किया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश, डॉ. शालिनी चन्द्र, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तसलीम खान सहित संकाय सदस्य और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अनुवांशिक प्रवृत्ति बढ़ा सकती कैंसर का जोखिम, कराएं जांच

आईएमए सभागार में आयोजित सीएमई में मौजूद बीआईयू की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन अग्रवाल व सोसायटी की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में बोलते वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन अग्रवाल। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी व रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को स्तन कैंसर जागरूकता माह को लेकर आईएमए सभागार में सीएमई आयोजित हुई।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट की रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अंकिता पांडेय ने स्तन कैंसर को लेकर व्याख्यान दिया। वहीं कार्यक्रम के संयोजक रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल रहे। सीएमई में डॉ. अंकिता पांडे ने बताया कि महिलाओं में स्तन कैंसर बहुत आम है। लेकिन स्व-परीक्षण, मैमोग्राफी और अल्ट्रासाउंड के ज़रिए स्तन कैंसर की शुरुआती जांच, समय पर पता लगाने के लिए बेहद ज़रूरी है। समय पर कैंसर का पता लगने पर उचित इलाज से कैंसर का मात दी जा सकती है। लेकिन देरी से डॉक्टर की सलाह लेना मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। बताया कि जिन महिलाओं के परिवार में कैंसर का इतिहास रहा है, उनके लिए नियमित जांच बेहद ज़रूरी है क्योंकि अनुवांशिक प्रवृत्ति कैंसर होने के जोखिम को काफी बढ़ा सकती है।

उन्होंने बताया कि 45 साल की उम्र के बाद हर महिला को सालाना ब्रेस्ट मैमोग्राफी टेस्ट करवाना चाहिए ताकि स्तन कैंसर का जल्द पता चल सके और उसका इलाज संभव हो सके। कार्यक्रम का शुभारंभ सोसायटी के पदाधिकारियों व रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बरेली ऑब्स एंड गायनी सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. लतिका अग्रवाल, सचिव डॉ. अनीता नाथ, बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, डॉ. प्रतिमा गुप्ता, डॉ. शांता अग्रवाल, डॉ. ऊषा जैन, डॉ. अनुजा सिंह, डॉ. रुचि श्रीवास्तव, डॉ. मीरा वैश्य, डॉ. नीला सिंह, डॉ. संध्या गंगवार, डॉ. रश्मि शर्मा व डॉ. मंजू गुप्ता मौजूद रहीं।

ब्रेस्ट सेल्फ एनालिसिस के बताए उपाय

- अपनी 3 मिडिल फिंगर निकालें और बगल और ब्रेस्ट एरिया में हल्का, मध्यम और फिर ज्यादा दबाव डाल कर किसी प्रकार के गांठ या बदलाव की जांच करें।
- शीशे के सामने खड़े हो जाएं। हाथों को सीधा रखें और दोनों ब्रेस्ट को देख कर इनका परीक्षण करें। ब्रेस्ट की स्किन, निप्पल, रंग या बनावट में बदलाव दिखे तो इसे गंभीरता से लें।

अमृत विचार

गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

ज्ञान और आदत दोनों को ही सुधारने से मनुष्य सुधरता है।
–डॉ. राम मनोहर लोहिया, समाजवादी चिंतक

वेतनवृद्धि और प्रश्न

आठवें वेतनमान की शर्तों को सरकार द्वारा स्वीकृति मिलना सरकारी कर्मचारियों या पेंशनधारियों के लिए खुशखबरी है, तो देश की अर्थव्यवस्था, समाज, बाजार और निर्माण क्षेत्र के लिए भी व्यापक प्रभाव वाला कदम है। भारत में सरकारी क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग पांच करोड़ लोगों की आय और जीवन स्तर को प्रभावित करता है। 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और लगभग 70 लाख पेंशनधारियों को इससे आर्थिक लाभ तो होगा ही, भविष्य में राज्य सरकारें भी इसके आधार पर कार्रवाई करेंगी, तो ऐसे में प्रभावितों की संख्या बीसियों करोड़ तक बढ़ जाएगी। वेतनमान की नई व्यवस्था से आने वाला आर्थिक प्रवाह देश के आर्थिक ढांचे को नई गति देने वाला साबित हो सकता है। सिफारिशें समयबद्ध रूप से लागू होंगी, तो इसका असर अगले वित्त वर्ष से दिखेगा।

पूरी प्रक्रिया के लागू होने पर कर्मचारियों और पेंशनधारियों को औसतन 30 प्रतिशत तक का आर्थिक लाभ मिलेगा, तो इसका सीधा असर उनकी क्रयशक्ति पर पड़ेगा। स्वाभाविक तौर पर उपभोग में वृद्धि होगी, जिससे खुदरा व्यापार, बचत, निवेश, उपभोक्ता वस्तु उद्योग, वाहन, आवास और निर्माण जैसे क्षेत्रों में नई जान आएगी। बाजार और निर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। सातवें वेतन आयोग के बाद बाजारी मांग में तकरीबन 10 प्रतिशत की वृद्धि आंकी गई थी। ऐसा ही रुझान फिर संभावित है। रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल सेक्टर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव होगा, क्योंकि बड़ी संख्या में कर्मचारी छोटे शहरों और कस्बों में रहते हैं। इस वृद्धि से आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के अनुरूप राज्य सरकारें भी वेतन बढ़ाती हैं, तो पहले से ही भारी कर्जे में दबे राज्यों की वित्तीय स्थिति इस बोझ से चरमरा सकती है। केंद्र पर इसका यदि सालाना 1.5 लाख करोड़ रुपये तक का बोझ बढ़ेगा, तो राज्यों को मिलाकर कुल तीन लाख करोड़ रुपये तक। बेशक यह बोझ वित्तीय अनुशासन के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। संभव है कि सरकारें अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बजट में कटौती करें या नए कर लगाएं।

नैतिक और प्रशासनिक प्रश्न है कि क्या वेतन वृद्धि से कर्मचारियों का कार्य निष्पादन भी बेहतर होगा? काम काज का स्तर सुधरेगा? जिम्मेदारी का बोझ बढ़ेगा? अभी तक का अनुभव बताता है कि वेतन वृद्धि से इसका कोई रिश्ता नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन प्रणाली बनाए, तभी उच्च वेतन का लाभ उत्पादकता में परिवर्तित होगी। कर्मचारी के वेतन में उसकी दक्षता और कार्यनिष्ठा का प्रत्यक्ष संबंध हो, इसके लिए वेतन वृद्धि के साथ-साथ 'परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव' प्रणाली मजबूत करनी होगी। अधिक वेतन से रिश्वतखोरी की प्रवृत्ति घट सकती है, यह उम्मीद बेमानी है। इसके लिए वेतन वृद्धि के समानांतर ई-गवर्नेंस, ऑडिटिंग और सार्वजनिक निगरानी को नियंत्रण एवं पारदर्शिता प्रणाली को सशक्त बनाना होगा। आठवां वेतनमान केवल वेतन का सवाल नहीं है, यह जवाबदेही, उत्पादकता और सुशासन को नई दिशा देने का अवसर है।

प्रसंगवश

नारी इच्छा और सम्मान के विरुद्ध है 'आटा-साटा'

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में प्रचलित आटा-साटा प्रथा के कारण कई परिवारों में तनाव, रंजिश और हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में किशनगढ़ में दो महिलाओं की हत्या की घटना ने इस कुप्रथा की भयावहता को फिर उजागर कर दिया। दो परिवारों के बीच बेटियों के आटा-साटा के तहत हुई सगाई के बाद किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि एक परिवार ने गाड़ी चढ़ाकर, दूसरे परिवार की दो महिलाओं को मौत के घाट उतार दिया। नागौर जिले में 21 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली थी और अपने सुसाइड नोट में उसने साफ लिखा था कि उसकी जान लेने के पीछे आटा-साटा की मजबूरी जिम्मेदार थी। जालोर जिले में एक ट्रेनी कांस्टेबल को इस प्रथा को न मानने पर सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ा। ऐसे मामले राजस्थान में हर साल सामने आ रहे हैं।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

आटा-साटा यानी लड़की के बदले लड़की की परंपरा राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के कुछ ग्रामीण इलाकों में आज भी प्रचलित है। इस व्यवस्था में दो या कभी-कभी तीन परिवार आपसी सहमति से अपने बेटे-बेटियों की शादी अदला-बदली में तय करते हैं या यूं कहिए कि लड़कियों की आपस में अदला-बदली की जाती है। पुराने समय में इसका उद्देश्य था कि शादी के खर्च को कम किया जाए और दो परिवारों के बीच स्थायी रिश्ते बने रहें और दोनों बेटियां भी सुखी रहे, लेकिन धीरे-धीरे इस परंपरा ने विकृत रूप ले लिया। अब यह परंपरा एक ऐसी सामाजिक बेड़ी बन चुकी है, जिसमें महिलाओं की इच्छाओं और अधिकारों की कोई जगह नहीं बची।

इस प्रथा में एक परिवार अपने बेटे की शादी तभी करता है, जब दूसरा परिवार अपनी बेटी की शादी उसके घर में करने को तैयार हो। कई बार तो बेटी के जन्म से पहले ही उसका रिश्ता तय कर दिया जाता है कि अगर बेटी हुई तो उसकी शादी फलां घर में होगी और यदि बेटी नहीं होती तो रिश्तेदार की लड़की को दबावपूर्वक इस लेन-देन में शामिल कर लिया जाता है। यही वजह है कि यह प्रथा एक बार शुरू होने के बाद परिवार में कभी समाप्त नहीं होती, बल्कि पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है। इसकी वजह से कई बार बेमेल और असमान उम्र के विवाह होते हैं।

पढ़ी-लिखी लड़कियों को ऐसे परिवारों में भेज दिया जाता है, जहां वे मानसिक और शारीरिक यातना झेलती हैं। कई महिलाएं अपनी इच्छा के विरुद्ध विवाह करने को मजबूर होती हैं और विरोध करने पर हिंसा का शिकार बनती हैं। अगर एक घर में बेटी किसी कारण से दुखी होती है तो दूसरी बेटी को भी बेवजह दुखी किया जाता है। उसे तरह-तरह के कष्ट दिए जाते हैं। इस प्रकार यह प्रथा सीधे-सीधे महिलाओं के मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है और उन्हें वस्तु की तरह व्यवहार करने की मानसिकता को बढ़ावा देती है।

हालांकि सरकार और समाज इस कुप्रथा को खत्म करने के प्रयास कर रहे हैं। 2021 में तत्कालीन गहलोत सरकार ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए आटा-साटा प्रथा को समाप्त करने के लिए कानून लाने की घोषणा की थी। सामाजिक संगठन भी गांव-गांव जाकर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इन कोशिशों के बावजूद यह प्रथा ग्रामीण इलाकों में आज भी जिंदा है। इस कुप्रथा के बने रहने के कई सामाजिक और आर्थिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है लिंगानुपात में असमानता। गरीबी व दहेज प्रथा का डर भी इसमें बड़ी भूमिका निभाता है। शिक्षा की कमी और जागरुकता का अभाव भी बड़ा कारण है। जहां शिक्षा और समानता की सोच कमजोर होती है, वहां परंपराओं का अंधानुकरण ही समाज का हिस्सा बन जाता है।

सरहद पर खतरा बन रहे हैं अवैध धर्म स्थल

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

भारत की सरहदों के आसपास पिछले कुछ दशकों के दौरान अवैध रूप से बनाए गए धार्मिक स्थलों ने देश की सुरक्षा के सामने गंभीर समस्या का रूप धारण कर लिया है। इन पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने और देश-विरोधी तत्वों को शरण देने के पुख्ता सबूत भी मिले हैं। भारत-बांग्लादेश, भारत-नेपाल और भारत-पाकिस्तान सीमाओं पर ऐसे हजारों धार्मिक स्थल बिना किसी सरकारी अनुमति के खड़े किए गए। इनमें से कई तो सीधे-सीधे अवैध घुसपैठियों द्वारा बनाए गए हैं, जो स्थानीय आबादी में घुल मिलकर डेमोग्राफिक परिवर्तन लाने की साजिश कर रहे हैं। दरअसल इस समस्या की जड़ें बहुत गहरी हैं। देश की स्वतंत्रता के बाद से ही सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध निर्माण बनते रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण और वोट बैंक की राजनीति ने इन्हें पनपने दिया, लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार ने इन पर लगाम लगाने का फैसला लिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में सीमावर्ती जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि सीमा के 30 किलोमीटर के दायरे में सभी अवैध धार्मिक अतिक्रमणों को हटा दिया जाए। अमित शाह ने अपने निर्देश में यह भी कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे क्षेत्रों में कोई भी अवैध धार्मिक ढांचों का निर्माण न हो और जो पहले से अवैध धार्मिक स्थल बने हुए हैं, उनको तुरंत ध्वस्त किया जाए। इस निर्देश के पीछे सिर्फ एक ही उद्देश्य है कि कोई घुसपैठिया यहां आकर छुप न पाए और भारत विरोधी कोई षड्यंत्र न कर सके। भारत सरकार ने पहले भी कई बार इस बात की निशानदेही की है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल से सटे भारत की सीमाओं में तेजी से अवैध धार्मिक ढांचों का निर्माण पिछले दो दशक में हुए हैं।

गृह मंत्रालय ने जिन राज्यों को निर्देश दिए हैं, उनमें गुजरात, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख हैं। इन राज्यों की सरकारों को इस आदेश पर तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को अवैध निर्माणों से बचाना होगा।

बेशक, घुसपैठ के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय संतुलन तेजी से बदल रहा है और इससे देश की सीमा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। सीमा पर बाहरी लोगों को अवैध तरीके से बसाना एक सामान्य राजनीतिक और भौगोलिक कारण नहीं है, बल्कि यह एक अतंर्राष्ट्रीय षड्यंत्र का हिस्सा भी हो सकता है। नेपाल की सीमा से लगे बिहार और उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर अवैध मस्जिदों और मदरसों का निर्माण कराया गया। इन मदरसों में बांग्लादेशी बच्चे भी पाए गए हैं। असम में भी ऐसी ही शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद असम सरकार ने मदरसों को सामान्य स्कूलों में बदलने का फैसला लिया।

सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ये अवैध स्थल सीमा सुरक्षा बलों (बीएसएफ) की निगरानी में बाधा डालते हैं। कई मामलों में, इन जगहों को घुसपैठ के लिए कवर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जहां देश-विरोधी ताकतें छिपकर अपनी साजिशें रचती हैं। उदाहरण स्वरूप, बांग्लादेश सीमा पर ऐसे मदरसे पाए गए हैं, जहां पाकिस्तान समर्थित आतंकी समूहों के सदस्यों को शरण मिली। सरकार ने अपनी जांच में यह भी पाया है कि जिन सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ लगातार होती रही है, उन क्षेत्रों के मूल निवासी पलायन के लिए मजबूर कर दिए गए, क्योंकि बाहरी लोगों ने अपनी संख्या के बल पर स्थानीय लोगों का उत्पीड़न शुरू कर दिया था। उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया था और उनकी बहू-बेटियों के साथ अभद्रता शुरू कर दी। गृह मंत्री ने स्वयं इन कई क्षेत्रों का दौरा किया और स्थानीय निवासियों को प्रश्रय देने और उनका संरक्षण करने के लिए जीवंत गांव कार्यक्रम की शुरुआत की। सबसे पहले सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकने के लिए उनके जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। साथ में यह भी पहल की गई कि सीमावर्ती गांवों के प्रत्येक निवासी को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ दिया जाए। मूल निवासी के रूप में पहचाने जाने वाले गावों को अब जल्द ही राष्ट्रीय और सीमा सुरक्षा तंत्र से जोड़ा जाएगा।

जम्मू कश्मीर में कुछ बड़े आतंकवादियों ने इन अवैध धार्मिक स्थानों में पनाह ली थी। आतंकवादी संगठन अपना विस्तार इन मस्जिदों के जरिए करने लगे। चरमपंथी संदेश का प्रचार मस्जिदों से भी किया जाने लगा। मस्जिदों से जिहाद करने वालों को जन्नत नसीब होने का पाठ पढ़ाया गया। कुछ मस्जिदों को तो कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने के लिए विदेश से धन भी प्राप्त होता रहा। केंद्र में एनडीए सरकार के आने के बाद कट्टरपंथ और वैचारिक कट्टरता में संलिप्त मदरसों, स्कूलों और धार्मिक संस्थानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई।

चुनौतियां कम नहीं हैं। इन संरचनाओं को हटाने में स्थानीय विरोध और कानूनी अड़चनें आती हैं। कई बार, मानवाधिकार संगठन हस्तक्षेप करते हैं, लेकिन राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे अभियान से सीमा प्रबंधन में सुधार आएगा और अवैध घुसपैठ में कमी आ सकती है। साथ ही, वैध धार्मिक स्थलों को संरक्षण मिलेगा, जो सही अनुमति के साथ बने हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि यह अभियान भारत की सीमाओं को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। अवैध धार्मिक संरचनाएं न केवल सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि देश की एकता को भी चुनौती देती हैं। सरकार को देखना होगा कि सरहदों पर अवैध धार्मिक स्थल भविष्य में न बनें।

सरहद पर अवैध रूप से बनाए गए तमाम धार्मिक स्थल सुरक्षा के लिए खतरा माने जा रहे हैं। इन्हें हटाने की कवायद केंद्र सरकार ने शुरू कर दी है।

आमने

तीन फीसदी आबादी वाले निषाद नेता मुकेश साहनी को महागठबंधन उपमुख्यमंत्री कैंडिडेट बना सकता है, तो 17% मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने वाला सीएम क्यों नहीं? कांग्रेस-आरजेडी, सपा, बीजेपी के डर का हवाला देकर वोट लेते हैं, लेकिन टिकट बंटवारे में मुसलमानों को हिस्सा नहीं देते।
असदुद्दीन ओवैसी, प्रमुख, एआईएमआईएम

सामने

ओवैसी मुसलमानों को डर दिखाकर वोट बैंक बनाए रखना चाहते हैं। मुसलमानों में डर का माहौल कब तक चलेगा? लोकतंत्र में डर नहीं, भागीदारी चाहिए। बाहर आइए, वोट डालिए, जिसे चाहे चुनिए, लेकिन जवाबदेही मांगिए। पीएम मोदी की योजनाएं बिना भेदभाव के सबके लिए हैं। –**चिराग पासवान**
प्रमुख, एलजेपी (रामविलास)

भूस्खलनः उपचार से ज्यादा सख्ती की जरूरत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

बीमारी कैसी भी हो, उसका ट्रीटमेंट कायदे से हो, तो थोड़ा बहुत समय भले ही लगे, काफी हद तक निजात मिलने की संभावना बनी ही रहती है, लेकिन उत्तराखंड में पहाड़ों पर एक बीमारी ठीक इसके विपरीत है। यह बीमारी किसी इंसान को नहीं, बल्कि खुद पहाड़ को ही लगी है और इसका दंश इंसानों की एक बड़ी आबादी झेलती है। 'भूस्खलन' नाम की यह बीमारी प्रकृति के रूठने से है, तो कहीं मानवीय सोच की देन है। मैदान से मिलने की चाहत लेकर दरकती इन पहाड़ियों के ट्रीटमेंट पर सरकार करोड़ों रुपये बहा रही है, तो पहाड़ों को बांधे रखने के लिए विशेषज्ञ उसके उपचार में लगे हैं, लेकिन मर्ज ऐसा है जिसका अंतहीन दंश मानव भुगत रहा है।

उत्तराखंड में सीना ताने खड़े कई पहाड़ अब बुजुर्ग हो रहे हैं। कभी धीरे-धीरे तो कभी एकदम से दरक रहे हैं और उनका यही दरकना इंसानी मौत की खबरें बनकर सामने आता है। रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी और पौड़ी जिले के पहाड़ भूस्खलन से सबसे ज्यादा प्रभावित माने जाते हैं, तो नैनीताल व अल्मोड़ा की पहाड़ियां भी अपने आधार और अस्तित्व को खोती नजर आ रही हैं। इनका ट्रीटमेंट लंबे समय से चल रहा है। सरोवर नगरी नैनीताल की बात करें तो वर्तमान में सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में बलिया नाला को आंका जाता है, जबकि शेर का डांडा, नयना पीक और टिफिन टॉप की पहाड़ियां भी भूस्खलन का दंश निरंतर झेल रही हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद इन पहाड़ियों के खिसकने का सिलसिला शायद ही कभी थम सके।

बलिया नाला का अस्तित्व नैनीताल से जुड़ा माना जाता है, जिस पर नैनी झील के अकूत पानी का दारोमदार है, मगर यह क्षेत्र जबरदस्त भूस्खलन से प्रभावित रहा है। करीब दो वर्ग किमी में फैले बलिया नाला में कई दशकों से भूस्खलन हो रहा है। इस क्षेत्र से लगा कृष्णापुर रिहायशी क्षेत्र का 30 फीसद हिस्सा भूस्खलन की भेंट चढ़ चुका है। दर्जनों परिवारों को इस क्षेत्र से अन्यत्र स्थानांतरित होना पड़ा है। इसके निचले क्षेत्र का खतरा अभी भी बरकरार है। भूस्खलन क्षेत्र से तीन प्राकृतिक जलधाराएं भी बलिया नाले का सीना छलनी करने का बड़ा कारण हैं। नगर की सर्वाधिक ऊंची चोटी नयना पीक में भूस्खलन जारी है। 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस चोटी का स्थायी उपचार भी नजर नहीं आता है। इस पर्वत पर होने वाले भूस्खलन से बरसात की रातें भयमुक्त नहीं हैं। इसकी तलहटी में सैकड़ों की संख्या में लोगों की रिहाइश है।

टिफिन टॉप की चोटी भी भूस्खलन मुक्त नहीं रही। पिछली बरसात में यह चोटी पूरी तरह भरभराकर जमींदोज हो गई, जिसमें ब्रिटिशकालीन ऐतिहासिक डोरथी सीट भी दफन हो गई। भविष्य में भी इस पहाड़ पर भूस्खलन का खतरा जारी रहने की संभावना से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है। शेर का डांडा में भूस्खलन का इतिहास सर्वाधिक दर्दनाक रहा है, जो वर्ष 1880 में 151 लोगों का जीवन लील गया था। इस वर्ष मानसून में इस पहाड़ी का एक हिस्सा धंसने से बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है।

ट्रीटमेंट की बात करें तो सिंचाई विभाग के सहायक अधिशासी अभियंता प्रमोद पाठक बताते हैं कि करीब 300 करोड़ की लागत से चल रहा बलिया नाला का 55 फीसद उपचार पूरा किया जा चुका है। इसका ट्रीटमेंट ऊपरी हिस्से से किया जा रहा है। पिछली दो बरसातें भूस्खलन से मुक्त व राहत देने वाली हैं। स्लोप जेंटल, माइक्रो पाइल्स शॉट रिटिंग का कार्य आधुनिक तकनीक से हो रहा है। ऊपरी हिस्से की सुरक्षा दीवारों का काम पूरा हो रहा है। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से निकल रही जलधाराओं को नालों के जरिए बाहर निकाला जाएगा, ताकि भविष्य में जल स्रोतों से होने वाले बलिया नाले को भूस्खलन से रोका जा सके। दो साल पहले इसका ट्रीटमेंट शुरू किया गया था, जिसे पूरे होने का लक्ष्य जनवरी 2027 निर्धारित है। उम्मीद है कि निर्धारित समय पर लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। इधर, नयना पीक, टिफिन टॉप और शेर का डांडा में अस्थायी उपचार तो जारी है, लेकिन स्थायी ट्रीटमेंट की अभी कोई राह नजर नहीं आ रही है।

अल्मोड़ा में बीते डेढ़ साल से अल्मोड़ा-हल्द्वानी नेशनल हाइवे के बीच क्वारब की पहाड़ी मुसीबत का सबब बनी है। एनएच-109 पर 56 किमी क्वारब पुल के पास बीते वर्ष सितंबर 2024 में भूस्खलन क्षेत्र बना था। तीन जिलों की लाइफलाइन कहे जाने वाले इस एनएच पर बीते एक साल से रात में वाहनों की आवाजाही बंद है। इसके स्थायी समाधान के लिए केंद्र ने सुरक्षात्मक कार्यों के लिए 68.37 करोड़ स्वीकृत किए। पहले चरण में खड्ड साइड से सड़क सतह तक सुरक्षा दीवार और एंकरिंग कार्य के लिए 17 करोड़ रुपये दिए गए, जिसका कार्य लगभग 80 फीसदी पूरा हो चुका है। वहीं, मार्ग में खतरे को देखते हुए अभी भी रात के समय यहां से आवाजाही बंद है। दोपहर में ऊपर से गिर रहा मलबा यात्रियों के लिए जोखिम भरा बना हुआ है। प्रशासन इस समस्या के समाधान की जुगत में लगा हुआ है। प्रशासन की ओर से डोबा-चौसली वैकल्पिक मार्ग की प्रक्रिया जारी है। यहां दो वैली ब्रिज बनाकर सड़क का निर्माण किया जाना है। दूसरे चरण में 51.37 करोड़ की लागत से हिल साइड ट्रीटमेंट किया जा रहा है।

पहाड़ों के भूस्खलन ने इस साल जान-माल का बहुत नुकसान किया। यह समस्या काफी हद तक मानवजनित है, इसलिए उसके इलाज की जिम्मेदारी भी उसी की है।

सोशल फोरम

किस्सा महिला जासूस माताहारी का

मार्गरेट गीर्तोईदा जेले जासूसी की दुनिया का सबसे मशहूर नाम है। 15 अक्टूबर, 1917 को जेले को फायरिंग स्क्वाड के सामने खड़ा कर गोलियों से भून दिया गया था। जेले को माताहारी के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें करीब पचास हजार लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया था। इसके अलावा उस पर जर्मनी के लिए जासूसी करने का भी आरोप था। माताहारी के कई प्रभावशाली व्यक्तियों से संबंध थे।

डालचंद मेनारिया
पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी

जेले या माताहारी एक बेहतरीन डांसर थी। फर्स्टस वर्ल्डभ वार के दौरान वह पेरिस में एक डांसर और स्ट्रिपर के रूप में मशहूर थीं। उनके डांस को देखने के लिए राजनीति और सेना के बड़े नामी लोग आया करते थे। यह वह दौर था जब माताहारी ने एक देश की सीक्रेट इफॉर्मेशन को इधर से उधर करने का काम शुरू किया था। अपनी अदाओं के जरिए उसके लिए यह काम धीरे-धीरे आसान होता चला गया। जर्मन के प्रिंस समेत कई प्रभावशाली लोगों के साथ माताहारी के संबंध थे।

माताहारी की शादी इंडोनेशिया में तैनात नीदरलैंड की शाही सेना के एक अधिकारी से हुई थी। शादी के बाद इन दोनों ने कुछ समय जावा में गुजारा। यहां पर वह एक डांस कंपनी में शामिल हो गई और अपना एक नया नाम रखा माताहारी। 1907 में माताहारी ने नीदरलैंड लौटने के बाद अपने पति को तलाक दे दिया और पेशेवर डांसर के रूप में पेरिस चली गई। यहां पर उसकी मादक अदाओं के किस्सेव हर किसी की जुबान पर थे। इसी दौरान फ्रांस की सरकार ने माताहारी को पैसों के बदले जासूसी करने के लिए राजी किया।

फर्स्टक वर्ल्डो वार में माताहारी के जरिए फ्रांस ने जर्मनी की कई सीक्रेट इंफोर्मेशन को हासिल किया था। यहां से ही माताहरी की पैसे की भूख इस कदर बढ़ी कि वह डबल एजेंट हो गई। एक तरफ जहां वह फ्रांस की खबर जर्मनी को देती, वहीं जर्मनी की खबर फ्रांस को देती थी। इसकी जानकारी बाद में फ्रांस के सीक्रेट डिपार्टमेंट को लग गई। सन् 1917 में फ्रांस में माताहारी को अरेस्ट किया गया। यहां पर उसका कोई झूठ नहीं चल सका।

फ्रांसीसी सेना ने उसके खिलाफ जो सुबूत पेश किए उसमें स्पेन की राजधानी मैड्रिड से जर्मनी की राजधानी बर्लिन भेजे जा रहे कुछ सीक्रेट्स भी थे। उसे 50 हजार लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया और 15 सितंबर, 1917 में गोलियों से भूनकर मौत की सजा दी गई। उस वक्तऔ वह 41 वर्ष की थी। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

भारत में हुआ वन विस्तार जरूरी है प्रदूषण नियंत्रण

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एएफओ) के सर्वे ने भारत में वन क्षेत्र में वृद्धि की जानकारी दी है। भारत अब वन विस्तार में नई उपलब्धि के साथ नौवें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष यह दसवें पायदान पर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने इस बढ़त में अहम् भूमिका निभाई है। यह रिपोर्ट इंडोनेशिया के बाली में 'वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन' (जीएफआरए)-2025 के नाम से जारी हुई है। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भारत के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि तब मील का पत्थर है, जब भारत औद्योगिक, नवीकरणीय ऊर्जा और ढांचागत विकास में निरंतर प्रगति कर रहा है। ऐसे में नौवें स्थान पर आना सतत् वन प्रबंधन और पारिस्थितिकी संरक्षण में संतुलन को दर्शाता है। एएफओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 414 करोड़ हेक्टेयर है। यह वन पृथ्वी की 32 प्रतिशत भूमि को अच्छादित करता है। इसका आधे से ज्यादा 54 प्रतिशत भू-भाग केवल पांच देशों, रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। आस्ट्रेलिया कांगो और इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 10 वन-समृद्ध देशों में शामिल हो गया है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया, पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनिया भर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है। इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है।

दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनिया भर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। दरअसल दुनिया में अभी भी ऐसे दुर्गम स्थानों पर जंगलों का विस्तार है, जहां सर्वेक्षण में लगे मानव-समूहों का पहुंचना और पहुंचकर सर्वे करना आसान नहीं है, क्योंकि इन जंगलों में एक तो अभी भी रास्ते नहीं हैं, दूसरे, खतरनाक वन्य-जीवों की मौजदूगी है।

पेड़ों की गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों से की गई है। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं। इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस, स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं। इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंगदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इसके लिए 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। इन समूहों ने उपग्रह चित्रों के माध्यम से वन क्षेत्र का आकलन प्रति वर्ग किलोमीटर में मौजूद पेड़ों की संख्या का मानचित्रीकरण में सुपर कंप्यूटर तकनीक का इस्तेमाल करके किया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड में बेहतर भविष्य की संभावनाएं

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद से स्प्रिचुअल टूरिज्म यानी धार्मिक पर्यटन में तेजी आई है। न केवल अयोध्या, बल्कि काशी, मथुरा, उज्जैन और अन्य धार्मिक स्थलों पर कॉरिडोर विकसित हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में भारत स्प्रिचुअल टूरिज्म का वैश्विक केंद्र बनेगा, जो लाखों रोजगार पैदा करेगा। इसी क्रम में स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक करियर विकल्प बनकर उभर रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग के सहायक आचार्य पर्यटन डॉ. महेन्द्र पाल बताते हैं, स्प्रिचुअल टूरिज्म में गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे पर्यटकों को धार्मिक स्थलों की आध्यात्मिक गहराई समझाते हैं।

डॉ. महेंद्र पाल सिंह
सहायक आचार्य टूरिज्म
डॉ.राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

क्या होता है स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड

- स्प्रिचुअल टूरिस्ट गाइड वह पेशेवर होता है, जो धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों पर पर्यटकों को गाइड करता है। वे मंदिरों, तीर्थों का इतिहास, पौराणिक कथाएं, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक महत्व बताते हैं। सामान्य टूर गाइड से अलग, ये गाइड आध्यात्मिक अनुभव पर फोकस करते हैं, जैसे ध्यान, पूजा-अर्चना या योग सत्र आयोजित करना। पर्यटन विभाग के अधिकारी संजय सिंह कहते हैं कि ये गाइड पर्यटकों को सुरक्षित और सार्थक यात्रा प्रदान करते हैं, जिससे टूरिज्म बढ़ता है।

योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए 12 वीं पास होना जरूरी है, लेकिन पर्यटन में डिप्लोमा या डिग्री होना बेहतर है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, इतिहास-धर्म का ज्ञान और कम से कम दो भाषाओं (हिंदी, अंग्रेजी) का ज्ञान अनिवार्य है। भारत सरकार से टूर गाइड लाइसेंस प्राप्त करना पड़ता है, जो क्षेत्रीय या राष्ट्रीय स्तर का हो सकता है।

आने वाले समय में जॉब अपॉर्चुनिटी एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार धार्मिक टूरिज्म से 4-5 वर्षों में 2 लाख रोजगार सृजित होंगे, जबकि 2028 तक राजस्व 60 अरब डॉलर पहुंचेगा। स्किफ्ट रिपोर्ट कहती है कि 2030 तक स्प्रिचुअल टूरिज्म से 10 करोड़ रोजगार मिलेंगे। अयोध्या जैसे स्थलों पर गाइड, टूर ऑपरेटर, होटल मैनेजमेंट में मौके बढ़ेंगे।

अवध विश्वविद्यालय में कुल सीट
60

छह वर्षों में हर वर्ष
80
प्रतिशत प्लेसमेंट

पढ़ाई और कोर्स की अवधि

आरएमएलएयू में बी.वोक (टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी) 3 वर्ष का कोर्स है, जिसमें टूरिज्म सब्जेक्ट शामिल है। एडमिशन के लिए 12 वीं में 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। कोर्स की फीस करीब 20-30 हजार रुपये सालाना है। मास्टर इन टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन (एमटीए) 2 वर्ष का है। पर्यटन विभाग में गाइड, इंफॉर्मेशन ऑफिसर, टूर मैनेजर जैसे पद हैं। सरकारी लाइसेंस प्राप्त गाइड प्राथमिकता पाते हैं।

टूरिस्ट डिपार्टमेंट में सैलरी

अवध विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के अनुसार औसत सैलरी 16-22 हजार रुपये मासिक है। लाइसेंस्ड गाइड 400-800 रुपये प्रति घंटा कमा सकते हैं। अनुभवी गाइड 3-5 लाख सालाना तक पहुंचते हैं। इसके अलावा सरकारी पदों पर 30-50 हजार रुपये से सैलरी शुरू होती है।

जॉब अलर्ट

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)

- पद का नाम : विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारी
- पदों की संख्या : 103
- योग्यता : कोई भी स्नातक, बी.ए., बी.कॉम, कोई भी स्नातकोत्तर, सीए, एमबीए/पीजीडीएम, पीजी डिप्लोमा
- आयु सीमा : 25 से 50 वर्ष
- आवेदन करने की अंतिम तिथि : 17-11-2025
- वेबसाइट : sbi.bank.in

नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन

- पद का नाम : कार्यकारी प्रशिक्षु
- पदों की संख्या : 30
- वेतनमान : 50,000 - 1,60,000 रुपये
- योग्यता : बी.टेक/बी.ई.
- आयु सीमा : 18 - 35 वर्ष
- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि : 17-11-2025
- आधिकारिक वेबसाइट : neepco.co.in

राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी)

- पद का नाम : प्रबंधक, महाप्रबंधक व अन्य
- पदों की संख्या : 70
- वेतनमान : 40,000-2,20,000 रुपये
- योग्यता : स्नातक, बी.टेक/बी.ई., सीए, आईसीडब्ल्यूए, एमबीए/पीजीडीएम
- आयु सीमा : 31 से 41 वर्ष
- आवेदन करने की अंतिम तिथि : 16-11-2025
- वेबसाइट : nsic.co.in

एन एस आई सी NSIC

यूनिवर्सिटी में पहला दिन

यहां पर श्रीलंका सा पाया अपनापन

लखनऊ विश्वविद्यालय में मेरा पहला दिन सचमुच अविस्मरणीय रहा। यह मेरा भारत आने का भी पहला अनुभव था, इसलिए उस दिन मैं बहुत उत्साहित थी। साथ ही थोड़ी जिज्ञासा और हल्की घबराहट भी थी। मैं श्रीलंका से हूं और इस विश्वविद्यालय में पढ़ने का अवसर पाकर मैं खुद को भाग्यशाली और आभारी महसूस करती हूं। मैंने विश्वविद्यालय के बारे में पहले पढ़ा था और गूगल पर भी कई बार देखा था, लेकिन उसे अपनी आंखों से देखने का उत्साह अलग ही था। जैसे ही मैं अपनी दोस्तों के साथ विश्वविद्यालय पहुंची, वहां की सुंदर इमारतें और ऐतिहासिक वातावरण देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक सभी कर्मचारियों ने हमारा बहुत ही अपनेपन से स्वागत किया। पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया में उन लोगों ने हमारी मदद की, जिससे मेरी घबराहट काफी कम हो गई। भाषा की थोड़ी मुश्किलें जरूर थीं, लेकिन उन्होंने मुझे कभी असहज महसूस नहीं होने दिया। मुझे आज भी याद है, जैसे ही हमारा पंजीकरण पूरा हुआ और हम बाहर निकलने लगे, अचानक बारिश शुरू हो गई। प्रकृति प्रेमी होने के नाते वह पल मुझे बहुत अच्छा लगा। बारिश और विश्वविद्यालय का दृश्य मिलकर एक नई शुरुआत का अहसास दे रहा था। हालांकि घर की याद से थोड़ी उदासी भी थी, लेकिन एक गरम प्याली चाय ने वह उदासी तुरंत मिटा दी। तभी मुझे लगा कि यह जगह मुझे केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि अनमोल अनुभव भी देगी।

धिनुका सुमन कुमारी

स्मार्ट स्टडी प्लान से फर्स्ट अटेंप्ट में क्रैक करें सीटेट परीक्षा

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) भावी शिक्षकों की योग्यता निर्धारित करने के लिए सीबीएससी द्वारा देशभर में आयोजित की जाने वाली परीक्षा है। हाल ही में सीबीएससी ने सीटेट का नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसकी परीक्षा 8 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा पास करने के लिए अभ्यर्थियों को एक मजबूत स्टडी प्लान तैयार करना चाहिए। एक ठोस स्टडी प्लान अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रिपरेशन का एक स्पष्ट मार्ग तैयार करती है। आज हम आपको बताते हैं कि सीटेट की प्रिपरेशन कैसे करें, जिसको फॉलो करके आप फर्स्ट अटेंप्ट में सफल हो सकते हैं।

- नवनीत तिवारी
करियर काउंसलर

परीक्षा के पाठ्यक्रम और पैटर्न को समझें

सीटेट परीक्षा में प्राथमिक और जूनियर स्तर की परीक्षा में 150-150 प्रश्न पूछे जाते हैं। प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में बाल विकास एवं शिक्षण विधि से 30 प्रश्न, भाषा-1 हिंदी से 30 प्रश्न, भाषा-2 अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू से 30 प्रश्न, गणित से 30 प्रश्न और पर्यावरणीय अध्ययन से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं। वहीं उच्च प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा में बाल विकास और शिक्षाशास्त्र से 30 प्रश्न, गणित और विज्ञान/सामाजिक अध्ययन या सामाजिक विज्ञान विषय से 60 प्रश्न, भाषा-1 हिंदी से 30 प्रश्न तथा भाषा-2 अंग्रेजी/संस्कृत/उर्दू से 30 प्रश्न पूछे जाते हैं। न्यूनतम उत्तीर्ण अंक- सामान्य वर्ग - 60 प्रतिशत (90 अंक), आरक्षित वर्ग- 55 प्रतिशत (82 अंक) हैं।

स्टडी प्लान बनाएं

सबसे पहले स्टडी प्लान बनाएं और अपना समय सबजेक्ट वाइज बराबर-बराबर बांटें और उन विषयों पर को ज्यादा समय दें, जिसमें आप कमजोर हैं। खुद को लगातार इंप्रूव करने के लिए स्टडी प्लान को फॉलो करें।

प्रामाणिक अध्ययन सामग्री का उपयोग करें

सीटेट की तैयारी के लिए विश्वसनीय और प्रामाणिक अध्ययन सामग्री का उपयोग करें। एनसीआरटी की पाठ्यपुस्तकों, पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों और विशेष रूप से तैयार की गई स्टडी गाइडेंस को फॉलो करें। एग्जाम से रिलेटेड नवीनतम शैक्षिक विकास और नीतियों से अपडेट रहें।

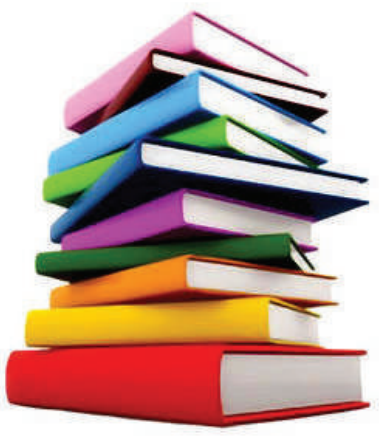

नोट्स बनाएं

किताबों से पढ़ाई करना जरूरी है, लेकिन नोट्स बनाने से याददाश्त और समझ में काफी सुधार हो सकता है। मुख्य कांसेप्ट का सारांश, महत्वपूर्ण सूत्र लिखना और प्रत्येक विषय के महत्वपूर्ण बिंदुओं को हाइलाइट करना, जल्दी रिवीजन और विषय को मजबूत करने में मदद करता है।

मॉक टेस्ट की प्रैक्टिस और एनॉलिसिस करें

एग्जाम के पैटर्न से खुद को परिचित कराने और टाइम मैनेटमेंट में सुधार करने के लिए नियमित रूप से मॉक टेस्ट और सैंपल पेपर हल करें। अपने परफॉर्मेंस का एनॉलिसिस करें, जिन टॉपिक में कमजोर हैं, उसकी पहचान करें और उन्हें मजबूत करने पर फोकस करें। यह प्रैक्टिस आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगी और आपकी समस्या-समाधान क्षमताओं को इंप्रूव करेगी।

शिक्षाशास्त्र और बाल विकास पर ध्यान दें

सीटेट परीक्षा के लिए शिक्षाशास्त्र और बाल विकास बेहद महत्वपूर्ण पक्ष है। बाल मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों, शिक्षण विधियों और सिद्धांतों को समझें। शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं से संबंधित प्रश्नों को अच्छे से तैयार करें, जिससे बाल विकास को समझने में आसानी होगी।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,997.13	26,053.90
बढ़त	368.97	117.70
प्रतिशत में	0.44	0.45

सोना 1,24,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,51,700 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2475, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 2005, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1925, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1945, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2330, ब्लू 2175, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2520

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 10800

चीनी : पीलीभीत 4400, सितारगंज 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 1800, बासमती- 9100, परमल- 3400

दाल दलहन : काला चना- 6200, साबुत चना दाल- 6000, मूंग साबुत- 7900, राजमा- 11000-14000, दाल उड़द- 8100, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 5200, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10800, लोबिया/करमानी- 7200

एफटीए पर चर्चा जारी रखेगा भारत-यूरोपीय संघ

इस्पात, मोटर वाहन, कार्बन कर मुद्दों पर बात को सहमत, भारत ने की शुल्क-गैर-शुल्क बाधाओं के निवारण की वकालत

- ब्रुसेल्स की यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

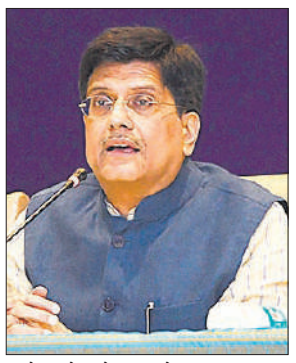

भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत इस्पात, मोटर वाहन और कार्बन कर से संबंधित मुद्दों पर चर्चा जारी रखने पर सहमत हो गए हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में यह बात कही।

इसमें कहा गया है कि भारत ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पारदर्शी एवं पूर्वानुमानित नियामक ढांचे के निर्माण के अलावा समझौते में शुल्क एवं गैर-शुल्क दोनों बाधाओं के निवारण को सुनिश्चित करने की भी वकालत की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की तीन दिवसीय ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने यूरोपीय संघ के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से मुलाकात की और मौजूदा वार्ता को गति दी। मंत्री की आधिकारिक यात्रा 28 अक्टूबर को संपन्न हुई। मंत्रालय ने कहा कि वे इस बात पर भी सहमत हुए कि इस्पात, मोटर वाहन, सीबीएएम (कार्बन सीमा समायोजन तंत्र) और अन्य यूरोपीय संघ के नियमों से संबंधित मुद्दों पर अभी और चर्चा की जरूरत है क्योंकि ये मुद्दे अधिक संवेदनशील हैं। यूरोपीय संघ ने सीबीएएम एवं ईयूडीआर (वन विनाश विनियमन) जैसे नियमों की घोषणा की है जिन पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। सीबीएएम के तहत यूरोपीय संघ को इस्पात, एल्युमीनियम और सीमेंट के भारतीय निर्यात पर 20-35 प्रतिशत तक का शुल्क लग सकता है।

ब्रुसेल्स में हुई वार्ता के दौरान गोयल ने भारत की प्रमुख मांगों (विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के संबंध में) को तरजीह देने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें कहा गया है, दोनों पक्ष गैर-संवेदनशील औद्योगिक शुल्क लाइन को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए। साथ ही गैर-शुल्क उपायों एवं नए यूरोपीय संघ के नियमों पर भारत की चिंताओं पर भी अच्छी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने 2025 के अंत तक प्रस्तावित एफटीए समझौते के लिए वार्ता को पूरा करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गोयल की यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच 6-10 अक्टूबर तक हुई 14वें दौर की वार्ता के समापन के बाद हो रही है।

जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं, भौगोलिक क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने पर जोर

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश के लिए जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं, प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर नियंत्रण और कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता कम करना महत्वपूर्ण है। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना केवल भारत में विनिर्माण, डिजाइन या विकास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की दीर्घकालिक वृद्धि और संप्रभुता के लिए महत्वपूर्ण है। विदेशी प्रौद्योगिकी, हथियारों, ऊर्जा स्रोतों और महत्वपूर्ण तकनीकों पर निर्भरता कम करना देश की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वास्तव में, इस दशक ने कोविड से लेकर अब तक हमें कई बार सचेत किया है कि जुझारू आपूर्ति श्रृंखलाओं का होना, अपनी प्रौद्योगिकी का होना, तकनीकों पर नियंत्रण और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आवश्यक आपूर्ति पर नियंत्रण कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने टाईइकॉन कार्यक्रम में कहा कि कुछ क्षेत्रों और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विषयों को लेकर कुछ भौगोलिक क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना बहुत महत्वपूर्ण है।

मोबाइल पर कॉलर का नाम दिखाने की सुविधा का परीक्षण शुरू, मार्च तक होगा लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- ट्राई ने एक दिन पहले दूरसंचार विभाग के प्रस्ताव को दी थी मंजूरी

मोबाइल पर आने वाली कॉल में कॉल करने वाले का नाम दिखाने की सुविधा (सीएनएपी) का दूरसंचार कंपनियों ने परीक्षण करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि यह सुविधा देशभर में मार्च, 2026 तक लागू हो जाएगी।

दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने बुधवार को कहा कि वोडाफोन आइडिया ने हरियाणा सर्किल में सीएनएपी सेवा का पायलट परीक्षण शुरू कर दिया है, जबकि जियो भी जल्द ही इसी सर्किल से परीक्षण शुरू करेगी। इस सुविधा के तहत कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम रिसीवर के मोबाइल स्क्रीन पर प्रदर्शित होता है, जिससे उपयोगकर्ता को कॉल उठाने से पहले पता चल जाएगा की कॉल कौन कर रहा है। परीक्षण सफल रहने पर दूरसंचार विभाग देशभर में चरणबद्ध तरीके से 31 मार्च, 2026 तक इस सुविधा को लागू करेगा।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक दिन पहले ही दूरसंचार विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके तहत यह सुविधा सभी उपयोगकर्ताओं के लिए डिफॉल्ट रूप से सक्रिय रहेगी। हालांकि, इस सुविधा का इस्तेमाल नहीं करने वाले उपभोक्ताओं को इसे निष्क्रिय कराने का विकल्प मिलेगा।

सरकार चीनी निर्यात की अनुमति दे सकती है, एथनॉल के कम उपयोग से अधिशेष बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मिलों ने एथनॉल निर्माण में 34 लाख टन चीनी का किया उपयोग अनुमानित 45 लाख टन से कम

सरकार 2025-26 विपणन वर्ष में चीनी के निर्यात की अनुमति देने पर विचार कर रही है क्योंकि एथनॉल उत्पादन के लिए चीनी के अपेक्षा से कम उपयोग के कारण अधिशेष भंडार जमा हो गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि देश की चीनी मिलों ने 2024-25 में एथनॉल निर्माण के लिए केवल 34 लाख टन चीनी का ही उपयोग किया, जो अनुमानित 45 लाख टन से काफी कम है।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर से सितंबर तक चलने वाले चालू 2025-26 विपणन वर्ष के लिए शुरुआती भंडार अधिक है। 2025-26 में चीनी उत्पादन 3.4 करोड़ टन तक पहुंचने की उम्मीद है जबकि वार्षिक घरेलू मांग 2.85 करोड़ टन है। निर्यात की अनुमति देने और एथनॉल के लिए अधिक उपयोग की अनुमति देने की उद्योग की मांगों पर चोपड़ा ने कहा कि हमारे पास चीनी का अधिशेष है, हम निर्यात की अनुमति देने पर विचार कर रहे हैं। जल्द ही कोई निर्णय लिया जा सकता है क्योंकि सरकार उद्योग को निर्यात की योजना बनाने के लिए लंबा समय देना चाहती है। इस पर निर्णय लेने के लिए मंत्रियों की समिति अगले सप्ताह बैठक कर सकती है।

भारत ने विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान 10 लाख टन के आवंटन के मुकाबले 8 लाख टन चीनी का निर्यात किया। चीनी निर्यात की व्यवहार्यता पर सचिव ने कहा कि वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय कीमतें परिष्कृत चीनी के लिए अनुकूल नहीं हैं। कच्ची चीनी के लिए कुछ निर्यात समता संभव हो सकती है। चीनी का वर्तमान निर्यात मूल्य, 'एक्स-मिल' मूल्य से कम है। उन्होंने कहा कि वे शायद सही समय पर निर्यात करेंगे। शायद कच्ची चीनी का निर्यात हो भी जाए क्योंकि उसमें निर्यात समता है। परिष्कृत चीनी का वैश्विक मूल्य 3,829 रुपये प्रति क्विंटल है।

7% की दर से बढ़ सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

मुंबई, एजेंसी

- सीईए नागेश्वरन बोले- तीन वैश्विक एजेंसियों ने भारत की साख बढ़ाई

देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक चुनौतियों का संतोषजनक ढंग से सामना किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2025-26 में आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

नागेश्वरन ने 'भारत समुद्री सप्ताह' (आईएमडब्ल्यू) में कहा कि साख (रेटिंग) निर्धारण करने वाली तीन वैश्विक एजेंसियों ने हाल ही में भारत की साख बढ़ाई है और यदि देश इसी राह पर आगे बढ़ता रहा तो वह जल्द ही 'ए' रेटिंग श्रेणी में आ सकता है। नागेश्वरन ने कहा कि अर्थव्यवस्था के जुझारूपन ने सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा उठाए गए कदमों के साथ मिलकर भारतीय अर्थव्यवस्था को आरामदायक स्थिति में रखा। इस साल वैश्विक अनिश्चितताओं एवं शुल्क संबंधी घटनाक्रमों से निपटने की भारतीय अर्थव्यवस्था के रुख से हमें काफी संतुष्ट होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आयकर में राहत एवं जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने सहित नीतिगत उपायों ने 2025-26 के लिए वास्तविक रूप से इस वर्ष की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को बेहतर बनाकर 7% तक पहुंचा दिया है। नागेश्वरन ने फरवरी में अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3% तक रह सकती है। अमेरिकी शुल्क के कारण उन्होंने इसे और घटाकर 6% किया था। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की मजबूती और मांग बढ़ाने को उठाए नीतिगत कदमों ने हमें वास्तव में एक बहुत ही आरामदायक स्थिति में ला दिया है।

तेल और गैस की ढुलाई लागत को कम करने के लिए पीएसयू की मांगों को जोड़ा जाएगा : पुरी

मुंबई। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों (पीएसयू) की ढुलाई मांग को एकसाथ जोड़कर भारतीय जहाजरानी कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अनुबंध सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई लागत को कम करने में मदद मिलेगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत समुद्री सप्ताह 2025 में कहा कि सरकार घरेलू स्वामित्व बढ़ाने के लिए 'पोत स्वामित्व एवं पट्टा इकाई मॉडल' को भी आगे बढ़ा रही है। पेट्रोलियम विपणन कंपनियां कच्चे तेल के आयात के लिए जहाजों का इस्तेमाल करती हैं। हम जहाजरानी कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अनुबंध सुनिश्चित करने के लिए तेल कंपनियों की ढुलाई मांग को एकसाथ मिला रहे हैं ताकि जहाजों के स्वामित्व के जरिये बार-बार की ढुलाई पर आने वाली लागत को कम किया जा सके।

राष्ट्रीय

लालू बेटे को सीएम व सोनिया बनाना चाहती हैं पीएम, दोनों पद खाली नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कटाक्ष करते हुए विपक्षी महागठबंधन को 'ठगबंधन' दिया करार

पटना/दरभंगा, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महागठबंधन को 'ठगबंधन' करार दिया और कहा कि लालू प्रसाद अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री और सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं, लेकिन ये दोनों पद रिक्त नहीं हैं।

दरभंगा की चुनावी सभा में शाह ने कहा कि बिहार चुनाव में भाजपा ने कई युवाओं को टिकट दिया, जबकि राजद और कांग्रेस ऐसा नहीं कर सके, क्योंकि लालू बेटे को और सोनिया राहुल को शीर्ष पद पर बैठाना चाहती हैं। उन्होंने दावा किया कि लालू प्रसाद चारा, बिटुमेन और जमीन के बदले नौकरी' घोटालों में लिप्त रहे हैं, जबकि कांग्रेस पर 12 लाख करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। भाजपा नेता ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि अगर राजद-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनी, तो प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के गिरफ्तार सदस्यों को जेल में रखा जाएगा या नहीं? शाह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ही पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया और उसके सदस्यों को जेल भेजा। समस्तीपुर की दूसरी रैली में शाह ने कहा कि बिहार चुनाव जंगलराज की वापसी रोकने का चुनाव है। राज्य में राजग पांच पांडव की तरह मजबूत गठबंधन है। उन्होंने विपक्ष पर पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के 'जननायक' सम्मान को छीनने का प्रयास करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि मोदी ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर सम्मानित किया। कांग्रेस ने बाबू जगजीवन राम को प्रधानमंत्री बनने से रोका था। शाह ने आरोप लगाया कि लालू और राबड़ी देवी ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया और महागठबंधन राज्य के विकास तथा युवाओं के कल्याण के बारे में सोच ही नहीं सकता। राजग सरकार 8.52 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है, मखाना बोर्ड का गठन किया है और घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दे रही है। दरभंगा को जल्द ही मेट्रो रेल की सुविधा मिलेगी, हवाईअड्डा बन चुका है और एम्स का निर्माण जारी है।

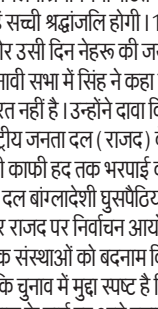

राज्य को गुंडाराज की जरूरत नहीं : राजनाथ

दरभंगा/पटना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राजग को दो-तिहाई बहुमत मिलना प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। 14 नवंबर को मतगणना होगी और उसी दिन नेहरू की जयंती भी है। पटना जिले के बाढ़ में चुनावी सभा में सिंह ने कहा कि बिहार को गुंडाराज की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के जंगल राज से हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई करने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट सुरक्षित करना चाहता है। भाजपा नेता ने कांग्रेस और राजद पर निर्वाचन आयोग पर हमला करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम किया जाएगा तो लोकतंत्र कैसे चलेगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि चुनाव में मुद्दा स्पष्ट है कि राज्य को फिर से जंगलराज की ओर ले जाना है या विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना है। इससे पहले दरभंगा की रैली में उन्होंने राजद द्वारा हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने के वादे को अवास्तविक करार दिया। राजग अपना घोषणापत्र गुरुवार को जारी करेगा और उसमें किए गए हर वादे को पूरा करेगा।

वांगचुक की हिरासत पर केंद्र, लद्दाख से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

- जवाब के लिए दिया 10 दिन का समय, अगली सुनवाई 24 नवंबर के लिए निर्धारित की

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोनम वांगचुक की पत्नी की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा, जिसमें जलवायु कार्यकर्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत को अवैध, मनमाना कृत्य बताया गया है।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से गीतांजलि जे अंगमो की संशोधित याचिका पर 10 दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई 24 नवंबर के लिए निर्धारित की। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल को भी प्रतिउत्तर, यदि कोई हो तो, दाखिल करने की अनुमति दी। संशोधित याचिका में कहा गया है कि हिरासत आदेश पुरानी प्राथमिकी, अस्पष्ट आरोपों और काल्पनिक दावों पर आधारित है। इसमें हिरासत के कथित आधारों से कोई जीवंत या निकट संबंध नहीं है। इस प्रकार इसमें कोई कानूनी आधार नहीं है। ऐहतियाती शक्तियों का ऐसा मनमाना प्रयोग सत्ता का घोर दुरुपयोग है, जो संवैधानिक स्वतंत्रता और उचित प्रक्रिया की बुनियाद पर प्रहार करता है, जिसके कारण हिरासत आदेश को इस न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किया जाना चाहिए। यह पूरी तरह से हास्यास्पद है कि लद्दाख और पूरे भारत में जमीनी स्तर पर शिक्षा, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान के लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीन दशकों से अधिक समय तक सराहे जाने के बाद वांगचुक को अचानक निशाना बनाया गया। अंगमो ने याचिका में कहा कि चुनावों से मात्र दो महीने पहले और एबीएल (एपेक्स बॉडी ऑफ लेह), केडीए (कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस) तथा गृह मंत्रालय के बीच बातचीत से पहले, उन्हें भूमि पट्टा और एफसीआरए रद्द करने, सीबीआई जांच तथा आयकर विभाग से नोटिस भेजे गए। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट होता है कि हिरासत का आदेश सार्वजनिक व्यवस्था या सुरक्षा की चिंताओं पर आधारित नहीं है।

न्यायिक अधिकारियों की तरक्की के मुद्दे से निपटने के लिए मानदंडों की आवश्यकता

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देशभर में प्रारंभिक स्तर के न्यायिक अधिकारियों की वरिष्ठता तय करने के मापदंडों में राष्ट्रीय स्तर पर किसी न किसी तरह की एकरूपता जरूरी है, ताकि इन न्यायिक अधिकारियों के करिअर की धीमी और असमान प्रगति की समस्या दूर हो सके। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि उसका न्यायाधीशों के लिए नामों की सिफारिश करने में उच्च न्यायालयों के अधिकारों में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति गवई के अलावा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची हैं। पीठ ने उच्च न्यायिक सेवा (एचजेएस) संवर्ग में वरिष्ठता निर्धारित करने के लिए राष्ट्रव्यापी मानदंड तैयार करने पर मंगलवार को सुनवाई शुरू की थी। पीठ ने गौर किया कि ज्यादातर राज्यों में दीवानी न्यायाधीश (सीजे) के रूप में भर्ती होने वाले न्यायिक अधिकारी अक्सर प्रधान जिला न्यायाधीश (पीडीजे) के पद तक भी नहीं पहुंच पाते है।

नीतीश के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में : राहुल गांधी

मुजफ्फरपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विस चुनाव के लिए प्रचार अभियान का आग़ाज़ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे का इस्तेमाल हो रहा है, जबकि रिमोट कंट्रोल भाजपा के हाथ में है। उन्होंने मुजफ्फरपुर जिले के सकरा में पहली चुनावी सभा में दावा किया कि प्रधानमंत्री और भाजपा सामाजिक न्याय के खिलाफ हैं। इस सभा में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और गठबंधन के घटक दलों के कुछ नेता शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में 20 साल से नीतीश सरकार चला रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए उन्होंने क्या किया? आप ऐसा प्रदेश चाहते हैं जहां कुछ भी नहीं मिले, अडाणी को एक-दो रुपये में जमीन दे दी जाए? हमें वह बिहार चाहिए जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार हो, हम ऐसा बिहार चाहते हैं जहां से लोगों को दूसरे प्रदेशों में न जाना पड़े बल्कि दूसरे राज्यों के लोग यहां आए।

मुजफ्फरपुर की जनसभा में शामिल कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव।

'करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म' से समझौता नहीं, अपराधी होंगे सलाखों के पीछे : तेजस्वी

मुजफ्फरपुर/दरभंगा। महागठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने कहा कि उन्हें यदि सत्ता में आने का मौका मिला तो करप्शन, क्राइम और कम्युनलिज्म (भ्रष्टाचार, अपराध और सांप्रदायिकता) से समझौता नहीं किया जाएगा तथा उनकी परछाई भी गलत काम करेगी तो उसे भी सजा मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में फैक्ट्री खोलते हैं, लेकिन विक्ट्री (जीत) बिहार में चाहते हैं। राजद नेता ने राहुल गांधी के साथ मुजफ्फरपुर और दरभंगा में दो संयुक्त सभाओं को संबोधित किया। तेजस्वी ने दरभाग में कहा कि प्रधानमंत्री की दिलचस्पी गुजरात में फैक्ट्री लगाने में है लेकिन बिहार में विक्ट्री चाहिए। यह नहीं होने वाला है। उन्होंने चुनावी वादों को लेकर कहा कि हम सरकार के संविदाकर्मी कर्मचारियों को स्थायी करेंगे। राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कई जनकल्याणकारी कदम उनकी घोषणाओं की नकल हैं।

छत्तीसगढ़ में 51 माओवादियों ने हिंसा त्यागकर किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 51 माओवादियों ने बुधवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' योजना के अंतर्गत मुख्यधारा में लौटने वाले इन माओवादियों में नौ महिला और 42 पुरुष हैं, जिन पर कुल 66 लाख का इनाम घोषित था।

पूर्व सीबीआईसी अधिकारी 27 करोड़ के मारिजुआना के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। पुलिस ने भारत, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सीमाशुल्क विभाग के बर्खास्त अधिकारी को गिरफ्तार किया और उसके पास से 21 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 27 करोड़ बताई गई है। अधिकारी ने बुधवार को बताया कि रोहित शर्मा (35) केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) में पूर्व निरीक्षक रह चुका है। रोहित को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के जनकपुरी इलाके में एक रातभर चली गुप्त कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया। डीसीपी संजीव कुमार यादव ने घटना की पुष्टि की है।

एसआईआर प्रक्रिया के बाद 12 राज्यों में बढ़ेगी मतदान केंद्रों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रों के बढ़ाने से मतदाताओं को मतदान करने में लगेगा कम समय
- नए केंद्र ऊंची इमारतों, कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में बनाए जाएंगे

देश के जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) होगा, वहां इस कवायद के पूरी होने के बाद मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि मतदान के लिए कतारों में कमी आ सके।

बिहार में मतदाता सूची को अद्यतन बनाने की प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है और वह देश का पहला राज्य बन गया है जहां हर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 है जबकि पहले 1,500 थी। इस प्रक्रिया के तहत 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बिहार की तर्ज पर अधिक मतदान केंद्र होंगे। बिहार में पहले 77,895 मतदान केंद्रों थे, जो अब 90,712 है। केंद्रों की संख्या बढ़ाने से मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते हुए कम समय बिताना पड़ेगा। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चार नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी, उनके मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के अनुसार, नए मतदान केंद्र ऊंची इमारतों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन वाली कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में बनाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नए केंद्रों के संबंध में राजनीतिक दलों से परामर्श करेंगे।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने निर्देश दिया है कि एक परिवार के सभी सदस्यों को एक ही केंद्र पर रखने का विशेष ध्यान रखा जाए। जिन प्रदेशों में एसआईआर शुरू होगी, उनमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश व पश्चिम बंगाल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका : संघीय कर्मचारियों को हटाने पर लगी रोक बढ़ाई

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को की एक न्यायाधीश ने सरकारी 'शटडाउन' के दौरान संघीय कर्मचारियों को नौकरी से हटाने पर लगी रोक मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दी। अमेरिकी जिला न्यायाधीश सुसन इल्सटन ने यह फैसला सुनाया। उन्होंने इससे पहले इस मामले में एक अस्थायी आदेश जारी किया था, जिसकी अवधि बुधवार को समाप्त होने वाली थी। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति रहे बिल क्लिंटन की ओर से नामित न्यायाधीश इल्सटन ने कहा कि उनका मानना है कि साक्ष्यों से पता चल जाएगा कि सामूहिक बर्खास्तगी अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

ब्रिटेन: भारतीय महिला से बलात्कार के आरोप में ब्रिटिश गिरफ्तार

लंदन। वाल्सॉल में भारतीय मूल की एक महिला के नस्लवाद से प्रेरित यौन उत्पीड़न के संदेह में गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति पर बलात्कार का आरोप लगाकया गया है और उसे बुधवार को बर्मिंघम मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा कि स्टॉकलैंड ग्रीन के 32 वर्षीय श्वेत ब्रिटिश व्यक्ति जॉन एशबी पर मंगलवार शाम आरोप लगाया गया। बलात्कार का यह आरोप 20 वर्षीय स्थानीय सिख छात्रा पर शनिवार रात वॉल्सॉल के पार्क हॉल क्षेत्र में हुए हमले के बाद लगाया गया है। पुलिस ने कहा, उस पर यौन उत्पीड़न, गला घोंटने, नस्लभेदी हमले के कारण शारीरिक क्षति पहुंचाने और लूटपाट का भी आरोप लगाया गया है।

चीन ने एवरेस्ट चोटी से जुड़ा पर्वतारोहण क्षेत्र बंद किया

बीजिंग। चीन के स्थानीय अधिकारियों ने भारी बर्फबारी और बर्फीली परिस्थितियों के कारण तिब्बत क्षेत्र में स्थित एक लोकप्रिय पर्वतारोहण स्थल को बंद कर दिया जो दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी 'एवरेस्ट' तक जाने वाले मार्ग में है। पर्यटन अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जारी एक घोषणा के अनुसार, डिंगरी काउंटी में झूफेंग चोटी (जो एवरेस्ट चोटी के चीनी हिस्से के पास स्थित है) तक पर्वतारोहण को अगली सूचना तक बंद कर दिया गया है। इससे पहले अक्टूबर में, चीन के राष्ट्रीय अवकाश, जो पर्यटन का मौसम होता है, के दौरान आए भारी बर्फीले तूफान के बाद सैकड़ों पर्वतारोही कई दिनों तक एवरेस्ट पर फंसे रहे। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान में बुधवार तक बर्फबारी और बर्फीली परिस्थितियों का अनुमान लगाया गया था, जो ऊंचाई पर रहने वाले पर्यटकों के लिए खतरा बन सकता है।

कनाडा में भारतीय मूल के बुजुर्ग व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

ओटावा, एजेंसी

● घर के बाहर मारी गोली, पुलिस ने बताया टारगेट किलिंग का मामला

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 68 वर्षीय भारतीय मूल के व्यवसायी की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस की ओर से इसे लक्षित हत्या (टारगेट किलिंग) का संदिग्ध मामला बताया गया है।

दर्शन साहसी की सोमवार को प्रांत के एबॉट्सफोर्ड शहर में हत्या कर दी गई। एबॉट्सफोर्ड पुलिस ने सोमवार को एक बयान में बताया कि पुलिस को रिजव्यू ड्राइव पर गोलीबारी की सूचना मिली थी, जहां उन्होंने एक वाहन के अंदर साहसी को जख्मी अवस्था में पाया। साहसी को बचाने के प्रयास किए गए लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। हालांकि साहसी की पहचान नहीं बताई गई थी, एकीकृत हत्या जांच दल (आईएचआईटी) ने बाद में उनका नाम बताया। मंगलवार को आईएचआईटी प्रवक्ता सार्जेंट फ्रेडा फोंग ने कहा, शुरुआती संकेत बताते हैं कि यह एक लक्षित घटना थी, गोलीबारी में कोई और घायल नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जांचकर्ता गोलीबारी के मकसद और हालात का पता लगाने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं।

नस्लीय अपराधों का हो रहे शिकार दूसरे देशों में भारतीय

वैसे तो दुनिया भर में नस्लीय अपराधों की स्थिति चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है, लेकिन भारत के लिए और भी ज्यादा फिक्रमंद करने की वाली स्थिति यह है कि इन अपराधों का शिकार होने वाले लोगों में भारतीय मूल के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। कई देशों में नस्लीय हिंसा के पीछे सामाजिक पूर्वाग्रह तो कारण है ही, संस्थागत भेदभाव भी कम बड़ी वजह नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में हाल ही में नस्लीय अपराधों में काफी वृद्धि हुई है, इन देशों में अक्सर भारतीयों को निशाना बनाया जाता है। जानकारों का कहना है कि नस्लीय भेदभाव की जड़ें गहरी हैं और इसे केवल कानूनी समाधानों से खत्म नहीं किया जा सकता। कई देशों में नस्ल से प्रेरित घृणा अपराधों में वृद्धि हुई है, जिसमें शारीरिक हमले, उत्पीड़न और मौखिक दुर्व्यवहार शामिल हैं।

नस्लीय हिंसा के कारण

- राजनीतिक कारण प्रमुख है, यूरोप, कनाडा और अमेरिका में दक्षिणपंथी आंदोलनों में अप्रवासी-विरोधी बयानबाजी से शत्रुता बढ़ रही है।
- मेजबान देशों में बढ़ती महंगाई, आवास की कमी और बेरोजगारी से अप्रवासियों के खिलाफ गुस्सा बढ़ता है, उन पर नस्लीय हमले होते हैं।
- कई देशों में घृणा अपराधों को रोकने वाले कानून होने के बावजूद उनका सही से पालन नहीं होता है। इससे हमलावरों को बढ़ावा मिलता है।
- ज्यादातर देशों में रंग, राष्ट्रीयता या जातीयता के आधार पर लोगों के साथ अनुचित व्यवहार करना नस्लीय भेदभाव का मुख्य कारण है।

प्रमुख घटनाएं

- आयरलैंड में हाल ही में भारतीय मूल के लोगों पर कई हमले हुए हैं, जिनमें एक 6 साल की बच्ची और डेटा वैज्ञानिक शामिल हैं।
- ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। हाल में एक महिला के साथ बलात्कार, अगस्त में 4 लोगों पर सशस्त्र हमले।
- यूएसए में भी भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ घृणा अपराधों में वृद्धि हुई है। हाल ही में एक होटल मैनेजर की उसकी पत्नी के सामने हत्या कर दी गई।
- ऑस्ट्रेलिया में वर्ष 2008 से 2025 के बीच भारतीयों पर लगभग 200 नस्लीय हमलों की रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ितों में तमाम छात्र भी शामिल थे।

क्यों बढ़ रही है घृणा की भावना

- विकसित देशों में कुछ समुदाय खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानते हैं। अतीत में अमेरिकी गोरे नीग्रो जाति के लोगों को निम्न समझते थे।
- सामाजिक रूढ़ियां और कुप्रथाएं भी कारण हैं, सामाजिक विभाजन और उच्चता प्रभावित होने से नस्लवाद को बढ़ावा मिला है।
- धर्म में पवित्रता और शुद्धि की अवधारणा, इंटरनेट के जरिए हेट स्पीच और नस्लीय पूर्वाग्रहों को प्रभावी रूप से फैलाया जा रहा है।
- नौकरियों, पदोन्नति और अन्य आर्थिक लाभों से वंचित करने के तरीके उत्पीड़क वर्ग के शक्तिशाली प्रभाव पर आधारित होते हैं।

भारत सरकार की ओर से कदम

- भारत सरकार भारतीय समुदाय के खिलाफ होने वाली नस्लीय हिंसा और घृणा अपराधों के मामले संबंधित देशों की सरकार के समक्ष उठाती है।
- दूसरे देशों में भारतीय मिशन/दूतावास, प्रभावित व्यक्तियों को समर्थन और सहायता देते हैं और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करते हैं।
- सरकार विदेशों में भारतीयों के जीवन को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर नजर रखती है और उनके हितों की सुरक्षा के उपाय भी करती है।
- दूसरे देशों में भारतीय मिशनों और दूतावासों में 24x7 हेल्पलाइन स्थापित की गई हैं ताकि भारतीय नागरिकों को सहायता प्रदान की जा सके।

मोदी बहुत अच्छे इंसान, भारत के साथ व्यापार समझौता करेगा अमेरिका: ट्रंप

व्यापार की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा भी किया

सियोल, एजेंसी

बुधवार को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में शिखर सम्मेलन को संबोधित करते ट्रंप।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा, अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा है। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सीईओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके साथ एक बार फिर व्यापार की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का भी दावा किया।

ट्रंप ने कहा, यदि आप भारत और पाकिस्तान की बात करें तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता कर रहा हूं और जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए मेरे मन में बेहद सम्मान एवं स्नेह है, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। इसके बाद व्यापार समझौते के विषय पर अधिक विस्तार से बात किए बिना ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई की शुरुआत में हुए विवाद को सुलझाने का दावा किया। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद दोनों देशों के तनाव कायम हैं। इस 50 प्रतिशत शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को 'अनुचित एवं अविवेकपूर्ण' करार दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि विदेश मंत्री जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कुआलालंपुर में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर अपनी बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सोमवार को व्यापक चर्चा की। इस बात का हालांकि कोई संकेत नहीं मिला कि अमेरिकी पक्ष ने भारत को रूस के साथ ऊर्जा संबंधों के लिए लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क को हटाने का आश्वासन दिया है।

दक्षिण कोरिया में शी से होगी ट्रंप की मुलाकात

ट्रंप एपेक सम्मेलन में शामिल होने से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे। ट्रंप ने बुसान हवाई अड्डे पर कहा, चीन के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं। मुझे लगता है कि हमारे और दुनिया के लिए अच्छे परिणाम सामने आएंगे। ट्रंप ने टोक्यो में मंगलवार को कहा था कि अगर चीन फेंटेनाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के निर्यात को सीमित करने पर सहमत हो जाता है, तो अमेरिका चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर शुल्क कम कर सकता है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान मार गिराए गए थे सात ब्रांड न्यू विमान

टोक्यो। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान 'सात ब्रांड न्यू' विमान मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे विमान किस देश के थे। टोक्यो में मंगलवार को कारोबारियों के साथ रात्रिभोज के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर 'दो बड़ी परमाणु शक्तियों' के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का दावा किया। कहा, सात ब्रांड न्यू खूबसूरत विमान गिरा दिए गए थे, और दो बड़ी परमाणु शक्तियां आपस में भिड़ रही थीं। ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने के लिए व्यापार का सहारा लिया। उन्होंने कहा, 'मैंने बहुत ही अच्छे और सज्जन प्रधानमंत्री मोदी से और पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से कहा कि देखिए अगर आप लोग लड़ते रहेंगे तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने तर्क दिया कि युद्ध का अमेरिका के साथ व्यापार से कोई लेना-देना नहीं है। मैंने कहा कि इसका बहुत गहरा संबंध है दो परमाणु शक्तियां हैं। आप सब प्रभावित होते हैं, है ना। और मैंने कहा कि अगर आप लड़ेंगे तो हम कोई सौदा नहीं करेंगे। और लगभग 24 घंटे के भीतर संघर्ष खत्म हो गया। यह वाकई अद्भुत था। गौरतलब है कि 10 मई को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमति जताई है। ट्रंप कई बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को सुलझाने में मदद की। भारत ने लगातार यह स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम पर समझौता दोनों देशों की सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत के जरिए हुआ था।

मुनीर की भी तारीफ

ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी तारीफ की और उन्हें बेहतरीन योद्धा और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'फिर मैंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल को फोन किया। मैंने कहा कि हम आपके साथ व्यापार नहीं करेंगे क्योंकि आप भारत से लड़ रहे हैं। मुनीर ने कहा कि नहीं, नहीं, आप हमें लड़ने दीजिए। दोनों ने यही कहा। ट्रंप ने दावा किया कि दोनों देशों के नेताओं ने उन्हें दो दिन बाद फोन कर संघर्ष रोकने की बात कही।

गाजा में रात भर जारी रहे इजराइल के हमले महिलाओं-बच्चों समेत 104 लोगों की मौत

● हमलों के बाद इजराइल ने की फिर युद्धविराम लागू होने की घोषणा

दीर अल-बलाह,एजेंसी

गाजा में इजराइल के भीषण हमलों के दौरान चमक साथ सुनाई दी धमाकों की गूंज।

इजराइल की सेना ने गाजा में भीषण हवाई हमले करने के बाद बुधवार को कहा कि संघर्ष विराम फिर से प्रभावी हो गया है। इससे पहले गाजा के अस्पतालों ने बताया कि इजराइली हमलों में 46 बच्चों और कई महिलाओं और समेत 104 लोगों की मौत हुई है।

दस अक्टूबर को संघर्ष विराम लागू होने के बाद से यह सबसे घातक हमले थे। ये हमले संघर्ष विराम के लिए सबसे गंभीर चुनौती माने जा रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास पर संघर्ष विराम के उल्लंघन का आरोप लगाने के बाद कहा कि उन्होंने ही सैनिकों का गाजा में भीषण हमले करने का आदेश दिया था। इसके जवाब में हमास ने कहा कि वह एक और बंधक का शव सौंपने में देरी करेगा। फिलहाल एशिया की यात्रा कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमलों का बचाव किया और कहा कि इजराइल का यह हमला उचित था, क्योंकि हमास ने गाजा के रफह शहर में गोलीबारी के दौरान एक इजराइली सैनिक को मार डाला था। हमास ने उस गोलीबारी में किसी भी तरह की संलिप्तता से इन्कार किया तथा इजराइल पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

इस बीच, शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने कहा कि इजराइली हमलों में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 104 हो गई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को हमलों में मारे गए 21 और लोगों के शव मिले हैं, जिनमें सात महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। सेल्मिया ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि गाजा शहर में स्थित अस्पताल में भर्ती 20 बच्चों समेत 45 घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

ट्रंप की ओर से नियुक्त अटॉर्नी अयोग्य घोषित

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने दक्षिणी कैलिफोर्निया के कार्यवाहक अटॉर्नी बिल एसेली को अयोग्य घोषित किया और कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नियुक्त यह अधिकारी कानून द्वारा निर्धारित अवधि से अधिक समय से अस्थाई पद पर बने हुए हैं। यह निर्णय ट्रंप प्रशासन के उस प्रयास के लिए एक और झटका है, जिसके तहत वह अपने चुने हुए कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यकाल को संघीय कानून द्वारा निर्धारित 120 दिनों की सीमा से अधिक बढ़ाना चाहता है।

अफगान तालिबान को खत्म कर फिर गुफाओं में धकेल देंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी

● शांति वार्ता विफल होने से बौखलाए पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने दी धमकी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को धमकी दी कि भविष्य में उनके देश में कोई भी आतंकवादी हमला होने की स्थिति में वह अफगान तालिबान को खत्म कर देंगे और उन्हें वापस गुफाओं में धकेल देंगे। शांति वार्ता विफल होने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के संबंध बेहद खराब हो गए हैं।

इस्तांबुल में चार दिवसीय शांति वार्ता में पाकिस्तान की मुख्य मांग के संबंध में कोई नतीजा नहीं निकलने के तुरंत बाद आसिफ ने सोशल मीडिया पर यह चेतावनी जारी की। इस मुख्य मांग में कहा गया था कि तालिबान को पाकिस्तान में आतंकवाद के लिए अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। आसिफ ने कहा कि मित्र देशों के अनुरोध पर पाकिस्तान ने शांति के लिए बातचीत शुरू की, लेकिन कुछ अफगान अधिकारियों के जहरीले बयान स्पष्ट रूप से तालिबान शासन की कुटिल मानसिकता को दर्शाते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि तालिबान शासन को पूरी तरह से खत्म करने और उन्हें वापस गुफाओं में धकेलने के लिए पाकिस्तान को अपने पूरे शस्त्रागार के एक अंश का भी उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। यदि वे ऐसा चाहते हैं, तो तोरा बोरा में उनकी पराजय के दृश्यों की पुनरावृत्ति निश्चित रूप से क्षेत्र के लोगों के लिए देखने लायक तमाशा होगी। उन्होंने कहा कि तालिबान शासन में युद्धोन्मादी लोगों, जिनके निहित स्वार्थ क्षेत्र में अस्थिरता जारी रखने में हैं, को यह जान लेना चाहिए कि उन्होंने संभवतः पाकिस्तान के संकल्प और साहस को गलत समझा है।

म्यांमार पर संयुक्त राष्ट्र की पक्षपातपूर्ण रिपोर्ट पर भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने म्यांमार की मानवाधिकार स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में उसके खिलाफ किए गए पक्षपातपूर्ण विश्लेषण की कड़ी निंदा की है। साथ ही, पड़ोसी देश में तत्काल हिंसा रोकने और समावेशी राजनीतिक संवाद शुरू करने की अपनी अपील दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में मंगलवार को म्यांमार में मानवाधिकार की स्थिति पर संवाद के दौरान भारत की ओर से बयान देते हुए लोकसभा सदस्य दिलीप सैकिया ने कहा कि नई दिल्ली विश्वास को बढ़ावा देने हुए शांति, स्थिरता तथा लोकतंत्र की ओर म्यांमार के आगे बढ़ने के उद्देश्य से सभी पहल का समर्थन जारी रखेगा। हम हिंसा को तत्काल समाप्त करने, राजनीतिक कैदियों की रिहाई, मानवीय सहायता की निर्बाध आपूर्ति और समावेशी राजनीतिक वार्ता का आह्वान करते हैं। मानवाधिकार और मानवीय मुद्दों से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति, 2021 के सैन्य तख्तापलट और सैन्य शासन तथा विरोधी बलों के बीच जारी हिंसा के बीच म्यांमार में बिगड़ती स्थिति पर चर्चा कर रही थी।

पूर्वी लद्दाख: भारत-चीन एलएसी पर शांति रखने पर सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

● मोल्डो चुशूल बिंदु पर दोनों देशों के बीच कोर कमांडर स्तर की वार्ता

एक और उच्चस्तरीय सैन्य वार्ता में भारत और चीन ने मौजूदा तंत्र का उपयोग करते हुए पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। कोर कमांडर स्तर की बैठक 25 अक्टूबर को वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय हिस्से में 'मोल्डो-चुशूल' बिंदु पर हुई।

अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह पहली ऐसी बातचीत थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वार्ता मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने अक्टूबर 2024 में कोर कमांडर स्तर की 22वें दौर की बैठक के बाद से हुई प्रगति पर ध्यान दिया और इस बात पर सहमति जताई कि भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखा गया है। दोनों पक्ष स्थिरता बनाए रखने के लिए सीमा पर किसी भी जमीनी मुद्दे को सुलझाने के लिए मौजूदा तंत्र का उपयोग जारी रखने पर सहमत हुए।

पिछले साल अक्टूबर में भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चार साल से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने के बाद अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए पिछले कुछ महीनों में कई उपाय शुरू किए हैं। डेमचोक और देपसांग के अंतिम दो टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया। गत 19 अगस्त को विशेष प्रतिनिधियों की वार्ता के लिए वांग की नई दिल्ली यात्रा के बाद भारत और चीन ने 'स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी' संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की, जिनमें सीमा पर संयुक्त रूप से शांति बनाए रखना, सीमा व्यापार को पुनः खोलना और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देना शामिल था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 अक्टूबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 10.06 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

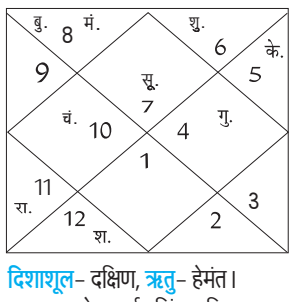

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-श्रवण 18.33 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज आर्थिक समस्याओं के समाधान मिलने से आप अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आपको कोई ऐसे सुखद समाचार मिल सकते हैं, जिनकी आप लंबे समय से प्रतीक्षा करेंगे। परिवार के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आप रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे।

वृष — आज कई दिनों से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान होगा। अपने लक्ष्य को लेकर भ्रमित न हों। आपके व्यक्तित्व में सकारात्मकता रहेगी। मन में नए-नए विचार पनपेंगे। विद्यार्थी अपनी शिक्षा को लेकर अत्यंत जागरूक रहेंगे।

मिथुन — आज अत्यधिक व्यस्तता के कारण स्वास्थ्य की अवहेलना न करें। अपने कार्यों में गोपनीयता रखने की आवश्यकता है। अपने विरोधियों को बिल्कुल भी अनदेखा न करें। अति आवश्यक न हो तो लोगों से अपनी बातें व सूचनाएं शेयर करने से बचें।

कर्क — आज साझेदारी संबंधी योजनाओं को आरंभ करेंगे। नई नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। अपने कार्य में आप बहुत ही अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। समाज कल्याण की योजनाओं में आप धन खर्च करेंगे। कार्यस्थल पर प्रोजेक्ट्स को अच्छी तरह से पूरा करेंगे।

सिंह — आज काम की अधिकता के बावजूद ऊर्जावान रहेंगे। लंबे समय से जिन वस्तुओं की प्रतीक्षा कर रहे थे, वो आपको प्राप्त हो जाएंगी। व्यापार में लाभ के अवसरों को चूक सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या — आज आपको अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी दूरदर्शी सोच के कारण व्यापार में लाभ मिलेगा। सामाजिक संबंधों में मजबूती आएगी। किसी रिश्तेदार के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। धन के लेन-देन में कुछ परेशानी हो सकती है।

तुला — आज अहंकार की वजह से अपने संबंधों को खराब न करें। उच्च अधिकारी आपसे कुपित हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मतभेद उभर सकते हैं। स्वास्थ्य कुछ नरम हो सकता है, इसीलिए लापरवाही बिल्कुल भी न करें।

वृश्चिक — आज आपकी दिनचर्या अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। शाम को आपका स्वास्थ्य कुछ कमजोर होगा। आप व्यवसाय की जटिलताओं को सुलझाने में व्यस्त रहेंगे। घर पर उत्सव का वातावरण रहेगा। प्रेमी जन के साथ रोमांटिक समय का आनंद उठाएंगे।

धनु — आज मन में सकारात्मक विचार चलते रहेंगे। लंबी दूरी की यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप नए व्यवसाय की शुरुआत कर सकते हैं। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा है। काम का दबाव आपके ऊपर से कम होगा।

मकर — आज व्यापार विस्तार में कुछ रुकावट आ सकती है। गूढ़ विषयों का आप अध्ययन कर सकते हैं। अपने कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर लें। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। होटल कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज तकनीक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय बहुत ही अच्छा है। लोगों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक ध्यान देना होगा। आलस्य की वजह से आपके काम अधूरे छूट सकते हैं। प्रेम संबंधों में ताजगी कम हो सकती है।

मीन — आज आलस्य त्याग कर अपने काम पर फोकस करें। सभी समस्याओं का समाधान होगा। अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाने के लिए आपको पुरस्कार भी मिल सकता है। मित्रों के साथ गंभीर विषयों पर चर्चा करेंगे।

सुडोकू-145

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1	2					
2			3	4				
6		3						
	2		1					
4	8						5	
				5	4		9	
						9	8	3
				9	8			
					6	7		

सुडोकू - 144 का हल

9	1	8	5	6	2	3	7	4
4	7	2	3	8	1	5	6	9
6	5	3	4	9	7	1	8	2
1	8	4	2	5	6	7	9	3
5	2	6	7	3	9	4	1	8
7	3	9	1	4	8	6	2	5
3	9	1	6	2	4	8	5	7
8	4	7	9	1	5	2	3	6
2	6	5	8	7	3	9	4	1

एक खिलाड़ी होने के नाते प्रतिका के साथ जो हुआ, वह अच्छी बात नहीं थी। कोई नहीं चाहता कि किसी खिलाड़ी को ऐसी चोट लगे। ईश्वर ने लेकिन मुझे कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है। मैं घरेलू क्रिकेट खेल रही थी और मैं बहुत अच्छी लय में थी। सेमीफाइनल मेरे लिए कोई नई बात नहीं है।
-शेफाली वर्मा

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अल्काराज गंवा सकते हैं नंबर वन रैंकिंग

पेरिस : दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पहला सेट जीतने के बाद लगातार गलतियां की जिसके कारण उन्हें पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बाहर का रास्ता देखना पड़ा। अल्काराज को गैरवरीय कैमरून नॉरी ने 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। इस हार के साथ ही अल्काराज़ का मास्टर्स प्रतियोगिताओं में 17 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी टूट गया। यही नहीं उन्हें नंबर एक रैंकिंग से भी हाथ धोना पड़ सकता है क्योंकि दूसरे स्थान पर काबिज यानिक सिनर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं तो एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएंगे।

पाकिस्तान पर दक्षिण अफ्रीका की बड़ी जीत

रावलपिंडी : स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी यादगार नहीं रही और वह खाता भी नहीं खोल पाए। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को 55 रन से हरा दिया। पाकिस्तान की टीम 195 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 139 रन पर आउट हो गई।

टिन्नी को हरा अनाहत पहुंची सेमीफाइनल में

टोरंटो (कनाडा) : भारत की 17 वर्षीय उभरती खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बेल्जियम की गत चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त टिन्नी गिलिस को हराकर यहां कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में 3-0 (12-10, 11-9, 11-9) से जीत दर्ज की।

उपकप्तान स्मृति मंधाना।

हरमनप्रीत को खेलनी होगी आठ साल पहले जैसी जादुई पारी

महिला विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में आज भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से

नवी मुंबई, एजेंसी

भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने वाली भारतीय टीम को महिला वनडे विश्व कप के गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा और उसे उम्मीद रहेगी कि कप्तान हरमनप्रीत कौर आठ साल पहले खेली गई जादुई पारी जैसा करिश्मा दिखाने में सफल रहेगी।

हरमनप्रीत की 2017 में इंग्लैंड के डर्बी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 115 गेंदों में नाबाद 171 रन की पारी एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसने महिला क्रिकेट को सुर्खियों में ला दिया था। सात बार के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर जीत से न केवल भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि आईसीसी खिताब जीतने की उसकी उम्मीदों को भी पंख लग जाएंगे। भारतीय टीम के प्रदर्शन में अभी तक निरंतरता का अभाव रहा है और उसके पास ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को पराजित करने का यह सुनहरा मौका है लेकिन इसके लिए उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

वर्तमान विश्व कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन अभी तक उतार चढ़ाव वाला रहा है। पहले दो मैच में जीत के बाद उसे लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन इसके बाद उसने अच्छी वापसी की और सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रही। लेकिन इस दौरान प्रतीका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई जो भारतीय टीम के लिए करारा झटका है क्योंकि यह सलामी बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में चल रही थी।

समय
दोपहर 3:00 बजे से

अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है क्योंकि भारत अब उन सभी प्रतिद्वंद्वियों के साथ सेमीफाइनल में है जिन्होंने लीग मुकाबलों में उसे पराजित किया था। लेकिन मैदान पर उतरने से पहले भारत को अपनी टीम संयोजन को लेकर कुछ सबसे प्रासंगिक सवालों का सामना करना पड़ेगा। बड़े शॉट लगाने वाली शेफाली वर्मा को टीम में शामिल करना आग में घी डालने जैसा है क्योंकि वह भारतीय योजना का हिस्सा नहीं थी और यही वजह थी कि वह भी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल नहीं थी। उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ उनका रिकॉर्ड (25 पारियों में 37.20 की औसत से 893 रन) रावल और मंधाना के सलामी जोड़ी के रूप में 23 पारियों में 78.21 की औसत से 1,799 रनों से कमतर दिखता है। क्या भारत को शेफाली को चुनना चाहिए, जिनकी आक्रामक शैली विरोधियों पर दबाव बना सकती है और मंधाना के शानदार फॉर्म की बराबरी कर सकती है।

बेमौसम बारिश के पूर्वानुमान के बावजूद पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल बनी हुई है और बड़े स्कोर का दबाव लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को परेशानी में डाल सकता है।

कप्तान हरमनप्रीत कौर।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ (उपकप्तान), एलिस पेरी, बेथ मूनी (विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, सोफी मोलिनक्स, एनाबेल सदरलैंड, डार्सी ब्राउन, मेगन स्कुट, जॉर्जिया वेयरहैम।

मुंबई में बारिश बिगाड़ सकती है खेल

मुंबई के मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मैच शुरू होने के बाद बारिश की प्रबल संभावना है और शाम तक बारिश होने की संभावना 40-70% है। इस मैच के लिए एक रिजर्व डे रखा गया है, जो शुक्रवार (31 अक्टूबर) को होगा। हालांकि, उस दिन का पूर्वानुमान और भी भयावह है। शुक्रवार को मैच की शुरुआत में बारिश की प्रबल संभावना है, जिसकी संभावना 70% तक है।

मैं चाहता हूं कि भारत की गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प हों : बिशप

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का मानना है कि मेजबान भारत को बृहस्पतिवार को महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक अतिरिक्त गेंदबाज के साथ उतरना चाहिए। भारत और ऑस्ट्रेलिया बृहस्पतिवार को नवी मुंबई में दूसरे सेमीफाइनल में भिड़ेंगे। भारतीय टीम पिछले काफी समय से पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों (जिनमें से तीन ऑलराउंडर हैं) के संयोजन के साथ मैच में उतर रही है। विश्व कप से पहले यह संयोजन कारगर दिख रहा था लेकिन दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लीग चरण की हार में इसकी कमियां उजागर हुईं। भारत को इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने जरूरी मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अमनजोत कौर की जगह विशेषज्ञ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को लाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार पहुंचा फाइनल में

गुवाहाटी, एजेंसी

- पहले सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रनों से हराया
- कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने खेली 169 रनों की धमाकेदार पारी
- दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाज मारिजेन कैप ने लिए पांच विकेट

कप्तान लॉरा वोलवार्ट के शानदार शतक के बाद मारिजेन कैप की तूफानी गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को यहां सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 125 रन से हराकर पहली बार आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई।

अफ्रीका के 320 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम कैप (20 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने 42.3 ओवर में 194 रन पर ढेर हो गई। नेदिन डि क्लर्क ने भी 24 रन देकर दो विकेट चटकाए। कप्तान नैट स्काइवर ब्रंट (64) और एलिस कैप्सी (50) ने अर्धशक जड़ने के अलावा चौथे विकेट के लिए 105 रन भी जोड़े लेकिन इंग्लैंड को लक्ष्य के करीब भी नहीं ले जा सके।

दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले वोलवार्ट की 143 गेंद में 17 चौकों और तीन छक्कों से 169 रन की तेजतर्रार पारी के अलावा ताजमिन ब्रिट्स (65 गेंद पर 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए उनकी 116 और कैप (33 गेंद पर 42 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी से सात विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। क्लो ट्रायोन (26 गेंद पर नाबाद 33) और डि क्लर्क (छह गेंद पर नाबाद 11) ने पारी के अंतिम ओवरों में कुछ आक्रामक शॉट खेलकर टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम लीग चरण में इसी टीम के खिलाफ 69 रन पर ऑल आउट हो गई थी। बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन (44 रन पर चार विकेट) और लॉरेन बेल (55 रन पर दो विकेट) ने दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम को ध्वस्त किया लेकिन वोलवार्ट ने इंग्लैंड के लिए विश्व कप सेमीफाइनल में रिकॉर्ड लक्ष्य सुनिश्चित किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में एक रन के स्कोर तक ही सलामी बल्लेबाजों ऐमी जोन्स और टैमी ब्युमोंट के अलावा हीथर नाइट का भी विकेट गंवा दिया। ये तीनों ही बल्लेबाज खाता खोलने में नाकाम रहीं। कैप ने पारी के पहले ही ओवर में दूसरी और पांचवीं गेंद पर क्रमशः ऐमी और नाइट को बोल्ड किया जबकि अगले ओवर की पहली गेंद पर अयाबोंगा खाका ने ब्युमोंट को विकेटकीपर सिनोलो जाफ्ता के हाथों कैच कराया। स्काइवर ब्रंट और कैप्सी ने चौथे विकेट के लिए 105 रन जोड़कर पारी को संवारा लेकिन 23वें ओवर में सुने लूस ने कैप्सी को डि क्लर्क के हाथों कैच कराके इस साझेदारी तोड़ा दिया। कैप्सी ने 71 गेंद की अपनी पारी में छह चौके मारे। कैप ने इसके बाद स्काइवर ब्रंट को विकेटकीपर जाफ्ता के हाथों कैच कराके इंग्लैंड की जीत की रही सही उम्मीद भी तोड़ दी। स्काइवर ब्रंट ने 76 गेंद का सामना करते हुए छह चौके और एक छक्का मारा। कैप ने सोफिया डंक्ले (02) और चार्ली डीन (00) को विकेट के पीछे कैच कराके पांच विकेट हासिल किए। डि क्लर्क ने लिंसे स्मिथ (27) को लूस के हाथों कैच कराके दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित की। इससे पहले वोलवार्ट ने ब्रिट्स के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़कर दक्षिण अफ्रीका को शानदार शुरुआत दिलाई।

तूफानी पारी के दौरान शॉट लगातीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

319/7 (50 ओवर)

लॉरा वोलवार्ट का कैप्सी बो बेल	169
ताजमिन ब्रिट्स बो एकलेस्टोन	45
एनेके बॉश बो एकलेस्टोन	00
सुने लुस बो स्काइवर ब्रंट	01
मारिजेन का डीन बो एकलेस्टोन	42
सिनालो जाफ्ता बो बेल	01
एनेरी डर्कसेन बो एकलेस्टोन	04
क्लो ट्रायोन नाबाद	33
नेदिन डि क्लर्क नाबाद	11

गेंदबाजी : बेल 10-0-55-2, स्मिथ 10-0-69-0, स्काइवर ब्रंट 8-0-67-1, डीन 10-0-67-0, एकलेस्टोन 10-1-44-4, कैप्सी 2-0-15-0

इंग्लैंड

194/10 (42.3 ओवर)

ऐमी जेम्स बो कैप	00
टैमी ब्युमोंट का जाफ्ता बो खाका	00
हीथर नाइट बो कैप	00
नैट स्किवर ब्रंट का जाफ्ता बो कैप	64
एलिस कैप्सी का डि क्लर्क बो लुस	50
डैनी का स्थानापन्न बो डि क्लर्क	34
सोफिया डंक्ले का जाफ्ता बो कैप	02
चार्ली डीन का जाफ्ता बो कैप	00
सोफी का डर्कसेन बो मलाबा	02
लिन्से स्मिथ का लूस को डि क्लर्क	27
लॉरेन बेल नाबाद	09

गेंदबाजी : कैप 7-3-20-5, खाका 8-0-28-1, डि क्लर्क 5.3-0-24-2, मलाबा 8-0-40-1, लूस 6-0-41-1,

पहला टी-20 मैच बारिश की भेंट चढ़ा

बारिश के कारण पैवेलियन लौटते कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल। एजेंसी

कैनबरा, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिर्फ 9.4 ओवरों का हो सका खेल
- भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हासिल की लय

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव कुछ शानदार शॉट के साथ लय में वापसी करते दिखे, लेकिन खराब मौसम और बारिश के कारण बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच रद्द करना पड़ा। बारिश के कारण 9.4 ओवर के खेल के बाद जब दूसरी बार खेल रोका गया तब सूर्यकुमार 24 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने शानदार लय में चल रहे उपकप्तान शुभमन गिल (20 गेंदों पर नाबाद 37) के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंद में 62 रन की साझेदारी के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार कर दी थी।

भारत ने खेल रोको जाने से पहले एक विकेट पर 97 रन बना लिए थे। भारतीय कप्तान ने कई आकर्षक शॉट लगाये लेकिन बारिश के कारण वह और गिल अर्धशतक पूरा करने से दूर रह गये। इस साल 110 से कम स्ट्राइक रेट से महज 100 रन बनाने वाले सूर्यकुमार ने जोश हेजलवुड की गेंद को अपने चिर-परिचित अंदाज में स्क्वायर लेग के ऊपर से छह रनों के लिए भेज कर यह दिखाया कि वह लंबे समय तक इस प्रारूप के शीर्ष बल्लेबाज क्यों रहे हैं। मनुका ओवल की पिच से गेंद को अच्छी उछाल रही थी और सूर्यकुमार ने इसका फायदा उठाते हुए नाथन एलिस के खिलाफ 10वें ओवर की शुरुआती दो गेंदों पर चौका जड़ा और फिर तीसरी गेंद को दर्शकों के दर्शन कराए। इसके एक गेंद बाद ही हालांकि बारिश फिर से शुरू हो गयी और मैच को रोकना पड़ा। गिल ने दूसरे छोर से आक्रमण और धैर्य का शानदार मिश्रण दिखाया। उन्होंने वामहस्त स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन के खिलाफ काऊ कॉर्नर (डीप मिडविकेट और लांग लेग के बीच में) पर दर्शनीय छक्का जड़ा। गिल ने इस छक्के के अलावा चार दिलकश चौके भी जड़े।

इससे पहले 4.4 ओवर के बाद भी बारिश के कारण खेल को रोकना पड़ा था। बारिश के पहले व्यवधान के बाद जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मैच को 18 ओवर प्रति टीम कर दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था जिसके बाद अभिषेक शर्मा (14 गेंद में 19 रन) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। एलिस ने हालांकि उन्हें खतरनाक होने से पहले ही चलता कर टीम को पहली सफलता दिलाई।

रोहित पहली बार वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे

दुबई : पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को अपने शानदार करियर में पहली बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस 38 साल के दिग्गज ने सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे और अंतिम वनडे में यादगार शतक (नाबाद 121) की बदौलत दो स्थान ऊपर चढ़कर इतिहास रच दिया। उनकी इस पारी से भारत ने नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। दायें हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली (नाबाद 74) के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपने 33वीं वनडे शतकीय पारी के दौरान 13 चौके और तीन छक्के जड़े।

रोहित ने अपनी इस पारी से अफगानिस्तान के धाकड़ बल्लेबाज इब्राहिम जदरान और भारत के अपने साथी शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया।

टेस्ट मैच की तैयारी | दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों में भारत ए के लिए में खेलेंगे

ऋषभ पंत पहले से अधिक फिट नजर आ रहे : सुदर्शन

अभ्यास करते ऋषभ पंत। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत ए के उप कप्तान साई सुदर्शन ने बुधवार को कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अधिक फिट दिख रहे हैं और दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दो मैचों की चार दिवसीय सीरीज में खेलने के लिए तैयार हैं। भारत ए की कप्तानी करने वाले पंत तीन महीने के अंतराल के बाद वापसी कर रहे हैं। जुलाई में इंग्लैंड में उन्हें पैर में चोट लगी थी। उनके भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैच की टेस्ट श्रृंखला में खेलने की संभावना है। दक्षिण अफ्रीका 14 नवंबर से 19 दिसंबर के बीच भारत में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगा।

सुदर्शन ने यहां दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा भारत ए के अभ्यास सत्र के बाद कहा ऋषभ वास्तव में फिट नजर आ रहे हैं। मैं कहूंगा कि वह पहले से अधिक फिट दिख रहे हैं।

- साउथ अफ्रीका 14 नवंबर से 19 दिसंबर के बीच भारत में दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगा

उनके पास अच्छी फिटनेस हासिल करने के लिए समय था। मुझे लगता है कि वो पहले से ज्यादा फिट, मजबूत और हमेशा की तरह निर्भीक नजर आ रहे हैं। पंत अभ्यास सत्र के दौरान अपने चिर परिचित अंदाज में बात कर रहे थे।

मैं तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी का योगदान समझने की कोशिश कर रहा हूं

भारतीय टेस्ट टीम में तीसरे क्रम पर अपनी जगह पक्की करने की ओर बढ़ रहे युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने कहा कि वह गेंदबाजों पर दबदबा बनाने के लिए इस बल्लेबाजी क्रम के लिए जरूरी रणनीति को सीख रहे हैं। मैं तकनीकी रूप से अपने फुटवर्क में काफी सुधार कर रहा हूं। पर इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं समझ रहा हूं कि तीसरे नंबर के खिलाड़ी को टीम के लिए क्या करना होता है। मैं इस भूमिका को बेहतर ढंग से समझ रहा हूं और उसे लागू करने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने कहा इसमें ज्यादा तकनीकी अंतर नहीं है, क्योंकि मुझे लगता है कि यह रणनीतिक रूप से बेहतर होने के बारे में है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज से एक कदम आगे रहने के लिए मजबूत रणनीति होना जरूरी है और मैं इस पर काम कर रहा हूं। सुदर्शन ने कहा कि विरोधी टीम पर रणनीतिक बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है क्योंकि क्रिकेट के शीर्ष स्तर पर आपकी खामियां जल्दी उजागर हो जाती है। उन्होंने कहा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में आप जिसका भी सामना करते है वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ होता है। ऐसे में अगर आपकी बल्लेबाजी में कोई खामी है तो आप उसके साथ ज्यादा दिन तक बने नहीं रह सकते हैं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यह सब उन रणनीतिक सुधार पर निर्भर करता है जो आप किसी गेंदबाज की ताकत और कमजोरियों के अनुसार उसके खिलाफ इस्तेमाल करते हैं। मुझे लगता है कि मैं अभी यही सीख रहा हूं, शायद मैं इसे और निखार रहा हूं और भारत के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने का सबसे अच्छा तरीका ढूंढ रहा हूं।